राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अकं : 234 पटना (बिहार) बुधवार,25 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

बिहार में पंचायत प्रतिनिधि और जीविका कर्मियों का वेतन बढ़ा, नीतीश कैबिनेट की बैठक में 46 एजेंडों पर मुहर

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बिहार कैबिनेट की बैठक हुई. जहां कुल 46 प्रस्तावों पर सहमति बनी. जीविका कर्मियों का वेतन दोगुना करने के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन में डेढ़ गुना इजाफा किया गया है. वहीं, 94 लाख परिवारों के हित में योजना बनाने के लिए समिति गठित कर दी गई है. इसके अलावे बिहार के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में 20 रुपये प्रति थाली खाना मिलेगा, जो जीविका के द्वारा संचालित होगा.

हर पंचायत में बनेंगे कन्या विवाह भवनः कैबिनेट की बैठक में 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना' को मंजूरी दे दी गई है. पंचायतों में विवाह भवनों के निर्माण के लिए 40 अरब 26 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है. इन विवाह भवनों का संचालन जीविका दीदियों के द्वारा किया जाएगा. इससे पंचायत स्तर पर विवाह भवनों के निर्माण से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को काफी फायदा होगा. 8000 से अधिक पंचायत में पंचायत विवाह भवन का निर्माण कराया जाएगा.

सरकार ने की 94 लाख परिवारों की चिंताः बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान कहा कि महिलाओं से विमर्श के बाद नीतीश सरकार ने कई निर्णय लिए हैं. जीविका दीदी के वेतन में वृद्धि का फैसला लिया गया है तो उन्हें मिलने वाले कर्ज में भी बढ़ोतरी की गई है. मुख्य सचिव ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन भत्ता में भी वृद्धि की गई है. इसके साथ ही 94 लाख परिवारों की बेहतरी के लिए कमेटी के गठन का फैसला लिया गया है. क्या बोले मुख्य सचिव?ः फैसले की जानकारी देते हुए मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने कहा कि 12 जून को सीएम ने पंचायती राज संस्थाओं और ग्राम कचहरियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया था. पंचायती राज संस्थाओं के सभी स्तर के प्रतिनिधियों के मानदेय में बढ़ोतरी डेढ़ गुणा कर दी गई. पंचायती राज प्रतिनिधि के सदस्यों की आकस्मिक और सामान्य मृत्यु तक 5 लाख की राशि देय होगी. सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि

400 से बढ़ाकर 1100 करने को कैबिनेट ने दी स्वीकृति दी है, यह अगले महीने से लागू होगा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी की अध्यक्षता में आज बिहार कैबिनेट की बैठक में कुल 46 एजेंडों पर मुहर लगी है. जीविका कर्मियों और पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन में बढ़ोतरी का फैसला लिया गया है.- अमृत लाल मीणा, मुख्य सचिव, बिहार 20 रुपये में मिलेगा खानाः वहीं, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत ने कहा कि 'दीदी की रसोई' का प्रति थाली न्यूनतम खर्च लगभग 40 रुपए है. इसलिए 20 रुपये प्रति थाली की क्षतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा जीविका को उपलब्ध कराई जाएगी. सस्ता एवं शुद्ध भोजन उपलब्ध होने से बाह्य मरीजों और उनके परिजनों को काफी सुविधा होगी. राज्य के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है. इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले आमजनों को सस्ते दर पर शुद्ध भोजन मिल सके. ज्यादा वाणिज्य कर देने वाले होंगे सम्मानितः कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन भत्ते में वृद्धि कर दी गई है. परिवहन विभाग अंतर राज्य मार्ग में एसी बस चलाई जाने को लेकर कैबिनेट में मंजूरी दी गई है. पटना में ड्रीनेज सिस्टम सैदपुर नाला को ढंका जाएगा. उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी राजगीर में पद सृजन लिपिक का किया गया. जेपी गंगा पथ से कोईलवर सड़क बनाई जाने को मंजूरी दे दी गई है. वहीं राज्य सरकार को वाणिज्य कर देने वाले सबसे ज्यादा व्यापारियों को भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा.

संक्षिप्त समाचार

डीएसपी विप्लव कुमार के स्थानांतरण के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन

दिव्य दिनकर बिहार डिग्नेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

पटना मधुबनी जिला के जयनगर अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित सामुदायिक प्रशिक्षण भवन के सभागार में डीएसपी विप्लव कुमार के स्थानांतरण के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया।जयनगर के बीडीओ राजीव रंजन के संचालन में आयोजित विदाई समारोह में एसडीओ दीपक कुमार,नगर पंचायत जयनगर के अध्यक्ष कैलाश पासवान,सर्किल इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह,जयनगर थानाध्यक्ष अमित कुमार,अपर थानाध्यक्ष सुभम कुमार,देवधा थानाध्यक्ष प्रीति भारती,बासोपट्टी थानाध्यक्ष अरविंद कुमार, लदनियां थानाध्यक्ष धनंजय कुमार, जयनगर चैंबर आफ कामर्स के बैधनाथ ठाकुर,अनिल वैरोलिया,पवन यादव कैट के प्रीतम बैरोलिया,मिथिलांचल चेम्बर ऑफ कॉमर्स शिवशंकर ठाकुर,शीतल राउत जदयू के प्रखण्ड अध्यक्ष राज कुमार सिंह,बीस सूत्री के अध्यक्ष उद्धव कुँवर क समेत शहर के अन्य लोग उपस्थित थे। वक्ताओं ने डी एस पी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि अपने कार्यकाल में इन्होंने अनुमंडल क्षेत्र में अपराध रोकने में सफल होकर प्रशंसा के पात्र बने। बिदाई समारोह में डीएसपी को पाग, चादर, माला, अंगवस्त्र समेत अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया।

एसडीओ व डीएसओ ने ओलंपिक दिवस एवं नशामुक्ति का संदेश देने वाले क्रॉस कंट्री दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस एवं नशा मुक्ति को लेकर मंगलवार को सिदो-कान्हू मुर्मू पार्क स्थित वीआईपी रोड से बैंक कॉलोनी स्टेडियम तक क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन हुआ। दौड़ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी श्री साईमन मरांडी* ने कहा कि अभियान के तहत जिले में 1 जून से 26 जून तक जिले में नशे के विरुद्ध अनेक जान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जनसाधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना और इनसे बचना है, बल्कि इस अभियान को नशे के खिलाफ एक जन आंदोलन का रूप देना है।ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़कर अपना योगदान दे सकें। अभियान के तहत जिले में 1 जून से 26 जून तक अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही है। साथ ही बताया कि ओलंपिक दिवस का उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना, शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। मौके पर ओलम्पिक संघ के सचिव रणवीर कुमार सिंह, खेल समन्वयक विवेक रजक, पर्यटन विशेषज्ञ दीपन लाहिरी, मनीष कुमार,अक्षय बाउरी, प्रोन्नति रानी दास,अंकिता राय,श्यामल सोरेन,नारायण रॉय,जगबंधु दास, मो. शकील अहमद उपस्थित थे।

Teamprdpakur

बिहार में न्यूक्लियर पावर प्लांट! मदद करने को तैयार केंद्र सरकार

संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने में केंद्र सरकार मदद करेगी। पूर्वी क्षेत्रीय ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में इस पर सैद्धांतिक सहमति बनी। ये न्यूक्लियर प्लांट नवादा के रजौली स्थित फुलवरिया जलाशय के पास लगाया जाना है। लंबे समय से इसकी तैयारी की जा रही है। अगर ये प्रोजेक्ट सफल होता है तो पूर्वी भारत का पहला न्यूक्लियर पावर प्लांट होगा। बिहार सहित दूसरे राज्यों की बिजली जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। पूर्वी क्षेत्रीय ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में देश की ऊर्जा नीति को लेकर कई अहम फैसले लिए गए। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश में प्रस्तावित नए न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर चर्चा किया गया। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा देश के छह राज्यों में न्यूक्लियर पावर प्लांट लगाने की योजना है। जिसमें से एक बिहार में हो सकता है। इससे राज्य को न सिर्फ बिजली आपूर्ति में मजबूती मिलेगी, बल्कि रोजगार, तकनीकी दक्षता और निवेश की नई संभावनाएं भी खुलेंगी। उन्होंने कहा कि बिहार को न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट में विशेष भागीदारी दी जाएगी। इससे राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता के साथ-साथ तकनीकी विकास का लाभ मिलेगा। मनोहर लाल खट्टर ने देश में साइबर हमलों से सुरक्षा को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए हर राज्य में प्रशिक्षित कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। ताकि साइबर हमलों से बचाव हो सके। ये देश की सुरक्षा के लिए जरूरी है। खट्टर ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे विरोधी देश ने ऐसी कई कोशिश की, मगर हमारे देश ने उसे नाकाम कर दिया। बिहार में #न्यूक्लियरपावरप्लांट लगाने में केंद्र सरकार मदद करेगी। पूर्वी क्षेत्र के ऊर्जा मंत्रियों की मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी है। यह प्लांट नवादा जिले के रजौली में फुलवरिया जलाशय के पास बनने की संभावना है। ये पूर्वी भारत का पहला न्यूक्लियर पावर प्लांट हो सकता है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने बिहार सरकार की जमकर तारीफ की है। उन्होंने बिहार सरकार को बधाई देते हुए कहा कि बिहार न एटीएनसी लॉस को कम किया है। उन्होंने कहा कि बिहार ने ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत सुधार किया है। खट्टर ने कहा कि जो बिहार इस मामले में काफी पिछड़ा माना जाता था। बिहार ने अब तक 80 लाख स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। खट्टर ने कहा जो पारदर्शी और स्मार्ट बिलिंग की दिशा में एक बड़ा कदम है। आइलैंडिंग सिस्टम की मदद से अब पावर फेल्योर की स्थिति में क्षेत्रवार नियंत्रण संभव हो सका है। बैठक में ये भी सामने आया कि भारत अब ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। भारत अब भूटान, म्यांमार और बांग्लादेश को बिजली निर्यात भी कर रहा है। नेपाल के साथ आयात-निर्यात की नीति पहले से लागू है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम रिन्यूएबल एनर्जी पर भी जोर दे रहे हैं। कंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने पावर फॉर ऑल, फॉर ऑल टाइम का स्लोगन दिया है।

लालू यादव फर्जी वोट के जरिए बनते हैं आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार एनडीए के नेताओं ने एक बार फिर लालू यादव पर हमला बोला। पटना के फुलवारी शरीफ में JDU के एक कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्याम रजक ने RJD प्रमुख लालू यादव पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि फ्खऊ में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में फर्जी वोटरों का इस्तेमाल कर लालू यादव ने जीत दर्ज की। रजक ने पार्टी फंड की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाते हुए उसकी सार्वजनिक जांच की मांग की। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री राम कृपाल यादव ने भी लालू यादव की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'हर चीज मजाक है उनका, सदस्यता भी। हम उनके साथ काम कर चुके हैं, हम जानते हैं।' उन्होंने सदस्यता अभियान में RJD की ओर से बताए गए आंकड़ों को झूठा बताते हुए कहा कि यदि एक करोड़ सदस्य हैं तो पार्टी को पांच करोड़ रुपये की आमदनी भी दिखानी चाहिए। उन्होंने फ्खऊको बिहार में बेरोजगारी, गरीबी और भ्रष्टाचार का कारण बताया।बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने भी लालू यादव पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'लोकतंत्र को कलंकित करने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि एक आर्थिक अपराधी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर आदर्श बनने की कोशिश कर रहा है, यही फ्खऊ की राजनीति है जिसने बिहार को बदनाम किया है। विजय सिन्हा ने RJD को 'राजद कल्चर' बताया जो बिहार को बर्बाद कर रहा है। इन आरोपों पर पलटवार करते हुए RJD प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने विजय सिन्हा को RSS का 'नाजायज प्रतिबिंब' बताया। उन्होंने कहा कि विजय सिन्हा की कोई व्यक्तिगत राजनीतिक हैसियत नहीं है और वे सिर्फ विभागों में गब्बर टैक्स वसूली करने का काम कर रहे हैं।

पवन सिंह की राइफल की गोली ले गए चोर, शूटिंग में बिजी पावर स्टार, आरा की पुलिस परेशान

क्राइम संवाददाता द्वारा

आराः पावर स्टार पवन सिंह के आरा वाले घर में चोरी हो गई। आरा शहर के न्यू मारुति नगर में भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह का घर है। बताया जा रहा है कि चोर खिड़की काटकर घर के अंदर दाखिल हुए और लाखों रुपए के जेवरात, नकदी और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। चोरों ने पवन सिंह के घर से लगभग 15 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात, 15 हजार रुपए नकद और लाइसेंसी राइफल की 30 गोलियां चुरा ली। चोरी गए सामानों में महंगे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और दूसरे कीमती वस्तुएं भी शामिल हैं। चोरी की ये वारदात आरा नगर थाना क्षेत्र के न्यू मारुति नगर इलाके में स्थित पवन सिंह के निजी आवास पर हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, ये चोरी देर रात के वक्त अंजाम दी गई, जब घर पर कोई नहीं था। चोरों ने पहले घर की खिड़की को गैस कटर या किसी धारदार औजार से काटा, फिर अंदर घुसकर अलमारी और लॉकर को निशाना बनाया। अनुमान लगाया जा रहा है कि ये चोरी पूर्व नियोजित थी और चोरों को घर के भीतर की जानकारी पहले से थी। घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने आसपास लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगालनी

शुरू कर दी है और संदिग्ध लोगों से पूछताछ जारी है। शुरूआती जांच में पुलिस को शक है कि ये पेशेवर गिरोह की करतूत हो सकती है। नगर थाना प्रभारी देवराज राय ने बताया कि हमें चोरी की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा, लेकिन हम इस केस को गंभीरता से ले रहे हैं और जल्दी ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। इस पूरी घटना को लेकर अब तक पवन सिंह की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन उनके करीबी सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें मिल चुकी है और वे इस वक्त शूटिंग में व्यस्त हैं। वे जल्द ही आरा पहुंच सकते हैं। इस वारदात के बाद न्यू मारुति नगर के स्थानीय लोग डरे हुए हैं। लोगों का कहना है कि जब एक सेलिब्रिटी के घर पर इस तरह की वारदात हो सकती है, तो आम आदमी कितनी सुरक्षित है? स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से नाइट गश्ती बढ़ाने और क्षेत्र में सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की।

कमजोर जनजातीय समूहों के बीच बुनियादी अधिकार, कल्याणकारी योजना के सेवाओं की संतृप्ति के लिए शिविर का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःलिट्टीपाड़ा के ग्राम पंचायत सचिवालय सूरजबेड़ा में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत अनुसूचित जनजातीय ग्राम मोहनपुर, सूरजबेड़ा, जितालपुर, चितलो और कारिपहाड़ी के लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर का प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मानिक दास, मुखिया पाकू मुर्मू, ग्राम प्रधान दिनेश टुडू द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया. आयोजत शिविर में जनजातीय नागरिक को आवश्यक सेवाएं और सम्मान बहाल करने के उद्देश्य से योजनाओं और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही शिविर के माध्यम से पात्र पीवीटीजी, ट्राइबल परिवार को 5 पैरामीटरों यथा आइडेंटिफिकेशन एंड बेसिक डॉक्यूमेंटेशन के तहत आधार कार्ड, कास्ट एवं डोमिसाइल सर्टिफिकेट, फूड एंड न्यूट्रिशन के तहत राशन कार्ड, पोषण, हैल्थ एंड इंश्योरेंस के तहत पीएम मातृवंदना योजना, टीबीमुक्त भारत, निःक्षय पोषण, मिशन इंद्रधनुष के अलावा फाइनेंसियल इंक्लूजन के तहत पीएम जनधन योजना, मुद्रा योजना, वन धन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना के अतिरिक्त एग्रीकल्चर एवं लाइवलीहुड के तहत केसीसी, पीएम किसान, मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं के लाभ से आच्छादित करने के लिए जानकारियां दी गई ओर आवेदन प्राप्त कर कई लाभुकों को ऑन दा स्पॉट लाभ पहुंचाया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) का उद्देश्य जनजातीय नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर उनका सम्मान बहाल करना और अंतिम छोर तक पात्र व्यक्ति को उसका हक दिलाना है।

पशुपति पारस की पत्नी और प्रिंस राज की मां को हाईकोर्ट से राहत

संवाददाता द्वारा

पटनाः चिराग पासवान की बड़ी मां से जुड़े मामले में पटना हाईकोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की पत्नी शोभा देवी और प्रिंस राज की मां सुनैना देवी को बड़ी राहत दी है. न्यायालय ने इनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए प्राथमिकी के सूचक को नोटिस जारी किया है. जस्टिस संदीप कुमार ने दायर अर्जी पर सुनवाई की. क्या बोले अधिवक्ता?ः आवेदिका शोभा और सुनैना की ओर से अधिवक्ता राजकुमार ने कोर्ट को बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की तलाकशुदा पत्नी राजकुमारी देवी ने अलौली थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर आरोप लगाया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की पत्नी और छोटे भाई रामचंद्र पासवान की पत्नी ने उनके कमरे में रखे सारे सामान को बाहर फेंक दिया. साथ ही बेड रूम और बाथरूम में ताला मार दिया. तलाक के बाद संपत्ति पर हक नहींः अधिवक्ता राजकुमार ने अदालत को बताया कि सूचक (राजकुमारी देवी) का 1981 में ही केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान से कोर्ट से तलाक हो गया था. ऐसे में तलाकशुदा पत्नी को खानदानी संपत्ति में कोई अधिकार नहीं हैं, भले ही पति की संपत्ति में उनका

अधिकार होगा. ऐसे में खानदानी घर में उनका कोई अधिकार नहीं है और ना ही उन्हें घर से निकाला गया है. अनपढ़ है तो हस्ताक्षर कैसे की?ः पशुपति पारस की पत्नी के एडवोकेट का ये भी कहना था कि राजकुमारी देवी पढ़ी-लिखी नहीं हैं. वह अंगूठा का निशान लगती हैं लेकिन दर्ज प्राथमिकी में हस्ताक्षर किया हुआ है. कोर्ट ने दर्ज प्राथमिकी के कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सूचक को नोटिस जारी किया है. क्या है मामला?ः दरअसल, इसी साल अप्रैल में रामविलास पासवान की पहली पत्नी राजकुमारी देवी ने आरोप लगाया था कि उनकी दोनों देवरानी उनसे झगड़ती हैं और शहरबन्नी स्थित घर से निकालना चाहती हैं. उन्होंने कहा कि पशुपति पारस की पत्नी और प्रिंस राज की मां ने ताला जड़ दिया था. इतना ही नहीं 50 बीघा जीमान पर कब्जा करने का भी आरोप लगाया था. इसी को लेकर उनकी ओर से थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी. बाद में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी आकर बड़ी मां से भेंट की और चाचा पर कई गंभीर आरोप लगाए.

कई देश ईरान को परमाणु हथियार देने के लिए तैयार : पुतिन के शीर्ष सहयोगी मेदवेदेव

ब्यूरो

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रमुख सहयोगी दिमित्री मेदवेदेव ने दावा किया है कि कई देश ईरान को परमाणु हथियार देने के लिए तैयार हैं। यह बयान पश्चिम एशिया में पहले से मौजूद तनाव को और बढ़ा सकता है। अमेरिका के ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमलों के बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन के शीर्ष सहयोगी और पूर्व राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव ने सनसनीखेज दावा किया है। मेदवेदेव ने संकेत दिया कि कई देश अब ईरान को परमाणु हथियारों की आपूर्ति के लिए तैयार हैं। तो क्या यह संकट शांति की राह लेगा या विश्व को एक नए युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर देगा? इस सवाल के जवाब से पहले यह जान लें कि आखिर पुतिन के सहयोगी ने परमाणु समर्थन को लेकर क्या कहा है। रूस के सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव ने एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट की हैं। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी हमलों ने न केवल अपने उद्देश्य को हासिल करने में असफल रहे, बल्कि उल्टा नतीजा दिया।

दमित्री मेदवेदेव का दावा : दमित्री मेदवेदेव ने एक्स पर लिखा, 'परमाणु ईंधन साइकल की अहम संरचनाएँ या तो प्रभावित नहीं हुईं या उनमें बहुत कम नुक़सान हुआ है। अब हम खुलकर कह सकते हैं कि भविष्य में परमाणु सामग्री का संवर्धन और परमाणु हथियारों का उत्पादन जारी रहेगा। कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार सीधे देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, 'इसराइल पर हमले हो रहे हैं, देश में विस्फोट हो रहे हैं, और लोग डर के मारे घबरा रहे हैं। अमेरिका अब एक नए संघर्ष में उलझ गया है और भविष्य में जमीनी कार्रवाई की संभावना दिख रही है। ईरान का राजनीतिक शासन बच गया है और संभवतः यह और भी मज़बूत होकर उभरा है। लोग देश के आध्यात्मिक नेतृत्व के इर्द-गिर्द एकजुट हो रहे हैं, जिसमें वे लोग भी शामिल हैं जो पहले इसके प्रति उदासीन या विरोधी थे।

रूस-ईरान संबंध : रूस और ईरान के बीच सैन्य और रणनीतिक संबंध हाल के वर्षों में मज़बूत हुए हैं, खासकर यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद। हालाँकि, जनवरी 2025 में पुतिन और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान द्वारा हस्ताक्षरित 20-वर्षीय रणनीतिक साझेदारी समझौते में रूस ने ईरान को सैन्य सहायता देने का कोई वादा नहीं किया था। फिर भी, मेदवेदेव का बयान इस संभावना को जन्म देता है कि रूस ईरान के समर्थन में अपनी स्थिति को और सख्त कर सकता है। मेदवेदेव का यह बयान तब आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार देर रात घोषणा की थी कि अमेरिकी सेना ने ईरान की परमाणु सुविधाओं को 'पूरी तरह तबाह' कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान शांति नहीं बनाता तो और हमले हो सकते हैं। ईरान ने इन हमलों की पुष्टि की, लेकिन कहा कि उसके परमाणु स्थलों पर काम करने वाले कर्मचारियों को पहले ही सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया था। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हमलों को अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन क़रार देते हुए कहा कि तेहरान जवाबी कार्रवाई के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रहा है।

> रूस और ईरान के बीच सैन्य और रणनीतिक संबंध हाल के वर्षों में मज़बूत हुए हैं, खासकर यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद। हालाँकि, जनवरी 2025 में पुतिन और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान द्वारा हस्ताक्षरित 20-वर्षीय रणनीतिक साझेदारी समझौते में रूस ने ईरान को सैन्य सहायता देने का कोई वादा नहीं किया था। फिर भी, मेदवेदेव का बयान इस संभावना को जन्म देता है कि रूस ईरान के समर्थन में अपनी स्थिति को और सख्त कर सकता है। मेदवेदेव का यह बयान तब आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार देर रात घोषणा की थी कि अमेरिकी सेना ने ईरान की परमाणु सुविधाओं को 'पूरी तरह तबाह' कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान शांति नहीं बनाता तो और हमले हो सकते हैं। ईरान ने इन हमलों की पुष्टि की, लेकिन कहा कि उसके परमाणु स्थलों पर काम करने वाले कर्मचारियों को पहले ही सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया था।

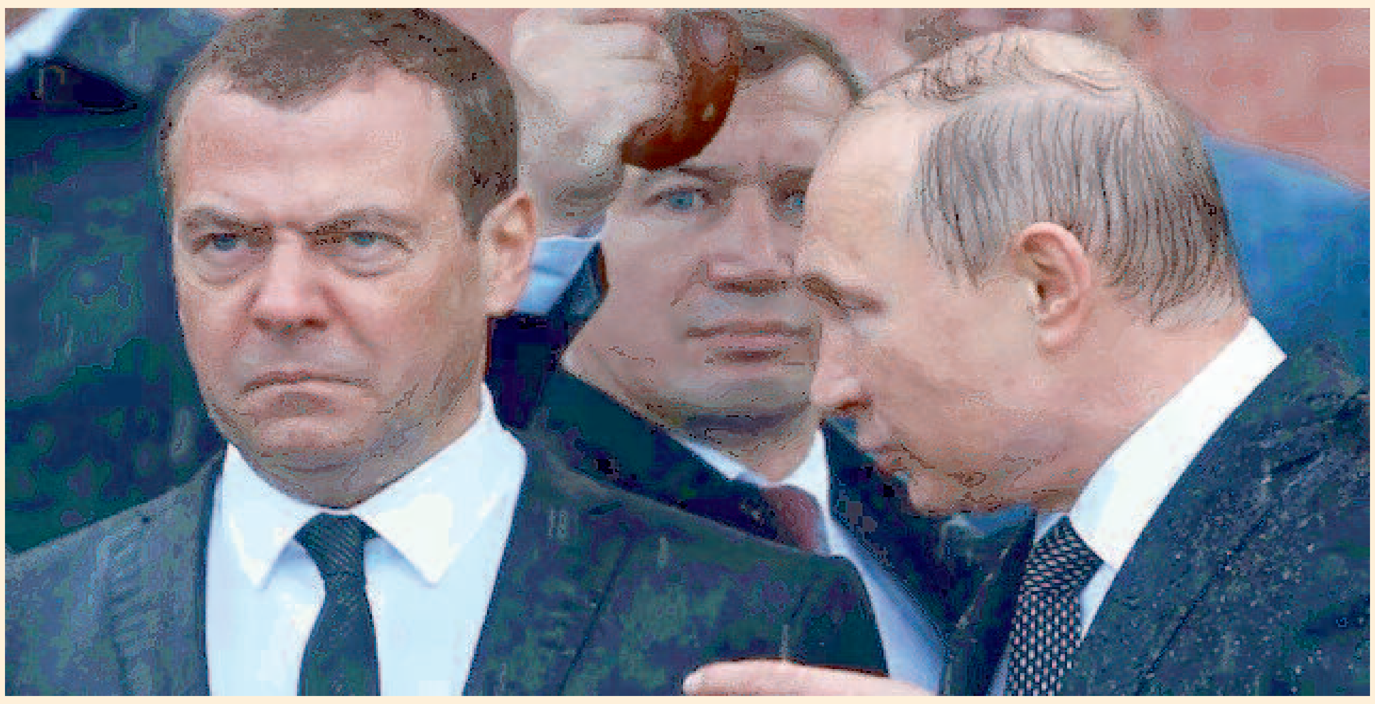

ईरान का रूस की ओर रुख : हमलों के बाद ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने रविवार को घोषणा की कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गहन परामर्श के लिए मॉस्को की यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'रूस के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी है और हम हमेशा एक-दूसरे के साथ परामर्श करते हैं। इस क़दम को ईरान द्वारा रूस से समर्थन मांगने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है, ख़ासकर तब जब मध्य पूर्व में स्थिति तेज़ी से बिगड़ रही है। रूस के विदेश मंत्रालय ने रविवार को अमेरिकी हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'किसी संप्रभु देश पर मिसाइल और बम हमले करने का यह ग़ैर-ज़िम्मेदाराना फ़ैसला अंतरराष्ट्रीय क़ानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का खुला उल्लंघन है।' रूस ने आक्रामकता को रोकने और स्थिति को कूटनीतिक रास्ते पर लाने की मांग की।

परमाणु ख़तरे की संभावना : रूस ने पहले ही इसराइली हमलों के संदर्भ में परमाणु जोखिम की चेतावनी दी थी। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा था कि परमाणु सुविधाओं पर हमले दुनिया को आपदा के कगार पर ला खड़ा करते हैं। रूस ने बुशहर परमाणु संयंत्र पर हमले की आशंका जताई थी, जहाँ रूसी विशेषज्ञ काम कर रहे हैं। रूस के परमाणु ऊर्जा निगम के प्रमुख ने चेतावनी दी थी कि बुशहर पर हमला चेरनोबिल जैसी आपदा को पैदा कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानी आईएईए ने कहा कि हमलों से रेडियोधर्मी रिसाव का कोई सबूत नहीं मिला, लेकिन परमाणु सुरक्षा की स्थिति गंभीर है। जानकारों का कहना है कि अमेरिकी हमले ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह तबाह करने में शायद सफल न हुए हों। कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ये हमले ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में और तेजी से धकेल सकते हैं।

भतीजी के स्नातक समारोह के लिए लंदन गए राहुल

ब्यूरो

भतीजी के स्नातक समारोह के लिए लंदन गए राहुल;साफ किया कि राहुल अपनी भतीजी के स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए लंदन गए हैं। वे जल्द ही वापस आ जाएंगे। दरअसल, भाजपा की ओर से राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर सवाल उठाए गए थे। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर बार-बार गायब होने के लिए हमला किया था। मालवीय ने एक्स पर कहा था, 'राहुल गांधी पिछले सप्ताह ही विदेश छुट्टी पर थे। अब वह फिर से किसी अन्य अज्ञात स्थान पर विदेश चले गए हैं।' उन्होंने कहा था, 'ये बार-बार गायब क्यों हो रहे हैं? ऐसी क्या मजबूरी है, जो उन्हें इतनी बार देश से दूर रखती है? विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें भारत के लोगों को जवाब देना चाहिए। सोशल मीडिया पर यह भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि राहुल गांधी बहरीन गए हैं। हालांकि, कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि उनकी उड़ान का कार्यक्रम नई दिल्ली-बहरीन-लंदन था।

कांग्रेस का पलटवार: कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पीएमओ हमेशा की तरह अपनी गंदी चालें चल रहा है। उसे और कुछ नहीं आता। राहुल गांधी अपनी भतीजी के स्नातक समारोह में भाग लेने के लिए लंदन गए हैं और जल्द ही वापस आ जाएंगे।' दरअसल, राहुल गांधी की भतीजी और प्रियंका गांधी-रॉबर्ट वाड्रा की बेटी मिराया वाड्रा ब्रिटेन से स्नातक कर रही हैं।

बिलबिलाते रह गए बिलावल भुट्टो, सिंधु जल संधि पर वर्ल्ड बैंक में भी पाकिस्तान के खिलाफ भारत का एक्शन शुरू

अंजन कुमार

नई दिल्ली : पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री ने बिलावल भुट्टो ने एक बार फिर से सिंधु जल संधि रोकने के भारत के फैसले के खिलाफ गीदड़भभकी देने की कोशिश की थी। लेकिन, भारत ने अपने फैसले पर आगे के कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। भारत पहले ही सिंधु घाटी के नदियों के पानी को नहरों के माध्यम से अपने कई राज्यों तक पहुंचाने की नीति पर काम करना शुरू कर दिया था। अब विश्व बैंक से भी कह दिया है कि किशनगंगा और रतले जलविद्युत परियोजनाओं को लेकर जो मामले पहले से उसके पास लंबित हैं, उसकी प्रक्रिया पर तत्काली विराम लगा दे, क्योंकि अब वह सिंधु जल संधि को ठंडे बस्ते में डाल चुका है।

बिलावल भुट्टो ने फिर दी थी गीदड़भभकी : पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने वहां की नेशनल असंबेली में फिर से सिंधु जल संधि रोकने के भारत के फैसले पर धमकाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'भारत के पास दो विकल्प हैं। सही से पानी साझा करे या हम सभी 6 दरिया ले लेंगे।...हम जंग नहीं चाहते, लेकिन अगर पानी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा...तो पाकिस्तान कार्रवाई करने को बाध्य होगा और हम पहले की तरह ही भारत को हराने की स्थिति में हैं....।

वर्ल्ड बैंक के न्यूट्रल एक्सपर्ट को लिखा पत्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही साफ कर चुके हैं, भारत ने सिंधु जल संधि पर जो रोक लगाई है, वह अब कभी फिर से बहाल नहीं होने वाला। अब इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट आई है, जिसके अनुसार भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) के एक्सपर्ट की

कार्रवाही पर रोक लगाने की मांग की है। यह कार्रवाई किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं को लेकर चल रही है। भारत सरकार ने विश्व बैंक के न्यूट्रल एक्सपर्ट मिशेल लिनो को पत्र लिखकर रतले और किशनगंगा जलविद्युत विवादों पर कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया है। सरकार ने यह फैसला इस समझौते को निलंबित करने के बाद लिया है। लिनो ने इस मामले पर पाकिस्तान से राय मांगी थी, जिसका पाकिस्तान ने विरोध किया है।

विश्व बैंक की ओर से नियुक्त हैं मिशेल लिनो : साल 2022 से लिनो जम्मू और कश्मीर में बन रही दो भारतीय जलविद्युत परियोजनाओं - किशनगंगा (किशनगंगा नदी पर) और रतले (चिनाब नदी पर) से जुड़े विवादों की सुनवाई कर रहे हैं। लिनो एक फ्रांसीसी बांध इंजीनियर हैं। वह हाल तक इंटरनेशनल कमीशन ऑन लार्ज डैम्स के अध्यक्ष थे। विश्व बैंक ने उन्हें 13 अक्टूबर, 2022 को सिंधु जल समझौते के अनुच्छेद क और अनुबंध एफ के तहत नियुक्त किया था। उनका काम भारत और पाकिस्तान दोनों की बात सुनना और यह तय करना है कि क्या इन परियोजनाओं का डिजाइन संधि का पालन करता है। पाकिस्तान हमेशा से भारत पर संधि के नियमों के उल्लंघन के नाम पर विकास कार्यों को बाधित करने की कोशिश करता आया है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद रुकी है संधि : पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फैसला किया है कि सिंधु जल संधि को 'जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता' तब तक निलंबित रखा जाएगा। इसके बाद, भारत सरकार ने औपचारिक रूप से लिनो को सूचित किया और उनसे किशनगंगा और रतले विवादों से संबंधित 'वर्क प्रोग्राम' को रद्द करने का अनुरोध किया।

सिंधु जल पर अपने हित में काम कर रहा भारत : इस बीच, सूत्रों के अनुसार सरकार ने सिंधु नदी प्रणाली से पानी को विभिन्न भारतीय राज्यों में मोड़ने के लिए एक नहर बनाने की योजना बनाई है। इसने बगलीहार और सलाल में दो फ्लशिंग एक्सरसाइज भी किए हैं। ये चिनाब नदी पर बने रन-ऑफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजनाएं हैं। इनका मकसद तलछट (गाद) को साफ करना है, जो बिजली उत्पादन में बाधा डालती है। सलाल 1987 में और बगलीहार 2008-09 में बनने के बाद ये पहली बार है कि इस तरह से सफाई की कोशिश की गई है। पाकिस्तान पहले सिंधु जल संधि के बहाने अपनी आपत्तियां जताकर ऐसी गतिविधियों को रोक दिया करता था। अधिकारियों का कहना है कि अब हर महीने फ्लशिंग की जाएगी। इस बीच सरकार चिनाब पर चार जलविद्युत परियोजनाओं - पाकल दुल (1,000 मेगावाट), रतले (850 मेगावाट), किरू (624 मेगावाट) और क्वार (540 मेगावाट) को तेजी से पूरा करने की कोशिश भी शुरू कर चुकी है।

जानिए क्यों टल गई क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की शादी?

वैभव पांडे

जौनपुर : क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की 18 नवंबर को वाराणसी में होने वाली शादी टल गई है। बताया जा रहा है कि उस दौरान रिंकू सिंह घरेलू क्रिकेट में व्यस्त रहेंगे। शादी की अगली तारीख जल्द तय की जाएगी। संभवतः आईपीएल 2026 के बाद डेट तय की जाएगी। प्रिया सरोज मछलीशहर सीट से पहली बार सांसद चुनी गई हैं। कुछ दिन पहले ही लखनऊ के फाइव स्टार होटल में रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की सगाई हुई थी। 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में शादी होनी थी। होटल में मेहमानों के लिए कमरे आदि भी बुक किए गए थे। अक्टूबर से फरवरी के बीच रिंकू सिंह घरेलू क्रिकेट में प्रदेश की टीम की ओर से खेलेंगे। इसके कुछ दिनों बाद आइपीएल शुरू हो जाएगा। फरवरी के अंत में खेल से वक्त मिलने पर या फिर आइपीएल 2026 के बाद शादी की तिथि तय की जाएगी। दोनों परिवार ने यह भी तय किया है कि शादी वाराणसी में न करके कहीं अन्य स्थान पर की जाएगी और यह डेस्टिनेशन वेडिंग होगी।

सगाई में आए थे कई बड़े मेहमान : आपको बता दें कि प्रिया सरोज और रिंकू सिंह के सगाई समारोह में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, डिंपल यादव, जया बच्चन समेत कई बड़े नेता शामिल हुए थे। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और कई क्रिकेटरों ने भी शिरकत की थी। रिंकू सिंह ने जब अंगूठी पहनाई तो प्रिया सरोज भावुक हो गई थीं। वह लगातार अपने आंसू पोंछती नजर आई थीं। सगाई के बाद जब रिंकू सिंह पहली बार अपनी ससुराल पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत हुआ था।

क्या पिता की जाति के आधार पर बच्चे को मिलेगा ओबीसी आरक्षण? सुप्रीम कोर्ट तय करेगा दिशानिर्देश

अशोक उपाध्याय

नई दिल्ली : क्या किसी शख्स की ओबीसी कोटे की पात्रता सिर्फ उसके पिता की जाति से तय होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के. वी. विश्वनाथन और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने एक सिंगल ओबीसी मां की ओर से अपने बेटे के लिए उठाए गए इस मुद्दे पर विचार करने के लिए सहमति जताई है। केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस. डी. संजय ने भी सुप्रीम कोर्ट से इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार करने का आग्रह किया है। यह मुद्दा एक ऐसी महिला ने उठाया है जो अपने पति से अलग रहती है और अपने बच्चे के साथ रहती है। कोर्ट इस मामले में गाइडलाइंस जारी कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट यह देखेगा कि क्या ओबीसी आरक्षण का लाभ सिर्फ पिता की जाति के आधार पर मिलना चाहिए। कोर्ट यह भी देखेगा कि अगर किसी ओबीसी महिला ने दूसरी जाति के पुरुष से शादी की है तो क्या उसके बच्चों को भी डइउ सर्टिफिकेट मिलना चाहिए। कोर्ट ने इस मामले को जुलाई में अंतिम सुनवाई के लिए रखा है। याचिकाकर्ता ने उन मौजूदा नियमों को चुनौती दी है जिनके अनुसार किसी शख्स को ओबीसी सर्टिफिकेट तब दिया जाता है जब उसका पिता ओबीसी हो। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में गाइडलाइंस जारी करेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह यह देखेगा कि क्या ओबीसी महिला के बच्चे, जिन्होंने दूसरी जाति में शादी की है, ओबीसी सर्टिफिकेट के हकदार होंगे।इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को 2012 के एक फैसले का भी सहारा लेना पड़ सकता है। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एक आदिवासी महिला और एक ऊंची जाति के पुरुष के बीच शादी के मामले पर विचार किया था। 'रमेशभाई दभाई नाइका बनाम गुजरात' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह से पैदा हुए बच्चे की जाति का निर्धारण मामले के तथ्यों को पूरी तरह से अनदेखा करके नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा था, 'अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह में, यह माना जा सकता है कि बच्चे की जाति उसके पिता की जाति है। यह अनुमान उस मामले में और भी मजबूत हो सकता है जहां अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह में, पति अगड़ी जाति का है। कोर्ट ने आगे कहा, 'लेकिन किसी भी तरह से यह अनुमान निर्णायक नहीं है और ऐसे विवाह के बच्चे के पास यह दिखाने के लिए सबूत पेश करने का विकल्प है कि उसका पालन-पोषण उसकी मां ने किया है जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित है। अगड़ी जाति के पिता का पुत्र होने के नाते, उसे जीवन में कोई लाभप्रद शुरुआत नहीं मिली, बल्कि इसके विपरीत, उसने उन सभी अभावों, अपमानों, जिल्लतों और बाधाओं को झेला, जैसे कि उसके समुदाय के किसी अन्य सदस्य ने, जिससे उसकी मां संबंधित थी। इसके अतिरिक्त, उसे हमेशा उस समुदाय के सदस्य के रूप में माना जाता था जिससे उसकी मां संबंधित थी, न केवल उस समुदाय द्वारा बल्कि समुदाय के बाहर के लोगों द्वारा भी।

क्या है मामला ? : वर्तमान मामले में, केंद्र सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता, संतोष कुमारी, दिल्ली नगर निगम से रिटायर्ड टीचर हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि उसकी राय है कि ओबीसी माता-पिता से पैदा हुए किसी भी बच्चे को, चाहे माता-पिता अलग हों या तलाकशुदा, ओबीसी पिता या ओबीसी माता की साख के आधार पर ओबीसी प्रमाण पत्र का हकदार होना चाहिए, यह इस बात पर निर्भर करता है कि बच्चे की कस्टडी किसके पास है या कौन सक्रिय रूप से बच्चे का पालन-पोषण कर रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा, 'ऐसे मामलों में जहां केवल मां की साख के आधार पर ओबीसीप्रमाण पत्र जारी किया जाना है, यह स्पष्ट रूप से स्थापित किया जाना चाहिए कि बच्चा मां के साथ रह रहा है और उसका पालन-पोषण पूरी तरह से मां द्वारा किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस लाभ के किसी भी संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए एक निवारक तंत्र मौजूद होना चाहिए। मंत्रालय ने आगे कहा, ओबीसी जातियां और इससे संबंधित विषय देश में व्यक्तिगत राज्यों के मामले हैं और राज्यों को इसके लिए तंत्र शुरू करने की आवश्यकता है. यह न्यायालय राज्यों और उसके अधिकारियों को एकल ओबीसी माताओं के वार्डों के आवेदन को माता-पिता की ओर से दस्तावेजी प्रमाण के बिना संसाधित करने के लिए दिशानिर्देश या/और निर्देश जारी कर सकता है।

महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा है मामला : यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा हुआ है जो अपने पति से अलग रहती हैं और अपने बच्चों का पालन-पोषण करती हैं। अगर किसी महिला को सिर्फ इसलिए ओबीसी सर्टिफिकेट नहीं मिलता है क्योंकि उसके पिता ओबीसी नहीं हैं, तो यह उसके साथ अन्याय होगा। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सभी पहलुओं पर विचार करेगा और उचित फैसला देगा।

संक्षिप्त समाचार

चान्हो में आम महोत्सव सह बागवानी मेला

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को आम महोत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया गया. मेला में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के बिरसा हरित ग्राम योजना के लाभुकों द्वारा आम के विभिन्न वेराइटी की प्रदर्शनी लगायी गई थी. उत्कृष्ट उत्पाद के लिए बेयासी पंचायत के इमरान अंसारी व अरशद अंसारी ने पहला व दूसरा तथा तरंगा पंचायत के इन्द्रभूषण भगत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया. कार्यक्रम में इनके अलावा अन्य लाभुकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. संचालन प्रखंड कृषि पदाधिकारी उपेंद्र कुमार सिंह ने किया. मौके पर बीडीओ बरुन कुमार, सीओ संजीव कुमार, बीपीओ गुंजन कुमार, मुखिया भोला उरांव, एई रोहित कुमार, जेई नंदन प्रसाद, विवेक कुमार, रामप्रसाद उरांव, सबेतुन खातुन, रोजगार सेवक यूसुफ अंसारी, विशेश्वर शाही, अशोक गोप, अजय मिश्रा, प्रशांत कुमार, बंधु मुंडा, कपिलदेव मुंडा, भीमशेष सिंह, अवधेश सिंह सहित अन्य मौजूद थे!

इटकी में भाजपा का जोरदार प्रदर्शन

सरकार और भ्रष्टाचार के खिलाफ आक्रोश बारिश के बावजूद जुटे लोग

इटकी

बीजेपी झारखंड प्रदेश द्वारा पूरे प्रदेश के प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार राज्य में ध्वस्तु कानून व्यवस्था जनहित के मुद्दों पर सरकार की नाकामी को लेकर पूरे प्रदेश भर में जोरदार विद्युत प्रदर्शन और आंदोलन किया गया इसके निमित्त बारे में विधानसभा की प्रखंड में भी जोरदार रोड प्रदर्शन किया गया जिसमें बतौर प्रभारी रंजीत चौधरी एवं रामनारायण भगत उपस्थित रहे। राम नारायण भगत ने कहा कि सरकार विभिन्न मुद्दों पर फेल है। युवाओं को स्वरोजगार एवं जनहित के मुद्दों पर सरकार दिवस दिख रही है साथ-साथ कानों व्यवस्था भी नाकाम है। मौके पर पवन को मोहित को हर्षवर्धन पांडे कृष्ण राम तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी के मनमानी रवैया के खिलाफ जिला बार एसोसिएशन पाकुड़ ने की आपातकालीन बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ मंगलवार को बार एसोसिएशन के सभागार कक्ष में आपातकालीन बैठक बार के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मो० मोइनुद्दीन की अध्यक्षता में बुलाई गई ।बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता अंबिका प्रसाद मित्रा, रूहुल अमीन अरुण कुमार त्रिवेदी, प्रकाश रंजन मिश्रा, रंजन कुमार बोस, प्रशांत कुमार मिश्रा, प्रणव कुमार चौबे, निरंजन मिश्रा, राजीव यादव, कौसर आलम, सिद्धार्थ शंकर , अजय यादव , दीनानाथ गोस्वामी, समेत बार के सभी अधिवक्ताओं ने एक मत होकर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के खिलाफ चीफ जस्टिस को अधिवक्ताओं को उनके न्यायालय में हो रहे समस्या के निदान हेतु आवेदन देने का निर्णय लिया गया,अगर निदान नहीं हुआ तो बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं द्वारा आगे कठोर कदम उठाया जाएगा।बार की यह मांग है कि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अपने मनमानी को बंद करे नहीं तो उच्च न्यायालय उन्हें यहां से स्थानांतरण करे और या फिर उन्हें अपने तानाशाह रवैया को बदलने का निर्देश दे।बार एसोसिएशन के सचिव दीपक ओझा ने बताया कि हमारे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के मनमानी रवैया के चलते हमने आज आपातकालीन बैठक बुलाई है।जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में हो रहे मनमानी रवैया के विरोध में चर्चा की गई और उच्च न्यायालय में उनके विरुद्ध व्यवहार न्यायालय के रजिस्टार के माध्यम से शिकायत करने की बात तय की गई। समस्या का निदान नहीं होने पर अधिवक्ता उक्त न्यायालय का बॉयकॉट यानी बहिष्कार करने पर बाध्य होंगे।

नाबालिग लड़की से छेड़खानी मामले में थाना में प्राथमिकी दर्ज

मंडरो:

नाबालिग लड़की से छेड़खानी व मारपीट मामले में हाजीपुर दियारा निवासी मुरारी नामक व्यक्ति के ऊपर मिजाचौकी थाना में हुआ प्राथमिकी दर्ज। वही मामले को लेकर थाना में कांड संख्या 43/25 दर्ज किया गया। मिली जानकारी के अनुसार हाजीपुर दियारा निवासी रोहित कुमार की पुत्री मंजू कुमारी साहिबगंज महाविद्यालय से क्लास करने के बाद ट्रेन से मिर्जा चौकी स्टेशन उतरी मिजाचौकी स्टेशन उतरने के बाद मिजाचौकी थाना के समीप स्थित टेंपो स्टैंड में जाकर बैठने लगी। तभी मुरारी नामक लड़का आया और छेड़खानी का प्रयास और गाली गलौज और मारपीट करने लगा । वही लड़की के द्वारा विरोध करने पर उसका मोबाइल छीन लिया गया। वही जब लड़की ने कहा कि हम अपने भाई को बुलाएंगे तो कहा की भाई को बुलाओ उसको भी मारेंगे । वही टेम्पो स्टैंड के पास मौजूद लोगों ने लड़का को पकड़ा और थाना में पहुंचा दिया।वही मिर्जाचौकी पुलिस द्वारा लड़की के परिजन से पूछताछ किया जा रहा था।

पू. सी. रेलवे के निरंतर प्रयासों का लक्ष्य ,लामडिंग-बदरपुर रेल कनेक्टिविटी को शीघ्र बहाल करना

मालीगांव, :

हाल ही में लामडिंग झ बदरपुर हिल सेक्शन में भूस्खलन की घटना के कारण रेल सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हुई है। इस स्थिति से निपटने और रेल यातायात को शीघ्र बहाल करने के लिए रेलवे और राज्य प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्थिति की समीक्षा और तत्काल समाधान तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय आपातकालीन बैठक बुलाई गई, जिसमें पू. सी. रेलवे, राज्य सरकार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और अन्य संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। यात्रियों और रेलवे परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन परिचालन को बंद करना पड़ा। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे मलबा को हटाने और जल्द से जल्द ट्रैक को बहाल करने के लिए घटनास्थल पर बड़ी मशीनरी, उपकरण और मानवशक्ति तैनात कर चौबीसों घंटे काम कर रहा है। निरंतर संयुक्त निगरानी और समन्वित प्रयास जारी हैं और उम्मीद है कि जैसे ही रेल पटरियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी, ट्रेन सेवाएं पुनः सामान्य हो जाएंगी।

जब तक सेवाएं बहाल नहीं हो जाती, यात्रियों की सुरक्षा के लिए कुछ ट्रेनों को रद्द/आंशिक रद्द करने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे ट्रेनों की आवाजाही और सेवाओं की बहाली संबंधी अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक रेलवे संचार चैनलों के माध्यम से अपडेट रहें।

रद्द ट्रेनें:

24 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15611 (रंगिया - सिलचर) एक्सप्रेस, ट्रेन

संख्या 15612 (सिलचर - रंगिया) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 15615 (गुवाहाटी - सिलचर) एक्सप्रेस। 25 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15616 (सिलचर - गुवाहाटी) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 15888/15887 (गुवाहाटी - बदरपुर- गुवाहाटी) टूरिस्ट एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 22450 (नई दिल्ली झ गुवाहाटी) पीएसके एक्सप्रेस। 27 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12503 (एसएमवीटी बेंगलुरु - अगरतला) हमसफर एक्सप्रेस ।

आंशिक रद्द रहने वाली ट्रेनें:

23 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15625 (देवघर-अगरतला) एक्सप्रेस का संक्षिप्त गंतव्य लामडिंग में होगा और लामडिंग एवं अगरतला के बीच आंशिक रद्द रहेगी। 24 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 13173 (सियालदह-सबरूम) कंचनजंगा एक्सप्रेस का संक्षिप्त गंतव्य लामडिंग में होगा और लामडिंग एवं सबरूम के बीच आंशिक रद्द रहेगी। 24 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12516 (सिलचर-कोयंबत्तूर) एक्सप्रेस गुवाहाटी से खुलेगी और सिलचर एवं गुवाहाटी के बीच आंशिक रद्द रहेगी। 25 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 13176 (सिलचर-सियालदह) कंचनजंगा एक्सप्रेस लामडिंग से खुलेगी और सिलचर एवं लामडिंग के बीच आंशिक रद्द रहेगी। 25 जून, 2025 को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12502 (अगरतला-कोलकाता) गरीब रथ एक्सप्रेस गुवाहाटी से खुलेगी और अगरतला एवं गुवाहाटी के बीच आंशिक रद्द रहेगी। प्राथमिक अनुमान के अनुसार, लगभग 50,000 घन मीटर मलबा और पत्थर रेलवे की रिटेनिंग वॉल की ओर गिर गया है। पटरियों की मरम्मत का कार्य आरंभ करने के लिए कम से कम 30,000 घन मीटर मलबा हटाना आवश्यक है। रेलवे की टीमें दिन-रात युद्धस्तर पर कार्य कर रही हैं और लामडिंग मंडल तथा मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी बहाली कार्य की निगरानी और समन्वय बनाए रखने के लिए उक्त स्थल पर कैंप कर रहे हैं। रेल प्रशासन यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है और यह आश्वस्त करता है कि यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए रेल परिचालन को शीघ्र बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे आधिकारिक रेलवे वेबसाइटों, हेल्पलाइनों और सोशल मीडिया हैंडलों के माध्यम से ट्रेन सेवाओं के बारे में नवीनतम अपडेट देखें।

लायंस क्लब रांची हरिकनक ग्रेटर की तीसरी स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाई गई

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर ने अपना तीसरा स्थापना दिवस एंव शपथग्रहण समारोह कांके रोड रिलायंस फ्रेश के निकट धूमधाम से मनाई साथ ही हरिकनक ग्रेटर ने क्लब का विस्तार करते हुए एक नए क्लब लायंस क्लब ऑफ राँची दृष्टि की भी स्थापना कर एक नए टीम को भी शपथ दिलवाई । इस मौके पर मुख्यअतिथि के रूप मे लायंस जिला 322 ए.के जिलापाल लायन सीमा बाजपेई जी की उपस्थित रहीं वहीं आगामी सत्र के कार्यकारिणी सदस्यों को पद एंव दायित्वों की शपथ पुर्व जिलापाल लायन सिद्धार्थ मजुमदार के द्वारा दिलवाई गई । लायंस क्लब ऑफ राँची हरिकनक ग्रेटर के आगामी सत्र के लिए लायन अमित कुमार मिश्रा को अध्यक्ष,लायन डॉक्टर दीपक कुमार को सचिव,लायन

अंकित सर्राफ को कोषाध्यक्ष, लायन डॉक्टर राजेन्द्र हाजरा को निदेशक,लायन शिव किशोर शर्मा को पी.आर.ओ.,लायन प्रेमशंकर मिश्रा को प्रशासक तथा अन्य सदस्यों को भी विभिन्न पदों के लिए शपथ दिलाई गई साथ ही साथ नए क्लब लायंस क्लब ऑफ राँची दृष्टि की लिए लायन अपर्णा झा को अध्यक्ष,लायन आशीष खेमका को सचिव,लायन उपेन्द्र कुमार को कोषाध्यक्ष,लायन विकाश कुमार को प्रशासक पद के साथ क्लब के अन्य सदस्यों को शपथ दिलवाई गई । मौके पर मुख्यअतिथि सीमा बाजपेई ने कहा लायंस क्लब विश्व की सबसे बड़ी संस्था है जो की समाज के सबसे निचले पायदान पर रहने वाले व्यक्ति तक पहुँचकर उन्हें अपनी सेवायें प्रदान करती है।लायंस क्लब को सेवा के लिए ही जाना जाता है। लायंस क्लब मे लोग निःस्वार्थ सेवा भाव से जुड़कर अपनी सेवाएं प्रदान करते है।इसके पूर्व उन्होंने नए सत्र के लायन सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के वर्तमान अध्यक्ष लायन राजेश केडिया एवं धन्यवाद ज्ञापन विजय कुमार पाठक ने किया साथ ही सभी अतिथियों का स्वागत एवं नए टीम को अपनी शुभकामनाये भी दिए। लायन अमित कुमार मिश्रा एवं लायन अपर्णा झा ने भी अपने अध्यक्षीय संबोधन में आगामी सत्र के कार्यक्रम पर अपनी विचार रखे।आज के कार्यक्रम में मुख्यरूप से प्रथम जिलापाल लायन संजय कुमार,द्वितीय जिलापाल लायन शुभ्रा मजुमदार,डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी लायन शुभम बाजपेयी,जोन चेयरपर्सन लायन आरती कुमारी,एलसीआईएफ समन्वयक लायन सुजीत कुमार,लायन अभिषेक कुमार,लायन विजेंद्र कुमार, लायन अरुण कुमार सहित क्लब के अनेक लायन सदस्यगण मौजूद रहे।

नशाअमुक्ति को लेकर मांडर पुलिस के सहयोग से नगड़ा गाँव मे महिलाओ द्वारा जागरूकता रैली निकली गई

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर- नशा मुक्ति को लेकर मंगलवार को मांडर पुलिस के सहयोग से नगड़ा गांव में महिलाओं के द्वारा जागरूकता रैली निकाली गयी. रैली में शामिल महिलाओं ने नशा और मादक पदार्थों से दूर रहने को लेकर लोगों को जागरूक किया. और अपने नसों में नशे को नहीं जिंदगी को दौड़ने दिजीए के नारे लगाये. मौके पर मांडर थाना के अवर निरीक्षक अरविंद कुमार ने कहा कि नशा लोगों की जिंदगियां ले रहा है. इसलिए सभी नशामुक्त समाज के निर्माण को लेकर आगे आएं और कोई भी व्यक्ति अगर नशे का कारोबार करता हो तो इसकी सूचना अविलंब पुलिस को दें. जागरूकता रैली में महिलाओं के साथ नगड़ा मुखिया बहादुर उरांव भी शामिल थे!

ललकि माटी गांव में वन अधिकार कानून के तहत मनाया गया स्थापना दिवस

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

चौपारण प्रखंड के ताजपुर पंचायत अंतर्गत ललकि माटी गांव में आदिवासी समुदाय द्वारा वन अधिकार कानून 2006 के तहत वर्ष 2016 में लगाए गए शाइन बोर्ड की स्मृति में बोर्ड गाड़ी स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ फुटबॉल मैदान मे मनाया गया। यह दिवस न केवल आदिवासी अस्मिता और अधिकारों की प्रतीक है,बल्कि जंगल-जमीन पर ग्राम सभा की संप्रभुता का भी प्रतीक बन चुका है।इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता ललकि माटी गांव की मुखिया मनोहर मुंडा ने की,जबकि मंच संचालन की जिम्मेदारी धनेश्वर मुंडा ने निभाई।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरायकेला-खरसावां से आए सामाजिक कार्यकर्ता सोहन लाल कुमार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के सक्रिय सदस्य राजेश कुमार महतो व ताजपुर मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु प्रसाद भगत समेत बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों की भागीदारी रही।ललकि माटी ग्राम सभा के अध्यक्ष दुलाचंद मुंडा,झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के प्रखंड प्रभारी चोले मुंडा,तथा ग्राम सभा मंच के सदस्य सुंदर मुंडा भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।वक्ताओं ने अपने संबोधन में ग्राम सभा की ताकत,वन अधिकार कानून के महत्व और जंगल बचाने की दिशा में जन-सक्रियता की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम

के अंत में आदिवासी रीति-रिवाज के अनुसार पारंपरिक नृत्य और गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को सांस्कृतिक रंग से सराबोर कर दिया। वहीं ग्रामसभा मे मिले वन पट्टा के लोगों को भी सम्मानीत किया गया। मौके पर श्याम मेहता,सोमा मुंडा,बसंत मुंडा,राजेश कुमार महतो,दुलयचंद मुंडा,सूर्यमणि भगत,मीणा कुमारी,बुड़न मुंडा,अलेक सियुस टोप्पो,बुदू मुंडा,भरत सिंह मुंडा,शामू मुंडा,विजय भगत,रामेश्वर महतो,हीरालाल मुर्मू,बिरसा मुंडा,अतुल भगत,गोपाल सिंह मुंडा,पाण्डु मुंडा सहित बड़ी संख्या मे पुरुष और महिलाएं शामिल थे।

जोरदार विद्यालय शिफ्टिंग के विरोध में रैयतों को मिला 'टाइगर' जयराम का समर्थन

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी एनटीपीसी कोल परियोजना के तहत उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोरदार को शिफ्ट करने के विरोध में रैयतों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। इस आंदोलन को उस वक्त नई ऊर्जा मिली, जब झारखंड लोक कल्याण मंच (जेएलकेएम) के केंद्रीय अध्यक्ष और डुमरी विधायक जयराम महतो, जिन्हें 'टाइगर जयराम' के नाम से भी जाना जाता है, अपने समर्थकों के साथ जोरदार गांव स्थित विद्यालय परिसर पहुंचे।जयराम महतो ने रैयतों के आंदोलन को मजबूती देते हुए कहा शिक्षा से बच्चों को वंचित करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है विद्यालय के बदले विद्यालय की व्यवस्था होनी चाहिए। एनटीपीसी प्रबंधन को चाहिए कि वह बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए रैयतों से संवाद स्थापित करे और

समाधान निकाले।उन्होंने ग्रामीणों को एकजुट रहने का आह्वान किया और भरोसा दिलाया कि वे इस आंदोलन में पूरी मजबूती से साथ हैं। महतो ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वे बच्चों को लेकर राज्यपाल से भी मिलेंगे और उनकी शिक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे। श्री महतो ने अपनी बातों में कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो जितना पिएगा, उतना आगे बढ़ेगा। बच्चों को शिक्षा से वंचित करना किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में रैयत, अभिभावक, ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में विद्यालय को शिफ्ट करने के फैसले का विरोध किया और बच्चों के भविष्य के लिए संघर्ष जारी रखने को कहा।

मिशन वात्सल्य के तहत झारखंड आफ्टर केयर मार्गदर्शिका पर जिला स्तरीय कार्यशाला

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिला बाल संरक्षण इकाई एवं गैर सरकारी संस्था एस जी वी वी एवं सृजन फाउण्डेशन, रांची के संयुक्त तत्वाधान में पाकुड़ उप विकास आयुक्त के सभाकक्ष में पाकुड़ जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी की अध्यक्षता में झारखंड आफ्टर केयर मार्गदर्शिका, 2023 विषय से संबंधित जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर प्रशिक्षक संस्था के कार्यक्रम समन्वयक संजय कुमार ने बताया कि 14 वर्ष की आयु पूर्ण वैसे बालक, जो दीर्घकालीन बाल देखभाल संस्थान में आवासित हैं, ऐसे बच्चों को व्यक्तिगत देखभाल योजना के अनुसार जरूरतमंद बालकों का आफ्टर केयर सेवाओं से आच्छादित करने की

प्रक्रिया आरंभ की जा सकती है प्रशिक्षक सुतापा रुईदास ने बताया कि वैसे बालक, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो और उन्हें देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता हो ,तो ऐसे बालक को जिला बाल संरक्षण इकाई के माध्यम से चिन्हित कर मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जाए ताकि वह एक जिम्मेदार नागरिक बन सके और सामान्य जीवन व्यतीत कर सके। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, पाकुड़ के द्वारा बताया गया कि संस्थागत एवं गैर संस्थागत देखभाल सेवा से आच्छादित वैसे बच्चे, जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो गई हो तथा आर्थिक कठिनाई के कारण आगे की पढ़ाई लिखाई जारी रखने में असमर्थ हो ,तो वैसे बालको या किशोरो को आफ्टर केयर मार्गदर्शिका , 2023 के तहत आर्थिक सहायता के रूप में 4000 प्रतिमाह दिए जाने का प्रावधान है। कार्यक्रम के दौरान किशोर न्याय बोर्ड के सभी सदस्य, जिला बाल संरक्षण इकाई के सभी पदाधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रोजेक्ट को- ऑर्डिनेटर एवं परामर्शी, बल देखभाल संस्थान के अधीक्षक, परामर्शी एवं केस वर्कर , एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट एसोसिएट, पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर, ठक्कर झारखंड विकास परिषद, अमरापाड़ा के कार्यक्रम समन्वयक,एवं बाल संरक्षण मुद्दे पर कार्य कर रहे जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के पारा लीगल वॉलिंटियर्स मौजूद थे।

बोरियो प्रखंड में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत गृह प्रवेश कार्यक्रम सम्पन्न

साहिबगंज:

झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना के अंतर्गत आज बोरियो प्रखंड परिसर में एक भव्य गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक बोरियो धनंजय सोरेन की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने लाभुकों को शुभकामनाएँ दीं एवं सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।कार्यक्रम में कुल 150 से अधिक लाभुक परिवारों को उनके नवनिर्मित आवासों की चाभी सौंपी गई। विधायक श्री सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार गरीब, आदिवासी और वंचित वर्गों के लिए बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने हेतु संकल्पित है। उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना केवल एक मकान नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है।गृह प्रवेश समारोह में लाभुकों ने भी मंच से अपने अनुभव साझा किए और मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन तथा स्थानीय प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव, अंचलाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं पंचायत प्रतिनिधियों की भी सक्रिय उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

यदि चाहते हैं जीवन में उत्थान आद्रा में जरूर जाए सत्यचंडी धाम

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

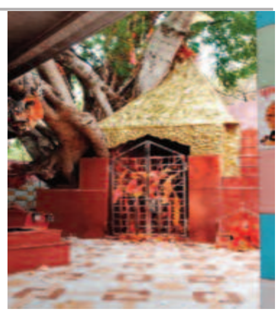

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल एवं शक्तिपीठ सत्यचंडी धाम में आद्रा मेला के अवसर पर पूजा पाठ करने का विशेष फल मिलता है।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने सत्यचंडी धाम का अवलोकन करते हुए बताया कि आद्रा नक्षत्र में जब भगवान सूर्य आद्रा नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तो जहां-जहां शक्ति उपासना स्थल होते हैं वहां-वहां की शक्तियां आद्रा नक्षत्र तक जागृत हो जाती हैं।ऐसी स्थिति में सत्यचंडी धाम में भी आद्रा नक्षत्र के पूरे दिनों में माता जागृत अवस्था में आ जाती हैं।इस कालावधि में उनके निमित किए गए पूजा पाठ कभी निष्फल नहीं जाते। सत्यचंडी धाम में सती माता का रक्तिम हस्त गिरने का प्रमाण है।यह धाम शक्ति उपासना के लिए सदियों से प्रचलित रहा है। प्राकृतिक सुषमा से आच्छादित सुरम्य पर्वत के तराई में माता का स्थान अत्यंत ही मनोरम एवं मनोहारी छवि को प्रस्तुत करती है।जब कोई श्रद्धालु भक्त सच्चे मन से माता का दर्शन करने जाता है तो दर्शन मात्र से ही उसके मन में हृदय में भक्ति की अविरल धारा उमड़ पड़ती है। यदि कोई धनहीन व्यक्ति सच्चे मन से माता के दरबार में माता के दरबार में हाजिरी लगाता है तो उसे अवश्य धन की प्राप्ति होती है ऐसा यहां के बुजुर्ग लोग प्रमाण देते हैं। पवित्र बटाने के पावन तट पर अवस्थित माता का दरबार वर्ष भर नवरात्रि के महीने में विशेष कर एवं प्रत्येक रविवार को काफी भीड़ लगती है।

हसपुरा से देवकुंड पथ काफी जर्जर स्थिति में,पैदल चलना भी मुमकिन राहगीरों के लिए

रिपोर्ट / निशांत कुमार

औरंगाबाद :- हसपुरा-देवकुंड पथ की जर्जर स्थिति वाकई चिंताजनक है, खासकर क्योंकि यह सड़क दो प्रमुख धार्मिक स्थलों– बाबा दूधेश्वरनाथ मंदिर और अमझरशरीफ सैयदना दादा के मजार–को जोड़ती है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। बारिश के बाद सड़क पर 3-4 फीट गहरे गड्ढे और जल-जमाव ने स्थिति को और बदतर कर दिया है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों की शिकायतों और जनप्रतिनिधियों के आश्वासनों के बावजूद, सड़क निर्माण विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, हालांकि टेंडर होने की बात कही जा रही है।यह स्थिति बिहार के ग्रामीण सड़क रखरखाव की व्यापक समस्या को दर्शाती है। ग्रामीण सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है, और पांच साल के रखरखाव अनुबंध के बाद भी राज्यों को अगले पांच साल तक सड़कों की देखभाल करनी होती है। लेकिन हसपुरा-देवकुंड पथ के मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि न तो निर्माण शुरू हुआ है और न ही रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। ग्रामीणों की नाराजगी जायज है, क्योंकि सड़क की खराब स्थिति न केवल दैनिक आवागमन को प्रभावित कर रही है, बल्कि धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों को भी बाधित कर रही है। बिहार विधानसभा चुनाव में यह मुद्दा निश्चित रूप से जनप्रतिनिधियों के लिए एक बड़ा सवाल बन सकता है। सड़क निर्माण विभाग को तुरंत इस दिशा में कदम उठाने चाहिए, जैसे कि टेंडर प्रक्रिया को तेज करना, गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करना, और जल-जमाव की समस्या से निपटने के लिए ड्रेनेज सिस्टम को बेहतर करना।

व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के कई न्यायधीश का हुआ तबादला

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- पटना हाईकोर्ट ने व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद केपरिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य का तबादला बांका व्यवहार न्यायालय में प्रधान जिला जज के पद पर किया है आपको मालूम कि व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में न्यायिक सेवा दे चुके न्यायधीश निखिलेश कुमार त्रिपाठी बांका जिले में व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला जज पद से 30/06/25 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि पटना हाईकोर्ट ने व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद के जिला जज प्रथम न्यायधीश इसरार अहमद की पदोन्नति करते हुए मोतिहारी व्यवहार न्यायालय के परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बनाने कि अनुशंसा बिहार सरकार से किया है साथ ही बेतिया व्यवहार न्यायालय के जिला जज न्यायधीश अरूण कुमार को व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश बनाने का अनुशंसा राज्य सरकार से किया है।

आकाशीय बिजली ने ली दो लोगों की जान, घर का इकलौता चिराग भी बुझ गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के कुटुंबा प्रखंड के अंबा थाना क्षेत्र के अतरौली बन गांव में बधार में धान का बिचड़ा देखने गए किसान की बारिश के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गयी. मृतक की पहचान उक्त गांव निवासी अमर कुमार (18) के रूप में हुई है. इसकी जानकारी मंगलवार को मृतक के परिजन ने दी. उन्होंने बताया कि सोमवार को ही अमर कुमार ने धान का बिचड़ा बोया था. जब मंगलवार की दोपहर अचानक तेज बारिश होने लगी तो वह बधार स्थित खेत में लगे धान के बिचड़े को देखने गया!

बुरी तरह घायल हुआ था युवक

जैसे ही वह खेत में पहुंचा, वैसे ही तेज गर्जना के साथ उसके समीप ही वज्रपात हुआ. उसकी चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी. आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य किसानों की नजर अमर पर पड़ी, तो उन्होंने शोर मचाना शुरू किया. आवाज सुनकर परिजन व ग्रामीण पहुंचे और उसे आनन-फानन में रेफरल अस्पताल कुटुंबा पहुंचाया, वहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया. वहां जाने पर सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने अमर मृत घोषित कर दिया! घर का इकलौता चिराग का मृतक ,जानकारी मिली है कि अमर घर का इकलौता चिराग था. उसकी तीन बहने हैं. अंबा थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया की वज्रपात की चपेट में आने से एक युवक की मौत हुई है. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है. इधर, सदर अस्पताल के कर्मियों की सूचना पर नगर थाने की पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर परिजनों से जरूरी पूछताछ के उपरांत पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करायी. इसके बाद शव को दाह संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है. परिजनों ने जिला प्रशासन से आपदा राहत के तहत मुआवजे की मांग की है!

जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही हेतु जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति, जिला स्तरीय समीक्षा समिति का बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में वित्तीय वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही हेतु जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति, जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय समन्वय समिति (उ्छउउ) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरूआत में संयोजक एवं अग्रणी जिला प्रबंधक आनंद वर्धन ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सभा की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए उन्होंने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई की बिंदुवार समीक्षा प्रस्तुत की, जिस पर सदन ने संतोष व्यक्त किया एवं ध्वनि मत से पुष्टि की। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री वर्धन ने जिले में कार्यरत बैंकों की उपलब्धियों से सदन को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मार्च 2025 में जिले का समग्र उऊ फ्ङ्म 63.76 प्रतिशत रहा, जो कि संतोषजनक है। इसमें इंडियन बैंक, कैनरा बैंक, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, आईडीबीआई, बंधन बैंक और उत्कर्ष बैंक का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। हालांकि, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और भारतीय स्टेट बैंक जैसे प्रमुख बैंकों का उऊफ्ङ्म 40 प्रतिशत से भी कम रहा, जिसे लेकर सुधार की आवश्यकता जताई गई। जिला पदाधिकारी ने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के पात्र उद्यमियों को प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना, पीएमएफएमई, मुद्रा योजना एवं किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से अवश्य जोड़ें। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों से परस्पर समन्वय स्थापित कर जिले के समग्र विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की। वार्षिक

साख योजना की उपलब्धि 46.94 प्रतिशत रहने पर जिलाधिकारी ने असंतोष प्रकट किया। महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र द्वारा बताया गया कि पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य 240 के विरुद्ध अब तक 194 लाभार्थियों को ही लाभ दिया जा सका है, जो लक्ष्य का मात्र 81 प्रतिशत है। इस पर अध्यक्ष महोदय ने चिंता व्यक्त की। वहीं पीएमईजीपी योजना में निर्धारित लक्ष्य 155 के विरुद्ध 191 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत योग्य एवं लामूक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने हेतु विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। बैठक में यह भी बताया गया कि जिले में कुल 24,875 स्वयं सहायता समूह गठित किए गए हैं, जिनमें से 24,638 समूहों को बैंकों द्वारा प्रथम लिंकेज ऋण प्रदान किया जा चुका है। इस पर सदन ने संतोष व्यक्त किया। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में बेहतर उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने बैंकों को बधाई दी। अटल पेंशन योजना में जिले की उल्लेखनीय प्रगति पर भी उन्होंने प्रसन्नता जाहिर की। बैठक के अंतर्गत जिला स्तरीय आ-रसेटी सलाहकार समिति की बैठक भी आयोजित की गई। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक श्री राजकुमार सिंह द्वारा बताया गया कि वर्ष 2024-25 में संस्थान द्वारा 1,150 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,205 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। वहीं वर्ष 2025-26 में अब तक 263 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। आगामी 1 जुलाई से 30 दिवसीय ह्लघरेलू विद्युत उपकरण सेवा उद्यमीह्व प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया जाएगा, जिसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी शीघ्र नामांकन करा सकते हैं। आरसेटी की प्रगति पर जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। बैठक में उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, वरीय उप समाहर्ता (बैंकिंग) बेबी प्रिया, डीडीएम नाबार्ड सुशील कुमार सिंह, आरबीआई पटना के अग्रणी जिला अधिकारी राहुल कुमार, डीबीजीबी के क्षेत्रीय प्रबंधक अरविंद कुमार, पीएनबी के मुख्य प्रबंधक रंजीत कुमार, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र मो० अफ्फान, जिला पशुपालन एवं गव्य विकास पदाधिकारीगण, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक एवं जिले के सभी बैंक समन्वयक उपस्थित थे।

एक बुजुर्ग माँ को जीने खाने रहने का अधिकार मिला मानवाधिकार के सहयोग से

दिव्य दिनकर

भागलपुर लगातार पीड़ीत जनता को सहयोग पहूंचा रहे हैं।जी हां वही शरन्य मानवाधिकार के सहयोग से बुजुर्ग मां सरस्वती देवी उम्र लगभग 75 वर्ष को मिला सफलतापूर्वक न्याय बुजुर्ग महिला सरस्वती देवी ने मानवाधिकार के भागलपुर जिला सचिव सुबोध शर्मा जी को अपना आप बीती समस्या से अवगत कराया उन्होंने कहा कि मेरे तीन पुत्र हैं और उनकी तीन पत्नियां है सभी लोग मुझे घर में रहने खाने नहीं देते हैं मारते हैं पीटते हैं और घर से निकाल दिए हैं मैं इस उम्र में कहां जाऊं मेरे बच्चों ने मुझे घर से बाहर निकाल दिया न रहने देते हैं न खाने-पीने देते हैं मैं थक हारकर इस समस्या से थाना को अवगत कराई थाना ने भी मुझे कहा कि आप कोर्ट में केस कीजिए वहां से भगा दिए फिर अंतगतवा मैं मानवाधिकार के शरण में आई जहां इन्हें मानवाधिकार के नेतृत्व में प्रशासनिक मदद एवं परिवार में रहने खाने एवं जीने के लिए तीनों पुत्रों में एवं उनकी पत्नियों में लिखित तौर पर यह तय किया गया कि अब से सभी पुत्र बारी-बारी से अपनी मां को रखेगे खाना भोजन वस्त्र दवाइयां आदि देंगे और अपनी मां का सेवा करेंगे इस प्रकार बुजुर्ग महिला को सभी बेटों के द्वारा सम्मान के साथ घर पर भेजा गया और अब से उनकी मां

को देखरेख करने में रखने में कहीं कोई कठिनाई नहीं हो इस दिशा में प्रशासन एवं मानवाधिकार के नेतृत्व में एक बुजुर्ग मां को सफलता पूर्वक सम्मान और न्याय प्राप्त हुआ है जिसमें भागलपुर बब्बर गंज थाना का अहम रोल रहा सहयोग करने में प्रशासन ने बहुत अच्छे से इन परिवारों को एक जुट करने में सहभागिता दिखाई मानवाधिकार संगठन मीडिया प्रभारी रॉकी कुमार जिला सचिव सुबोध शर्मा मनीष कुमार रवि कुमार एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ ईशान सिन्हा सम्मिलित रहे ' ऐसे में इन्हें मंत्री, विधायक बनना तय है। चुकी जनता का प्यार और उनका भरोसा जीत रहे हैं।

समाजिक व सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम द्वारा आगामी 26 जून को सैनिक सम्मान सह रक्तवीर सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित होगा

रिपोर्ट - विश्वास चौरसिया

डेहरी (रोहतास) देश के चर्चित समाजिक व सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम द्वारा आगामी 26 जून को सैनिक सम्मान सह रक्तवीर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर सोमवार कि रात पाली रोड स्थित रघुकुल निवास मे अभिनव कला संगम बैठक हुई। बैठक में अध्यक्ष कमलेश कुमार व सचिव विनय मिश्रा ने कहा कि पिछले 5 जून को संस्था द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या मे रक्त वीरों ने रक्तदान किया था। प्रति वर्ष संस्था द्वारा रक्तदान करने वाले रक्त वीरों को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम मे इस वर्ष भी शहर के पाली रोड स्थित एक निजी होटल मे सैनिक सम्मान सह रक्त वीर सम्मान समारोह का आयोजन किया जाना है, जो संस्था कि गौरव कि बात

है। जहां एक और देश की रक्षा के लिएहै सैनिक अपना जान देते हैं, वहीं कई जिंदगियों को बचाने के लिए रक्तबीर अपना खून देते हैं। ऐसे में इस प्रकार के सम्मान समारोह के आयोजन से समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। सम्मान समारोह कार्यक्रम मे प्रशासनिक अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों व समाजिक संगठनो कि भूमिका अहम रहेगी। बैठक मेहै कार्यक्रम कि तैयारी को अंतिम रूप दिया गया। बैठक मे संरक्षक सिमल सिंह, भूपेन्द्र नारायण सिंह, सचिव विनय मिश्रा, निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, महासचिव प्रोफेसर रणधीर सिंहा, उपाध्यक्ष संजय यादव, मुकुल मणि, रवि तिवारी , आलोक मिश्रा, संजय गुप्ता उर्फ नीलू, मनोज गुप्ता, बैजू गुप्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

सत्यचंडी धाम रायपुरा एवं दोमुहान सूर्य मंदिर को कला संस्कृति के कैलेंडर में शामिल किया गया

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थ स्थल सत्यचंडी धाम महोत्सव एवं औरंगाबाद अंबा रोड में सडसा ग्राम के समीप दोमुहान सूर्य मंदिर महोत्सव को बिहार सरकार के कला संस्कृति विभाग के कैलेंडर में शामिल कर ली गई है।इस आशय की जानकारी देते हुए सत्यचंडी धाम महोत्सव के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं दोमुहान सूर्य मंदिर के अध्यक्ष सिंहेश सिंह ने बताया कि सूर्य राघव मंदिर बडेम के अध्यक्ष, जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह जी के भागीरथी प्रयास से दोनों ही महोत्सव को कला संस्कृति विभाग के कैलेंडर में शामिल

किया गया है।इस मौके पर सत्यचंडी धाम के प्रांगण में आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा सम्मान समारोह कार्यक्रम किया गया। जिसमें महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह,स्थानीय विधायक आनंद शंकर सिंह, वरीय अधिवक्ता सिद्धेश्वर विद्यार्थी को पुष्पहार अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित जिला परिवहन संघ के अध्यक्ष राम सकल सिंह,महोत्सव के उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, न्यास समिति के अध्यक्ष अमरेश सिंह,सदस्य सुरेंद्र सिंह,शैलेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थित थे। महोत्सव के मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि सत्यचंडी धाम जिला मुख्यालय से बहुत नजदीक है इसके कैलेंडर में शामिल होने से पर्यटन के क्षेत्र में विशेष बढ़ावा मिलेगा।वहीं दोमुहान सूर्य मंदिर देव सूर्य मंदिर देव के बाद सर्वाधिक भीड़ वाला छठ का पवित्र सूर्य मंदिर है। जहां बटाने नदी के संगम पर लाखों छठ वर्ती छठ करते हैं इससे भी पर्यटन को विशेष बढ़ावा मिलने की संभावना है।

शक्तिपीठ गजना धाम में आयोजित आर्द्रा मेला का किया गया उद्घाटन

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- शक्तिपीठ गजना धाम में आयोजित आर्द्रा मेला का किया गया उद्घाटन, इस अवसर पर गजना धाम को पर्यटन स्थल का दर्जा देने की हुई मांग। गजना धाम में 22 जून 6 से आयोजित आर्द्रा मेला का उद्घाटन समारोह महंत अवधविहारी दास की अध्यक्षता में संपन्न हुई । मुख्य अतिथि और कुशल इंजिनियर अरुण कुमार सिंह, न्यास समिति सदस्य अरुण मेहता, कर्मदेव रजवार, अधिवक्ता संजय सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मेला का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथियों का स्वागत अनील कुमार सिंह और जितेन्द्र लाल ने माल्यार्पण कर किया। तत्पश्चात सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने शक्तिपीठ गजना धाम की ऐतिहासिक गरिमा और धार्मिक महिमा के महत्व पर बोलते हुए कहा कि यह स्थल अति प्राचीन है । इस स्थल से विहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ , मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों का आस्था जुड़ा हुआ है । यहां चैत्र पूर्णिमा, छठ पर्व और आर्द्रा के अवसर पर विशाल मेला लगता है ।22 से 6 जुलाई तक लगने वाला आर्द्रा मेला का वीशेष महत्व है । कारण कि किसान मां गजना का दर्शन कर और उनसे आशीर्वाद लेकर खेती बाड़ी का कार्य शुरू करते हैं । परन्तु उक्त स्थल के महत्व के अनुरूप यहां का विकास नहीं हो पाया है जिससे यात्रियों को भारी परेशानी उठाना पड़ता है । इसके लिए गजना से नवीनगर, गजना से जपला, गजना से टंडवा, गजना से सुल्तानी तक फोर लेन सड़क निर्माण जनहित में विहार और झारखंड सरकार को कराना चाहिए। मुख्य अतिथि इंजिनियर अरुण कुमार सिंह ने न बताया कि इस स्थल को पर्यटन स्थल का दर्जा देते हुए यात्रियों की हर सुविधा मुहैया कराई जाये । समारोह को अधिवक्ता संजय सिंह, भृगुनाथ सिंह ने भी संबोधित किया और बताया कि यहां जो भी मां से सच्चे मन से कुछ मांगता है उसे मिलता है । पुजारी जयनंदन पांडेय, अयोध्या पांडेय, जगन्नाथ मिश्रा और अनुज पांडेय ने मंत्रोच्चार के साथ पुजा पाठ किया। समारोह में बिनोद ठाकुर, दिलीप साव ,मिथिलेशचन्द्रवंशी , गया सिंह , अरुण सिंह, सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

अजहर इस्लाम के जनता दरबार में समस्या लेकर पहुंच रहे लोग. समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान

हर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के मुंह में बस एक ही नाम गरीबों का सहारा अजहर इस्लाम

रिपोर्ट– अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के रहे पूर्व एनडीए प्रत्याशी सह समाजसेवी अजहर इस्लाम ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत अपने आवासीय कार्यालय जानकीनगर में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया. जिसमें पाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत पृथ्वीनगर पंचायत एवं लखीनारायणपुर गांव से स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याओं से अजहर इस्लाम को अवगत कराया कई ऐसी समस्याओं की जानकारी मिलते ही अजहर इस्लाम ने त्वरित संज्ञान

में लेते हुए यथासंभव समाधान कराया, इस्लाम ने कहा जनता की हर पीड़ा हमारी अपनी है आपका विश्वास ही हमारी ताकत है उन्होंने आगे कहा मेरे घर का दरवाजा जरूरतमंद, एवं असहाय लोगों के लिए 24 घंटा खुला रहता हैं, जनता की समस्याएं सुनने के बाद अजहर इस्लाम ने सभी ग्रामीणों को भरोसा दिलाते हुए कहा जनता की पीड़ा को सुनना और उनके समाधान के लिए मैं हमेशा पर्यरत हुँ एक जनसेवक का धर्म है की हर समस्या का यथासंभव समाधान हो, जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से लिया गया हैं, और संबंधित अधिकारी के समक्ष ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु राखी जायेगी।

जिले के विभिन्न प्रखंडों के पंचायतों में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार आज दिनांक 24.06.2025 को देवघर, सारवां, देवीपुर, मधुपुर, मोहनपुर, पालोजोरी, सोनारायठाड़ी प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत जनभागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही आज आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों के बीच उनकी समस्याओं का समाधान करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के तरीकों से अवगत कराया गया, ताकि आवश्यकता अनुरूप ग्रामीण योजना का लाभ प्राप्त कर सके। इसके अलावा शिविर के माध्यम से वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, मुख्यमंत्री मैंय्या सम्मान योजना, विभिन्न प्रमाणपत्र, केसीसी, राशन कार्ड, मनरेगा, आधारकार्ड एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच बीपी, शुगर एवं सिकल सेल जांच किया गया । इसके अलावा विभिन्न प्रखंडो के पंचयात में आयोजित शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी , प्रखंड कृषि पदाधिकारी, राजस्व उप निरीक्षक, आकांक्षी प्रखंड फैलो, सीएचओ, सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

हेमजापुर पुलिस ने चोरी की मोबाइल 4 घंटे के अंदर किया बरामद

हेमजापुर/मुंगेर। हेमजापुर बाजार स्थित ऐ पी फैशन कपड़े की दुकान का मालिक रोशन कुमार ने सोमवार को अपने दुकान से अज्ञात चोरों द्वारा मोबाइल चोरी की घटना के संबंध में थाने में आवेदन समर्पित किया। आवेदन प्राप्त होते ही पुलिस कार्रवाई में जुट गई और अपने सूत्रों का उपयोग करते हुए चार घंटा के भीतर मोबाइल चोर हेमजापुर चंद टोला निवासी नारायण महतो का पुत्र पप्पू कुमार को मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया। बाद में थाना में प्राथमिक की दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। हेमजापुर थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि पप्पू कुमार पर लखीसराय जिला के मेदनी चौकी थाना में भी चोरी का केस दर्ज है। और वह इस केस में जेल भी जा चुका है।

शहीद संतोष यादव के गांव में सड़क खस्ताहाल, यदुवंशी महासभा की ओर से सड़क निर्माण को लेकर फिर उठी मांग

शहादत के एक महीने बाद भी सरकार ने शाहिद के गांव की सड़क निर्माण पर नहीं दिया ध्यान

मुंगेर/भागलपुर।

जम्मू में करीब एक महीने पूर्व आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में शहीद हुए हवलदार संतोष यादव की शहादत पर दिखावटी आंसू बहाने के लिए तो दर्जनों नेता पहुंचे होंगे मगर किसी नेता ने ना तो शहीद संतोष यादव के बच्चों की बेहतर शिक्षा दीक्षा को लेकर अपने हाथ बढ़ाए होंगे और ना ही शहीद संतोष यादव के गांव के विकास को लेकर किसी नेता मंत्री ने अपनी ओर से कोई प्रयास किया है। यह दावा है यदुवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक कुमार यादव का, जिन्होंने बीड़ा उठाया है शहीद हवलदार संतोष यादव के बच्चों के सम्पूर्ण शिक्षा का खर्च वहन करने का। भागलपुर जिला अंतर्गत सबौर प्रखंड के नया टोला मीराचक बरारी पंचायत के वार्ड संख्या 3 निवासी सेना के शहीद हवलदार संतोष यादव के परिजनों से मुलाकात करने पहुंचे यादव नेता अभिषेक कुमार यादव ने कहा कि आज के दौर में शहीद जवानों को भी सच्ची श्रद्धांजलि देने वाला कोई नहीं है। नेता आते हैं अपनी राजनीति चमकाने व अपनी वोट बैंक बनाने के लिए और फिर शहीदों के जनाजे पर झूठी हमदर्दी के दो आंसू छलकाकर चले जाते हैं। जिसका जीता जगता उदाहरण है सबौर प्रखंड के नया टोला मीराचक बरारी पंचायत के वार्ड संख्या 3 स्थित शहीद हवलदार संतोष यादव के गांव का जर्जर सड़क, जिस सड़क का निर्माण

हवलदार संतोष यादव के शहादत के बाद जब उनका पार्थिव शरीर उनके गांव आ रहा था, उनके पार्थिव शरीर के गांव पहुंचने से पहले इस खस्ताहाल सड़क का निर्माण हो जाना चाहिए था। यदि इस गांव में किसी विधायक या मंत्री या मुख्यमंत्री का प्रोग्राम तय होगा तो पूरा प्रशासन रातों रात सड़क निर्माण में जुट जाएंगे। लेकिन शहीद हवलदार के गांव की सड़क निर्माण को लेकर उनके शहादत के एक महीने बाद भी सरकारी महकमे की नींद नहीं खुली है। शहीद हवलदार की पत्नी साधना देवी, स्थानीय ग्रामीण डॉ सुरेश कुमार, उर्मिला राज, स्वीटी देवी, काजल कुमारी, दीक्षा कुमारी, डीपी कुमारी, सीता कुमारी, इशिता, दुर्गा कुमारी, मिस्टी कुमारी, खुशबू कुमारी, पूजन कुमारी, अनुज कुमारी, खुशी कुमारी, मुस्कान कुमारी, अनीता देवी, रूबी देवी, बबीता देवी कंचन कुमारी, सरगम देवी, अशोक यादव, विकास यादव, मिथुन यादव, सीताराम, मुकुंदी मंडल, शानू शर्मा, अनुज शर्मा, सुभाष यादव, अभिनव यादव, बृजेश यादव, रोहित कुमार, लक्ष्य कुमार आशीष कुमार, बैजू मंडल, गुण सागर कुमार, नरसिंह ऋषिदेव, गोपाल ऋषिदेव, राजू

ऋषिदेव, सरगुन मंडल, राजू मंडल, उद्धव मंडल, कोदो मंडल, वकील मंडल, सीताराम यादव, चंद्रशेखर मंडल, जीतन मंडल, घोली मंडल ने राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराया जाए अन्यथा शहीद के अपमान का दंश सरकार को झेलना पड़ेगा। मौके पर जिला अध्यक्ष नीरज यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यजीत यादव, चंद्रमा प्रसाद, राष्ट्रीय महासचिव सुरेश प्रसाद यादव, प्रोफेसर अजय कुमार यादव मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मोटर दुर्घटना वाद -13/16 के निर्णय पर 380000(लाख) रुपए कोर्ट ने मुआवजा देने का आदेश दिया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय के जिला जज चतुर्थ न्यायधीश आंनद भुषण ने मोटर दुर्घटना वाद -13/16 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए बोलेरो गाड़ी संख्या -बी आर 2एफ /4213 के गाड़ी मालिक को आदेश दिया है कि मृतक के परिजनों को 3799600 रूपए मुआवजा और वाद प्रस्तुत तिथि से 6% ब्याज दें, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मोटर दुर्घटना वाद के आवेदिका नितु कुंवर सरेया गोह ने 17/03/16 को बोलोरो गाड़ी मालिक और डाईवर पर मोटर दुर्घटना वाद दायर किया था जिसमें कहा था कि मेरे पति जयराम सिंह उम्र 32 वर्ष, जो चंडी इंटरप्राइजेज न्युज एरिया औरंगाबाद में 18500 रूप्रति माह में काम करते थे वे 14/12/15 को बाईक से देवहरा से सरेया गोह आ रहे थे तब तेजी और लापरवाही से आ रही बोलोरो ने जबरदस्त धक्का मार दिया जिससे मेरे पति बुरी तरह से जख्मी हो गए और घटना स्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई थी, आवेदिका के अधिवक्ता ने कहा कि मृतक एकमात्र कमाऊ सदस्य थे, आवेदिका के अलावा तीन पुत्री और दो पुत्र उनपर आश्रित थे, उनके बिना 15 बिघा खेत पर खेती बाधित है, विपक्षी के अधिवक्ता ने भी अपनी दलील रखी, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी ने कहा कि बीमावधि भी नवंबर 15 तक का था, घटना दिसंबर 15 में थी,न्यायधीश ने दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात गाड़ी मालिक को मुआवजा तीन माह में देने का आदेश दिया है।

ग्रामीण कार्य विभाग की योजनाओं की उपायुक्त हेमंत सती ने की समीक्षा

साहिबगंज:

उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रस्तुति पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन (PPT) के माध्यम से की गई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2022-23 के पूर्ण एवं अपूर्ण कार्यों के साथ-साथ 2023-24 में लंबित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने विभागीय अभियंताओं को निर्देश दिया कि लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कार्यों में अनावश्यक विलंब किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं होगा।बैठक में कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग देवी लाल हांसदा, कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंता समेत अन्य तकनीकी पदाधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने जिले में चल रही योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी।उन्होंने कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश भी संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

एसबीआई ने 70वां स्थापना दिवस मनाया।

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर।

चांदन(बांका)एसबीआई ने आज मंगलवार को बैंक का 70वां स्थापना दिवस शाखा प्रबंधक निवेदिता,केशियर मुकेश कुमार,फिल्ड ऑफिसर योगेन्द्र प्रसाद आदि बैंक कर्मी ने ग्राहकों के साथ संयुक्त रूप से केक काटकर मनाया गया।भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक निवेदिता ने बताया कि पहली जुलाई वर्ष 1955 को भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना हुई थी। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक उपभोक्ताओं को सुविधाजनक व बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रयासरत हैं।और बैंक के उपभोक्ता बेहतर सेवाएं पा सके इसके लिए हर स्तर पर निगरानी हो रही है।एसबीआई बैंक उत्कृष्ट सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने आम जनमानस का आह्वान किया कि उत्कृष्ट सेवाओं के लिए वे भारतीय स्टेट बैंक के साथ जुड़े और अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए अपनी निकटतम एसबीआई शाखा से संपर्क करें।मौके पर सीएससी संचालक नंदन तिवारी,शिवम कुमार, निरंजन कुमार,मदन कुमार प्रमाणिक, सुरक्षा कर्मी ज्ञानेश्वर मांझी सहित सभी बैंक कर्मी मौजूद थे।

नशा मुक्ति के लिए जागरूकता रैली निकाली गई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर देवघर नगर निगम के क्षेत्र स्तर संघ के महिला सदस्यों द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई छतिसी ,बत्तीसी , तेतिसी ,रामपुर, महेशमारा मोहल्ले के विभिन्न जगहों पर जाकर लोगों को मादक पदार्थ के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया गया एवं शपथ दिलाई गई बताते चलें कि नगर आयुक्त रोहित कुमार सिन्हा के द्वारा निर्देशित किया गया जिसमें विभिन्न वार्डों में एसएससी महिलाओं के द्वारा जागता भजन चलाया जा रहा है मोके पर नगर मिशन प्रबंधक कौशल किशोर, हिमांशु शेखर, सामुदायिक संगठनकर्ता कुमारी अलका सोनी, सामुदायिक संसाधन सेवी रीता देवी, सुषमा देवी, प्रतिमा,खुशवु, अनिता, कंचन, मिट्ठू पाल , श्रुति कुमारी , ममता कुमारी , सुनीता देवी, एवं सोनी कुमारी मां वैष्णवी और सर्वभूमिका , महिला स्वावलंबी संगठन के वार्ड नंबर 24, 25 की सदस्यों द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई

भाजपा नेता सत्यप्रकाश सिंह के पिता के श्राद्ध कार्यक्रम में भाजपा नेता राकेश सिंह पहुंचे

पटना , ।

सोनपुर प्रखंड के भरपुरा मे भाजपा नेता सत्यप्रकाश सिंह के पिता स्वर्गीय सीताराम सिंह के श्राद्ध कार्यक्रम मे भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने पहुंच कर उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा भाजपा नेता सत्यन्दर सिंह भाजपा नेता हेम नारायण सिंह उपेंद्र सिंह पंचायत समिति रंजीत सिंह पूर्व मुखिया तृप्तिपीनाथ सिंह रमाकांत सिंह दीपक सिंह आदित्य छोटू टुनटुन सिंह भानु सिंह शिवम कुमार राजू सिंह ऋषिकेश पाण्डेय सहित अनेक लोग उपस्थित थे।सत्यप्रकाश सिंह ने भाजपा नेता राकेश सिंह को समानित किया ।

आनंदमागीर्यो को गिरफ्तार करने की योजना इमरजेंसी के 6 महीना पहले से ही बनाई जा रही थी

25 जून आपातकाल को आनंद मार्गी काला दिन के रूप में याद करते हैं

आनंद मार्ग पर अत्याचार के विरोध भारत देश के अलावा विदेश में भी एक दर्जन से भी ज्यादा देशों के दूतावासो पर साधु संन्यासियों ने किया आत्मदाह

आपातकाल में सरकारी नौकरी में काम करने वाले लोगों को कानूनी कार्रवाई का भय दिखलाकर आनंद मार्ग छोड़ देने के लिए कहा गया था

जमालपुर।

25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल के विरोध में काला दिवस के रूप में मनाते हैं । आनंद मार्ग प्रचारक संघ के आचार्य रघुरामानंद अवधूत ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र पर काला धब्बा लगाते हुए पूरे देश में आपातकाल की घोषणा की थी।

आपातकाल के बाद नागरिकों के मूल अधिकार स्थगित हो गया। 25 जून 1975 को पूरे भारतवर्ष में इमरजेंसी लगा दिया गया। आनंदमार्ग के लगभग एक सौ से भी ज्यादा संगठनों को बैंड कर दिया गया ,अनुयायियों को जेल भेजा गया एवं उन पर सबसे ज्यादा अत्याचार किया गया। बिहार के बांकीपुर जेल में आनंद मार्ग के गुरु संस्थापक भगवान श्री श्री आनंदमूर्ति जी को चिकित्सा के नाम पर जहर दिया गया वे आध्यात्मिक शक्ति के कारण वह इस जहर को सहन कर सके परंतु पूरा शरीर सिकुड़ गया सभी दांत झड़ गए। उसी समय से बाबा एकदम कमजोर हो गए। इन सब अत्याचारों के विरोध में देश-विदेश में आनंदमागीयी ने आत्मदाह कर अपना विरोध जताने लगा। विदेश में कई देश के दूतावासों के पास सन्यासियों एवं सन्यासिनियों ने आत्मदाह किया । वरिष्ठ पत्रकार कूमी कपूर की पुस्तक ₹द इमरजेंसी ₹में लिखकर बताया है कि आनंदमागीयों को गिरफ्तार करने की योजना इमरजेंसी के 6 महीना पहले से ही बनाई जा रही थी। सिद्धार्थ शंकर रे जो कि पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री थे एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

ग्राम- कोंकरी बाक पंचायत कोंक्रीबाँक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसीडीह के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बिश्वनाथ चौधरी के आदेशा अनुसार स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमे ग्रामीण वासियों को सिकल सेल जांच,बीपी,सुगर,टीबी एवं मलेरिया जांच किया गया एवम आवश्यकता अनुसार दवा भी दिया गया इस शिविर में में निम्नलिखित स्वास्थ्य कर्मी ने भाग लिया एमपीडब्लू रामाकांत मेहरा,ँ सुमंती एक्का एएनएम तरुणलता कुमारी,बबीता कुमारी एवं कोंकरी बाक पंचायत के सभी सहिया ने भाग लिया

कांग्रेस ने किया संगठन सृजन के तहत बैठक आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गुरुवार दिनांक 26 जून 2025 को कांग्रेस का संगठन सृजन तहत देवघर जिला के सभी प्रखंड,नगर,मंडल अध्यक्षों एवं प्रखंड तथा नगर पर्यवेक्षकों की एक बैठक 10:30 बजे दिन में कुंडा स्थित लङ्गशी' टंर३ीी री'ी३ङ्गल्ल टीेंं स्त्र'९ के सभागार में आयोजित की गई है।इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कार्य समिति के स्थाई सदस्य एवं झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के.राजू ,झारखंड कांग्रेस के-सह-प्रभारी डॉ प्रसाद सिरिबेला,झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख के साथ जिला के पर्यवेक्षक अजय दुबे मुख्य रूप से भाग लेंगें। इसकी तैयारी को लेकर देवघर जिला कांग्रेस के प्रमुख

पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश की अध्यक्षता में की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने तय कार्यक्रम के अनुरूप बताया कि उक्त निर्धारित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का देवघर आगमन 25 जून 2025 को शाम में हो जाएगा तथा रात्रि विश्राम देवघर परिसदन में करेंगें। वहीं प्रदेश प्रभारी के.राजू का आगमन 26 जून 2025 को 11:00 बजे देवघर एयरपोर्ट पर होगा तथा-सह-प्रभारी डॉ प्रसाद सिरिबेला का आगमन 2:00 बजे देवघर एयरपोर्ट पर ही होगा। उन्होंने जिला के सभी नेताओं, पदाधिकारियों तथा कार्यकताओं को निर्देशित करते हुए कहा है कि अपने मुख्य अतिथियों के आगमन पर उनके स्वागत हेतु भारी संख्या में अपने सहयोगी साथियों के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित होने का कष्ट करेंगें। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष के निदेर्शानुसार संगठन सृजन के तहत आयोजित उक्त बैठक में सिर्फ प्रखंड,नगर,मंडल अध्यक्ष एवं प्रखंड तथा नगर पर्यवेक्षक बैठक स्थलअनिर्धारित समय पर पहुंच कर बैठक को सफल बनाऐंगें। तैयारी बैठक में मुख्य रूप से जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय ने बैठक को सफल बनाने हेतु आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान जिला महासचिव -सह-प्रवक्ता दिनेश कुमार मंडल,नगर अध्यक्ष रवि केसरी,युवा जिलाध्यक्ष कुमार राज,सोसल मीडिया प्रभारी अमित पांडेय, युवा नेता आफताब आलम,धर्मेंद्र सिंह, कुमार बाबा आदि मौजूद थे।

भाजपा ने राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत देवघर प्रखंड में किया आक्रोश प्रदर्शन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भाजपा राज्य व्यापी कार्यक्रम के तहत हेमंत सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार,ध्वस्त कानून व्यवस्था, लचर बिजली पानी की व्यवस्था, अवैध बालू पत्थर कोयला की लूट और बेरोजगारी के विरोध में प्रखंड स्तरीय आक्रोश प्रदर्शन देवघर प्रखंड में। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा देवघर प्रखंड में देवघर नगर जसीडीह नगर देवघर प्रखंड एवं मानिकपुर सिमरा मंडल के अध्यक्ष धनंजय खवाड़े ईश्वर राय संजय राय विष्णु रावत के नेतृत्व में एकदिवसीय विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम देवघर अनुमंडल कार्यालय में हुआ इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री राज पलिवार ने कहा जिस प्रकार झारखंड की जनता ने विश्वास कर हेमंत सोरेन को कुर्सी पर बिठाया जो जो वादे कर कर यह सत्ता में आई एक भी वादा को पूरा नहीं किया चारों तरफ भ्रष्टाचार से घिरी यह सरकार है हेमंत सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार,ध्वस्त कानून व्यवस्था, लचर बिजली पानी की व्यवस्था, अवैध बालू पत्थर कोयला की लूट और बेरोजगारी जिस प्रकार झारखंड में चरम सीमा पर है भारतीय जनता पार्टी पूर्व जोर विरोध करती है मैं यह विरोध प्रदर्शन के माध्यम से विभागीय पदाधिकारी को खुले मंच से बता देना चाहता हूं जनता का काम ईमानदारी पूर्वक कीजिए जनता को ज्यादा परेशान मत कीजिए जनता का काम नहीं करने पर हम आप सभी पदाधिकारी के विभाग की ईट से ईट बजा देने का काम करेंगे आप सभी जनता जनार्दन से एक बात करना चाहता हूं अब समय आ गया है इस सरकार को उखाड़ फेंकने का विरोध प्रदर्शन के बाद अनुमंडल पदाधिकारी को मनोरंडम दिया गया इस विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश कार्य समिति सदस्य रिता चौरसिया पूर्व जिला अध्यक्ष नवल राय चंद्रशेखर खवाड़े सचिन सुल्तानिया विजया सिंह निरंजन देव धनंजय खवाड़े संजय राय ईश्वर राय विष्णु रावत विपिन देव अशोक सिंह सत्येंद्र सिंह मिथिलेश माधव निर्मल मिश्रा मनोज भार्गव अजीत सिंह ओंकार दास प्रेम शंकर राय ललन दुबे अमरजीत दुबे प्रमोद राय उचित राय अलका सोनी संध्या कुमारी रामदेव दास एवं भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ो कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे

इग्नू में नामांकन, रिरजीस्ट्रेशन और परीक्षा साथ साथ चल रही है

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

समन्वयक डॉ जानकी नंदन सिंह ने बताया कि इग्नू में जुलाई सत्र के नामांकन की अंतिम तिथि 15 जुलाई 25 तक है । साथ ही री रजिस्ट्रेशन भी चालू है,जिसकी अंतिम तिथि 30 जून ,25 तक है। इग्नू एक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय है जो नेक द्वारा ए ++ ग्रेडेड है और ज्ञान उपार्जन के लिए भारत मेंपीपुल यूनिवर्सिटी है।इग्नू में समय पर सत्र संचालन एवं परीक्षाएं संपन्न की जाती हैं, जिसके कारण संस्था द्वारा अनेकों कोर्सेज समय से पूरा होकर छात्रों को लाभ पहुंचता है । छात्रों को सर्वोत्तम स्टडी मैटेरियल तथा ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा प्राप्त होती है । पढ़ाई का स्तर गुणवत्तापूर्ण है जिसे छात्र

ईज्ञानकोष ,ज्ञान दर्शन तथा अन्य सोशल मीडिया से जुड़कर अपना अध्ययन पूरा कर सकते हैं। वैसे लोग जो अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से आगे पढ़ाई करना चाहते हैं, उनके लिए इग्नू बहुत ही मददगार है।अध्ययन केंद्र 3609, ए एस कॉलेज ,देवघर परीक्षा केंद्र पर कदाचार मुक्त परीक्षा हो रही है, इसमें सभी अनुभवी वीक्षक निर्धारित समय पर आकर परीक्षा को प्रभावी ढंग से संपन्न करवाने में केंद्राधीक्षक की मदद करते हैं ।इग्नू के वीक्षक प्रायः अनुभवी इग्नू काउंसलर और कॉलेज के शिक्षक होते हैं ।कॉलेज में साफ सफाई, जनरेटर की सुविधा,बैठने की उत्तम व्यवस्था तथा हरित पर्यावरण की अनुभूति प्राप्त होती है।परीक्षा के प्रश्नपत्र निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पूछे जाते हैं। प्रश्न पत्र अलग-अलग रंगों के पैकेट में इग्नू, दिल्ली के द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर ससमय भेज दिए जाते हैं और कुछ प्रश्न पत्र ऑनलाइन मोड में डाउनलोड किए जाते हैं। प्रत्येक परीक्षा के दिन अनुभवी और उच्च योग्यता धारी पर्यवेक्षक प्रतिनियुक्ति किए जाते हैं। इग्नू रीजनल केंद्र के निदेशक डॉ अरविंद मनोज कुमार सिंह तथा सलाहकार देवेश कुमार शर्मा के संरक्षण में देवघर में परीक्षा संचालित हो रही है

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष ने टीम के साथियों के साथ मंत्री से की मुलाकात

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर-तीसरी पारी की शरूवात करने के बाद जेएमएम युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राहुल चन्द्रवंशी ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफिजूल अंसारी से मुलाकात कर अभिवादन किया और मिठाई खिलाया।मंत्री श्री अंसारी ने शुभकामनाएं देते हुए संगठन हित में ओर बढ़चढ़ कर कार्य करनें की बात कही।वहीं इस मुलाकात के सम्बंध में राहुल चन्द्रवंशी ने कहा की मंत्री जी हमारे अभिभावक हैं, पार्टी के बड़े नेता हैं,उनसे समय समय पर मार्गदर्शन और आशीर्वाद लेने आते रहते हैं।इस दौरान राहुल के टीम के सदस्य युवा मोर्चा जिला सचिव प्रकाश पांडे,जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सोरेन, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल मतीन, कोषाध्यक्ष शशि दास, वैभव चंद्रवंशी,रोहित,धनंजय रवानी,अनीश कुमार ,अमित सिंह आदि शामिल थे।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली को सफल बनाने की तैयारियाँ तेज, कार्यकताओं ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:लिट्टीपाड़ा आगामी रविवार को पाकुड़ जिला अंतर्गत लिट्टीपाड़ा प्रखंड में आयोजित होने वाली हैं, कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रभारी के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी, पार्टी के मंत्रीगण एवं विधायकगण की उपस्थिति सुनिश्चित हुई है, इसी दौरान कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सुनिश्चित करने हेतु कांग्रेस **प्रदेश महासचिव तनवीर आलम** के निर्देशानुसार मंगलवार को पाकुड़ जिलाध्यक्ष श्रीकुमार सरकार, साहिबगंज जिलाध्यक्ष बरकत खान, प्रखंड अध्यक्ष मानसारुल हक, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, सोशल मीडिया चेयरमैन पियारुल इस्लाम, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष मुर्शीद आलम, गणेश शाह एवं मिलन कुमार मंडल ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान तैयारियों की स्थिति से प्रदेश महासचिव तनवीर आलम को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्थल का अवलोकन कराया गया। कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए पार्टी कार्यकताओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

परमाणु आपदा का गहराया संकट

>> विचार

> “ परमाणु बिजली बनाने के लिए 3-5 प्रतिशत का यूरेनियम संवर्धन पर्यापत होता है, लेकिन हथियार बनाने के लिए यूरेनियम-235 संवर्धन की जरूरत होती है। यह हमले जिस तादाद में किए गए हैं, उससे बड़े पैमाने पर परमाणु विकिरण रिसाव की आशंका जताई जा रही है। परमाणु बम युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक विस्फोटाकों और रसायनों से भिन्न होते हैं। ये बहुत कम समय में बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, यह ऊर्जा अनेक कड़ियों में रसायनिक प्रक्रियाएं आरंभ कर देती हैं। जो व्यापक और दीर्घकालिक क्षति पहुंचा सकती है। परमाणु हथियार कुछ ही पलों में बड़ी मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, जो आसपास के वायुमंडल को लाखों डिग्री सेल्सियस तक गरम कर देती हैं।

प्रमोद भार्गव

ईरान के एक साथ तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले से परमाणु रिसाव होता है तो बहुत बड़े भू-गर्भ और भूमि क्षेत्र पर विकिरण का खतरा पैदा हो सकता है। यह हमला ईरान के परमाणु संवर्धन प्रतिश्ठान फोदों, नतांज और इस्फहान पर अत्याधुनिक बी-2 घातक बम गिराए गए हैं। इन बमों को सटीक निषाने पर दागने के लिए अमेरिकी पनडुब्बियों ने पहले दो मिसाइलों से बम गिराए, जिससे बंकर बस्टर बमों के लिए मैदान साफ हो जाए। इसके बाद बमवर्षकों ने आसमान से एक के बाद एक 14 जीबीयू-57 बी बंकर बस्टर दाग दिया। इस पूरे अभियान को नतीजे तक पहुंचाने के लिए अमेरिका ने 15 युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया। उपग्रह द्वारा निर्देशित 2400 किलो परमाणु विस्फोटक साथ ले जाने वाला यह बम जमीन में घूमता हुआ 60 मीटर गहराई तक जाने के बाद विस्फोट करके अपने लगक्ष्य को साधने में सफल हो जाता है। अमेरिका ने तीनों ठिकानों पर 14000 किलो विस्फोटक वाले बम गराए हैं। बावजूद ईरान ने हमले को स्वीकारते हुए कहा है कि हमें ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। लेकिन परमाणु हथियारों में रिसाव होता है तो बड़ी मात्रा में विकिरण फैल सकता है। अमेरिका ने जिन तीन परमाणु स्थलों पर हमला किया है, वह सभी ईरान के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन ठिकाने हैं। यहां संयंत्रों में प्राकृतिक यूरेनियम को अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम में बदला जाता है। इसी यूरेनियम को प्रयोग परमाणु बम में किया जाता है। परमाणु बिजली बनाने के लिए 3-5 प्रतिशत का यूरेनियम संवर्धन पर्यापत होता है, लेकिन हथियार बनाने के लिए यूरेनियम-235 संवर्धन की जरूरत होती है। यह हमले जिस तादाद में किए गए हैं, उससे बड़े पैमाने पर परमाणु विकिरण रिसाव की आषंका जताई जा रही है। परमाणु बम युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक विस्फोटाकों और रसायनों से भिन्न होते हैं। ये बहुत कम समय में बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, यह ऊर्जा अनेक कड़ियों में रसायनिक प्रक्रियाएं आरंभ कर देती हैं। जो व्यापक और दीर्घकालिक क्षति पहुंचा सकती है। परमाणु हथियार कुछ ही पलों

में बड़ी मात्रा में ऊर्जा छोड़ते हैं, जो आसपास के वायुमंडल को लाखों डिग्री सेल्सियस तक गरम कर देती हैं। इस विस्फोट से अनेक प्रकार के विद्युत चुंबकीय विकिरण फैल जाते है, जो अत्यंत घातक होते हैं। हालांकि ईरान के इन ठिकानों में रखे परमाणु हथियारों में विस्फोट की कोई आषंका नहीं है। क्योंकि विस्फोट के लिए परमाणु उपकरणों का सहारा लेना पड़ता है। जो हमलों से संभव नहीं है, लेकिन इनमें रिसाव हो जाता है तो ऐसे में रासायनिक और रेडियोलाजिकल रिसाव दोनों ही संकट में डालने वाले होते है। रेडियोलाजिकल रिसाव 1996 में रूस के चेर्नोबिल और 2011 में तूफान आने से जापान के फुकुशिमा में हुआ था। अतएव हमलों के कारण परमाणु विकिरण रिसाव की आशंका बनी हुई है। अमेरिका का यह हमला नटखट बालक की जिद की तर्ज पर उस हद से बाहर चला गया है, जो दुनिया के अंतरराष्ट्रीय कानून और अपने ही देश के कानूनों की परवाह नहीं करता है। इसीलिए अमेरिका के भीतर इस परमाणु हमले को लेकर अमेरिकी जनमत विभाजित दिखाई दे रहा है। दरअसल किसी देश पर हमला करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी संसद में हमले का प्रस्ताव लाकर अनुमोदन की जरूरत थी। परंतु उन्होंने इस प्रक्रिया पर अमल नहीं किया। जबकि अमेरिका की ही बात करें तो अप्रैल 2003 में ईराक पर अमेरिका ने सद्दाम हुसैन को सत्ता से बेदखल के लिए हमला किया था तब तत्कालीन राष्ट्रपति बुश ने संसद से मंजूरी ली थी। इसलिए ट्रंप के समर्थकों के साथ विपक्ष भी नाराज है। अंतरराष्ट्रीय कानून परमाणु बम के उपयोग को मानवता के विरुद्ध अमानुशिक कृत्य मानते हैं। इनके उपयोग के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिशद (यूएनएससी) के कठोर आर्थिक व राजनीतिक प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ता है। लेकिन जितनी भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हैं, वे सब अमेरिका या अन्य पश्चिमी देशों के दबाव में रहती हैं। यही देश इन संस्थानों को चलाने के लिए धन मुहैया कराते हैं और इन्हीं देशों के लोग इन संस्थानों के सदस्य होते हैं, इसलिए यहां पक्षपात साफ दिखाई देता है। अतएव ईरान में परमाणु विकिरण फैल भी जाए, तब भी अमेरिका के विरुद्ध कोई प्रतिबंध लगाना असंभव है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तो कहा है कि यह संघर्ष बड़ा रूप ले सकता है। अतएव संकट का कूटनीतिक हल निकालना जरूरी है। इसलिए ईरान का परमाणु कार्यक्रम रोकना जरूरी है। उसे समझौते के लिए बात करनी चाहिए। दूसरी तरफ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका ने लक्ष्मण रेखा पार कर ली है, कूटनीति का समय समाप्त हो गया है, अतएव ईरान को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। साफ है, तनाव और युद्ध फिलहाल बने रहेंगे। ईरान ने अमेरिकी सहयोग से 1957 में परमाणु कार्यक्रम शुरू किया था। 1970 में परमाणु बिजली घर बना लिया था। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद अमेरिका ने ईरान को सहयोग करना बंद कर दिया। बावजूद पश्चिमी देश ईरान पर परमाणु बम बना लेने का आरोप लगाते रहे। परमाणु अप्रसार संधि में शामिल होने के बाद भी ईरान पर शंकाएं की जाती रहीं। इजरायल ने जासूसी करके कुछ ऐसे सबूत जुटाए, जिनसे यूरेनियम संवर्धन की आशंका मजबूत हुई। 2000 में वैश्विक परमाणु निरीक्षकों को नतांज में सवंर्धित यूरेनियम मिला। हालांकि ईरान ने पहले संवर्धन रोक दिया था, लेकिन इजरायल की बढ़ती सामरिक क्षमता के चलते उसने गुपचुप परमाणु कार्यक्रम शुरू कर दिया था। इस कारण ईरान पर पश्चिमी देशों ने यह कहते हुए अनेक आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे कि ईरान परमाणु बम बनाने के निकट पहुंच गया है। बाद में कई साल चली वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने प्रतिबंध हटा लिए थे। इस समझौतें में ईरान को असैन्य यूरेनियम संवर्धन को 3.67 प्रतिशत तक रखना मान्य कर लिया था। लेकिन 2018 में जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने तो उन्होंने समझौते से हाथ खींच लिए और ईरान पर कई प्रतिबंध लगा दिए। 2023 में आईएईए ने कहा कि ईरान में 83.7 प्रतिशत शुद्धता के यूरेनियम कर्ण मिले हैं और उसके पास 128.3 किलो संवर्धित यूरेनियम है। मई 2025 में आईएईए ने दावा किया कि ईरान के पास 60 प्रतिशत संवर्धित यूरेनियम की मात्रा 408 किलो है। इससे 9 परमाणु बम बनाए जा सकते है। इसे ही नश्ट करने को लेकर इजरायल ने ईरान पर हमला किया और अब अमेरिका इस लड़ाई में कूंद पड़ा है। अब यह लड़ाई बर्बादी के किस मुकाम पर पहुंचती हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता है।

संपादकीय

सफाई की वजह से मजदूरों की मौत

यह एक बड़ी विडंबना है कि आज जब हम अर्थव्यवस्था की ऊंचाइयों को हासिल करने के दावे कर रहे हैं, उसमें आए दिन सीवर की सफाई करते लोगों की मौत की खबरें आती हैं। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में सीवर की सफाई करने उतरे दो मजदूरों की मौत ने फिर यही दर्शाया है कि आर्थिक विकास के आंकड़ों की चकाचौंध में समाज के सबसे कमजोर तबकों की फिक्रकरना जरूरी नहीं समझा जाता है। शनिवार को एक ठेकेदार के कहने पर सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरे दो मजदूरों की जहरीली गैस की चपेट में आकर मौत हो गई। मामले के तूल पकड़ने के बाद प्रशासन की ओर से इस संबंध में मामला दर्ज किए जाने और मुआवजा देने के आश्वासन जैसी औपचारिकताएं पूरी की गईं। मगर यह समझना मुश्किल है कि इस तरह सीवर की सफाई कराने पर रोक के बावजूद संबंधित सरकारी महकमे आखिर किन वजहों से पारंपरिक तरीकों से सीवर की सफाई और उसमें मरने वालों की त्रासदी की लगातार अनदेखी करते रहे हैं! आखिर क्या वजह है कि सीवर में सफाई करने उतरे मजदूरों की जोखिम भरी जिंदगी और इस काम में उनके अस्तित्व और गरिमा के सवाल पर सोचना हमें जरूरी नहीं लगता? इस मसले पर शीर्ष अदालत के स्पष्ट निर्देश और तीखी टिप्पणियों के बावजूद सरकारों ने शायद ही कभी निजी ठेकेदारों के खिलाफ सख्ती बरतने, किसी की जिम्मेदारी तय करने और सीवर में जोखिम भरे हालात में किसी इंसान को उतारने पर रोक को लेकर गंभीरता दिखाई हो। नतीजा यही है कि आजादी के सात दशक बाद आज भी अक्सर सीवर की सफाई के लिए उसमें उतरे मजदूर अपनी जान गंवा रहे हैं। विचित्र है कि एक ओर विज्ञान और तकनीक की उपलब्धियों की बदौलत कृत्रिम मेधा से सभी काम आसान होने और अंतरिक्ष तक में अनुसंधान की नई ऊंचाई छूने के दावे किए जा रहे हैं, दूसरी ओर अमानवीय हालात में कुछ लोगों को अपनी जान जोखिम में डाल कर सीवर में घुस कर उसकी सफाई करनी पड़ रही है। क्या ऐसा इसलिए हो पा रहा है कि इस समस्या के पीड़ित आमतौर पर समाज के सबसे कमजोर तबके से आते हैं?

राहुल से नहीं आतंकवाद से लड़ें

ब्यूरो

देश के किसी भी दुश्मन से लड़ने का काम, चाहे वह सेना हो या आतंकवादी, सरकार और सेना का होता है। लेकिन देश की सत्ता पर काबिज भाजपा पहलगाम में हुए हमले के जिम्मेदार आतंकियों के साथ लड़ने की बजाय कांग्रेस एवं लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी से लड़ रही है। देश भर में भाजपा ने पूरे देश में मुस्लिमों के खिलाफ़ एक तरह से अभियान छेड़कर भारत का एक विभाजित समाज के रूप में परिचय देने का काम किया है, वहीं राहुल पर हमला कर उसने यह भी संदेश दिया है कि देश में राजनीतिक एकता भी नहीं है। लाजिमी है कि इसका लाभ दुश्मन देश को ही मिलेगा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चाहिये कि उसे अपनी इस क्षुद्र लड़ाई को बाद के लिये छोड़ देनी चाहिये। फिलहाल यह देश की सामाजिक व राजनीतिक ऐका दिखाने का वक्त है, न कि यह संदेश देने का कि सियासी दलों को आपसी सिर-फुटौव्वल से लड़ने से ही फ़ुरसत नहीं है। लम्बे समय के बाद राहुल गांधी मंगलवार व बुधवार को अमेठी तथा रायबरेली लोकसभा क्षेत्रों के दौरे पर पहुंचे थे। उनके आने के पहले दोनों जगहों पर उनके खिलाफ़ पोस्टर लगाये गये जिनमें उन्हें 'आतंकियों का साथी' बताया गया तो किसी में उन्हें जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ने वाला करार दिया गया। कुछ पोस्टरों में कांग्रेस पर आतंकियों व पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया गया है। एक भाजपायी नेता ने अपनी तस्वीर के साथ इस आशय के पोस्टर लगाये कि राहुल व कांग्रेस जातिवाद के आधार पर देश को तोड़ेगी तो भाजपा राष्ट्रवाद के आधार पर जोड़ेगी। भाजपा से इसलिये उम्मीद लगानी स्वाभाविक है क्योंकि केन्द्र सरकार का

नेतृत्व वही करती है। इस नाते उसे इस मसले पर गम्भीर होने की ज़रूरत है, लेकिन जिस प्रकार से इस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में मुसलमानों के साथ मारपीट व दुर्व्यवहार हो रहा है, राहुल के साथ उसका सलूक वैसा ही गैर जिम्मेदाराना है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा सांसद अखिलेश यादव के साथ भी कुछ कुछ ऐसी ही बदसलूकी कर रही है क्योंकि सपा के साथ बड़ी तादाद में मुसलमान हैं तथा भाजपा उनके खिलाफ है। देश के अनेक राज्यों से मुसलमानों को धमकियां देने, उनके साथ मारपीट करने, कश्मीरी छात्रों को शहर छोड़कर जाने की धमकियां देने तथा एक-दो हत्याओं से लगता है कि उग्र राष्ट्रवाद को इन सबसे संतोष नहीं मिल रहा है। सो आलोचना की तोप राहुल की तरफ़ मोड़ दी गयी है। जातिवाद के जरिये राहुल-कांग्रेस पर देश को तोड़ने का आरोप दरअसल उनकी जातिगत जनगणना की मांग से जुड़ा है। हालांकि बुधवार को हुई केबिनेट बैठक में सरकार ने फैसला लिया है कि वह जातिगत जनगणना कराएगी। मगर अपनी बौखलाहट में राहुल पर आक्रमण करती भाजपा को भूलना नहीं चाहिये कि राहुल व कांग्रेस परिवार के दो लोगों की हत्याएं आतंकवादियों ने ही की हैं। भाजपा के जो लोग इस पोस्टर वॉर का हिस्सा हैं या उसे अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं, वे इस बात को भी भूलते हैं कि विपक्षी नेताओं में सबसे पहले राहुल तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऐलान किया था कि वे सरकार के साथ पूरी तरह से खड़े हैं और सरकार जो भी निर्णय लेगी, वे उसका समर्थन करेंगे। राहुल ने ही सबसे पहले कश्मीर का दौरा किया और साफ किया कि चाहे जो चूक हुई हों, वे सरकार से अभी कोई सवाल नहीं करेंगे। इसके बरक्स प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रवैये से निराशा हुई है। सऊदी अरब का दौरा छोड़कर लौटे मोदी से उम्मीद थी कि वे तुरन्त कश्मीर जायेंगे। उनसे यह भी अपेक्षा थी कि वे सर्वदलीय बैठक का नेतृत्व करेंगे। आश्चर्य ही नहीं यह दुख की बात है कि उन्होंने बैठक में भाग लेने की बजाय बिहार की रैली में जाना उचित समझा जहां इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। इतना ही नहीं, कार्यक्रम के मंच पर उनके तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हंसी-ठिठोली करते वीडियो सामने आये थे जो इस बात को साबित करने के लिये काफी हैं कि उन्होंने इस घटना को कितने हल्के में लिया है। अलबत्ता, उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना स्वरूप सभी से कुछ पलों का मौन धारण कराया था। जनता को यह भी उम्मीद थी; और अब भी है कि वे संसद के दोनों सदनों का कम से कम एक दिन का विशेष सत्र बुलायें जिसमें वे सरकार के कदमों की देश को जानकारी दें। उन्हें देशवासियों को आश्वस्त करना चाहिये कि आईंदा ऐसी दुखद घटनाएं न हों उसके लिये सरकार पुख्ता कदम उठायेगी। राष्ट्र के नाम टीवी पर वे संदेश तो दे ही सकते थे, लेकिन उन्होंने इस विषय के लिये हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को चुना। एक ओर तो सरकार अपने कर्तव्यों से पूरी तरह से सायास विमुख रही है तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष, खासकर राहुल जिम्मेदार नेता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। ऐसे में उन पर हमला तर्कसंगत नहीं है।

जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) प्रवेश परीक्षा कक्षा 6 की तैयारी कैसे करें

विजय गर्ग

जवाहर नवोदय विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माता-पिता और छात्रों द्वारा एक पसंदीदा स्कूल है। प्रवेश के लिए, छात्रों को जेएनवीएसटी प्रवेश परीक्षा पास करने की आवश्यकता है यह छात्रों की मानसिक क्षमता, अंकगणित (गणित) और भाषा की समझ का परीक्षण करता है। जेएनवी प्रवेश परीक्षा कक्षा 6 2 घंटे लंबी है और इसमें 80 एमसीक्यू आधारित प्रश्न हैं। ये स्कूल सीबीएसई पाठ्यक्रम का पालन करते हैं और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे बुनियादी ढांचे और सुविधाएं प्रदान करते हैं। इसलिए उच्च प्रतिस्पर्धा है। प्रवेश के लिए उच्च प्रतियोगिता से आगे निकलने के लिए जेएनवी प्रवेश कक्षा 6 की तैयारी करने का तरीका जानने के लिए इस लेख का पालन करें। हर साल जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए लाखों छात्र आवेदन करते हैं। कक्षा 5 में लगभग 25 लाख बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा हर साल लेते हैं। हालांकि, हर एक जेएनवी स्कूल में केवल लगभग 80 सीटें उपलब्ध हैं, और लगभग 2,87,967 छात्रों को नवोदय विद्यालयों में स्वीकार किया जाता है। सीमित संख्या में सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले आवेदकों की इतनी बड़ी संख्या के साथ, आपके लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो जाता है कि आपका बच्चा जेएनवी प्रवेश परीक्षा के लिए उचित मार्गदर्शन और तैयारी प्राप्त करे। जेएनवी नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए, कक्षा 6 के छात्रों को सही रणनीतियों का पालन करना चाहिए, संदेह को हल करना चाहिए, और परीक्षा को खाली करने के लिए पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र का प्रयास करना चाहिए। कक्षा 6 की तैयारी के लिए जेएनवी प्रवेश परीक्षा को आसान बनाने के लिए, कुछ चरणों और युक्तियों का उल्लेख नीचे किया गया है, जो तैयारी के लिए विभिन्न बिंदु हैं। जेएनवी प्रवेश परीक्षा कक्षा 6 को क्रैक करने के लिए चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका का पालन करें। 1 नवोदय परीक्षा पैटर्न को समझें जेएनवी परीक्षा पैटर्न को समझना कक्षा 5 के उन छात्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जो नवोदय कक्षा 6 में प्रवेश लेना चाहते हैं। अनुभाग- प्रश्न पत्र को तीन खंडों में विभाजित किया गया है:मानसिक क्षमता परीक्षण अंकगणित परीक्षण भाषा परीक्षण टेस्ट अवधिः पूरी परीक्षा 2 घंटे और 30 मिनट तक चलती है। अधिकतम अंकः परीक्षा के लिए कुल अधिकतम अंक 200 हैं। भाषाः वर्ष 2025 के लिए एनवीएस कक्षा 6 की परीक्षा तीन भाषाओं - अंग्रेजी, हिंदी और प्रत्येक राज्य की संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित की जाएगी।

मानसिक क्षमता परीक्षण : 80 अंक अंकगणित परीक्षण, 40 अंक भाषा परीक्षण, 80 अंक 2.। सिलेबस पूरा करें जेएनवी कक्षा 6 प्रवेश परीक्षा के लिए परीक्षा पैटर्न को समझें, जेएनवी पाठ्यक्रम के माध्यम से सावधानीपूर्वक जाना महत्वपूर्ण है। चूंकि परीक्षा के प्रश्न कक्षा 5 के पाठ्यक्रम पर

आधारित हैं, इसलिए आपके पास पहले से ही अपने पिछले वर्ष के अध्ययनों से एक अच्छी नींव है। अपनी ताकत और कमजोरियों की पहचान करने और तदनुसार तैयार करने के लिए यहां कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं।

पाठ्यक्रम को संशोधित करें: सभी तीन वर्गों के लिए पाठ्यक्रम के माध्यम से जाएं - मानसिक क्षमता परीक्षण, अंकगणित परीक्षण और भाषा परीक्षण। प्रत्येक अनुभाग में शामिल विषयों के साथ खुद को परिचित करें।

अपने ज्ञान का मूल्यांकन करें: जैसा कि आप पाठ्यक्रम की समीक्षा करते हैं, अपना आकलन करें प्रत्येक विषय की समझ। उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां आप आत्मविश्वास महसूस करते हैं और जिन्हें आप चुनौतीपूर्ण पाते हैं।

एक सूची बनाएं: अपने मजबूत और कमजोर क्षेत्रों की एक सूची बनाएं। यह आपको अपनी तैयारी को प्राथमिकता देने और आपके साथ संघर्ष करने वाले विषयों के लिए अधिक समय आवंटित करने में मदद करेगा।

कमजोर क्षेत्रों के लिए मदद लें: उन विषयों के लिए जिन्हें आप मुश्किल पाते हैं, अपने शिक्षकों, या माता-पिता से मदद लेने में संकोच न करें, या कोचिंग संस्थान में शामिल होने पर विचार करें। वे आपको अतिरिक्त सहायता, अभ्यास सामग्री और मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।

अपनी ताकत का अभ्यास करें: अपनी कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करते समय, अपनी ताकत की उपेक्षा न करें। अपनी प्रवीणता बनाए रखने के लिए उन विषयों का अभ्यास करना और उन्हें सुदृढ़ करना जारी रखें जो आप अच्छे हैं। 3 जेएनवी प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन कक्षाएं लें जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई सस्ती ऑनलाइन कक्षाएं। अनुभवी संकाय, एक व्यापक पाठ्यक्रम, इंटरैक्टिव सत्र, व्यक्तिगत ध्यान और नियमित मूल्यांकन के साथ, ये ऑनलाइन कक्षाएं छात्रों को प्रतिस्पर्धी जेएनवी परीक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञ मार्गदर्शन और एक लचीला सीखने का माहौल प्रदान करती हैं। 4 प्रैक्टिस जेएनवी पिछले साल के प्रश्न पत्र नमूना पत्रों के साथ अभ्यास करना वास्तव में जेएनवीएसटी (जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा) परीक्षा की तैयारी का सबसे अच्छा तरीका है। नमूना पत्रों को हल करने से कई लाभ मिलते हैं।

प्रश्न पैटर्न के साथ परिचित : नमूना पत्र छात्रों को वास्तविक परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के प्रकारों से परिचित कराते हैं, जिससे उन्हें प्रारूप और संरचना को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। समय प्रबंधनः समयबद्ध परिस्थितियों में नमूना पत्रों के साथ अभ्यास करने से छात्रों को समय प्रबंधन कौशल विकसित करने में मदद मिलती है, जिससे वे दिए गए समय सीमा के भीतर कुशलतापूर्वक प्रश्नों का उत्तर दे सकते हैं। ताकत और कमजोरियों की पहचान करनाः नमूना पत्रों को हल करके, छात्र अपने मजबूत और कमजोर क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं, जिससे वे तदनुसार अपनी तैयारी के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

आत्मविश्वास को बढ़ावा देनाः नमूना पत्रों के साथ नियमित अभ्यास छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है और परीक्षा की चिंता को कम करता है, क्योंकि वे परीक्षा के माहौल के साथ अधिक सहज हो जाते हैं।

गति और सटीकता में सुधार : नमूना पत्रों को बार-बार हल करने से छात्रों को सवालों के जवाब देने में अपनी गति और सटीकता में सुधार करने में मदद मिलती है, जो प्रतिस्पर्धी जेएनवीएसटी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए महत्वपूर्ण है। 5 विषय और सिलेबस संशोधन जेएनवी प्रवेश परीक्षा सहित किसी भी परीक्षा के लिए प्रभावी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी विषय या अनुभाग को पूरा करने के बाद, अगले एक पर जाने से पहले दैनिक समीक्षा करना सुनिश्चित करें। आपके द्वारा सीखी गई अवधारणाओं की अपनी समझ की जांच करने के लिए आप अपने स्वयं के अभ्यास प्रश्न या मिनी-परीक्षण बना सकते हैं।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार, प्रख्यात शिक्षाविद्, गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

आर्यदान शौकत के समर्पण की जीत: प्रियंका

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल में नीलांबुर विधानसभा सीट के उप चुनाव में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट - यूडीएफ के उम्मीदवार आर्यदान शौकत की जीत को उनके समर्पण की जीत करार दिया है। श्रीमती वाड्रा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूडीएफ के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रयासों से यह जीत संभव हुई है। संविधान के मूल्यों और प्रगति के लिए यूडीएफ के दृष्टिकोण में जनता भरोसा और विश्वास आगे के रास्ते के लिए मार्गदर्शक प्रकाश होगा। उन्होंने कहा, हमने एक टीम के रूप में काम किया, हर एक ने प्रतिबद्धता और एक ही लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया, यही इस सफलता का सबसे महत्वपूर्ण सबक है। आर्यदान शौकत को हार्दिक बधाई, जिनके समर्पण और सेवा ने चमक बिखेरी है। सबसे बढ़कर नीलांबुर के मेरे बहनों और भाइयों को उनके समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। श्री शौकत ने सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के उम्मीदवार एम. स्वराज को पराजित कर जीत हासिल की है।

आईएमए जेडीएन ने स्वास्थ्य मंत्री नड्डा को पत्र, नीट-एसएस कट-ऑफ कम करने की अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को डॉक्टर्स ने नीट-एसएस की कट-ऑफ को लेकर पत्र लिखा है। भारतीय चिकित्सा संघ के जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने मांग की है कि नीट-एसएस की कट-ऑफ को कम किया जाए। इन डॉक्टर्स का कहना है कि हाई कट-ऑफ के कारण अनेक अत्यंत योग्य और प्रतिबद्ध उम्मीदवार इस अवसर से वंचित होना पड़ रहा है। जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने पत्र में लिखा, देश के कई संस्थानों में सुपर स्पेशियलिटी की सीटें खाली होने के बावजूद नीट-एसएस 2025 में उच्च योग्यता प्रतिशत के कारण अनेक काबिल और समर्पित अभ्यर्थी को वर्तमान में अवसर से वंचित होना पड़ रहा है।

अब तक नीट-एसएस के दो काउंसलिंग राउंड हो चुके हैं, फिर भी कई सीटें खाली हैं। लेटर के जरिए डिमांड रखते हुए डॉक्टर्स ने लिखा, हम अनुरोध करते हैं कि पहले की तरह इस बार भी कट-ऑफ पर्सेंटाइल में सहानुभूतिपूर्ण और विवेकपूर्ण कटौती की जाए। कई ऐसे योग्य उम्मीदवार हैं जो कट-ऑफ से थोड़ा पीछे रह जाते हैं, लेकिन पूरी तरह से सक्षम और सुपर स्पेशियलिटी ट्रेनिंग करने के इच्छुक होते हैं। आने वाली काउंसलिंग राउंड में कट-ऑफ कम करने से इन डॉक्टरों को स्वास्थ्य सेवाओं में सार्थक योगदान का अवसर मिल सकेगा।

स्थिरता एक आवश्यकता है, अब एक नारा नहीं : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि दुनिया जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना कर रही है। स्थिरता अब एक नारा नहीं है, यह एक आवश्यकता बन गई है। लेखांकन की प्रथा का भारत में एक लंबा इतिहास है। लेखांकन और जवाबदेही गहराई से जुड़े हुए हैं। राष्ट्रपति सचिवालय के एक बयान के मुताबिक राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के 12वें राष्ट्रीय छात्रों के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे इतिहास में लेखांकन और जवाबदेही का घनिष्ठ संबंध होने के कारण लेखाकारों को समाज में उच्च सम्मान प्राप्त है। हम जवाबदेही को महत्व देते हैं, इसलिए लेखांकन को विशेष महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में इस समृद्ध विरासत को अन्य संस्थानों के अलावा भारतीय लागत लेखाकार संस्थान ने आगे बढ़ाया जा रहा है। इस संस्थान की स्थापना वर्ष 1944 में देश में लागत और प्रबंधन लेखाकारों के विनियमन और विकास के लिए की गई थी और स्वतंत्रता के बाद यह न केवल आर्थिक परिवर्तन का साक्षी है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को आज दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाने में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

किशोरियों को कौशल प्रदान करने को संयुक्त पायलट पहल 'नव्या' की होगी शुरुआत

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के साथ मिलकर किशोरियों को कौशल प्रदान करने के लिए दोनों मंत्रालयों की संयुक्त पायलट पहल नव्या की शुरुआत करने जा रहा है। मंगलवार को सोनभद्र से नव्या की शुरुआत एमएसडीई के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा किया जाएगा। नव्या एक पायलट पहल है जिसका उद्देश्य 16-18 वर्ष की आयु की किशोरियों को कक्षा 10 की न्यूनतम योग्यता के साथ मुख्य रूप से गैर-पारंपरिक नौकरी भूमिकाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण से लैस करना है। यह पायलट पहल देश के 27 जिलों में लागू की जाएगी जिसमें 19 राज्यों में फैले आकांक्षी जिले और पूर्वोत्तर राज्यों के जिले शामिल हैं। लॉन्च के हिस्से के रूप में दोनों मंत्रालय किशोरियों के लिए कौशल प्रयासों पर अभिसरण को संस्थागत बनाने के लिए अपने सहयोग को औपचारिक रूप देंगे। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और अन्य प्रमुख कौशल विकास योजनाओं की खूबियों पर आधारित होगा।

प्रधानमंत्री से मिले मप्र के मुख्यमंत्री, विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने का दिया आमंत्रण

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें मध्य प्रदेश में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन कार्यक्रमों में आने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियानांतर्गत खंडवा जिला भूगर्भ-जल भंडारण में पूरे देश में प्रथम आया है और मध्य प्रदेश ने शीर्ष चार राज्यों में स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की प्रेरणा गुजरात सरकार से मिली है, जहाँ पुराने कुएं, बावड़ियों, नदी तटों का जीर्णोद्धार कर भूगर्भ-जल भंडारण के विशेष

काम किये गये हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अभियान के समापन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से सम्मिलित होकर आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सहर्ष स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चार स्तंभों- गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास की दिशा में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने और कृषि आधारित उद्योगों के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से आगामी 12-13 और 14 अक्टूबर को सीहोर जिले में दो लाख से अधिक किसानों का वृहद सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री को इस सम्मेलन के उद्घाटन करने के लिए निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से जनजातीय अंचल धार में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है। उन्होंने पार्क के भूमिपूजन और औद्योगिक खंडों के आवंटन के लिए भी प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि भोपाल में मेट्रो ट्रेन इस वर्ष अक्टूबर माह तक प्रारंभ हो जाएगी, प्रधानमंत्री को इसका करने का न्यौता भी दिया।

डीबीजी रोड पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को बटन वाले चाकू के साथ पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के डीबीजी रोड पुलिस थाने की टीम ने एक हिस्ट्रीशीटर को बटन वाले चाकू के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान विजय उर्फ विक्की उर्फ मोटा (45 वर्ष), निवासी अमरपुरी, नबी करीम, दिल्ली के रूप में हुई है। यह गिरफ्तारी 20-21 जून की मध्यरात्रि को सतर्क गश्त के दौरान हुई।

पुलिस उपायुक्त (केंद्रीय जिला) निधिन वलसन ने बताया कि डीबीजी रोड पुलिस को अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सतर्क गश्त और निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत कांस्टेबल सौरभ और अनूप की गश्ती टीम रात को करोलबाग के लिबर्टी सिनेमा के पीछे खाली जमीन के पास तैनात थी। इस दौरान टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा, जो पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश करने लगा। सतर्क पुलिसकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की और उसे धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विजय बताया। लेकिन, मौके पर मौजूदगी का कोई ठोस कारण नहीं बता सका। तलाशी लेने पर उसके पास से एक बटन-संचालित चाकू बरामद हुआ। इसके बाद, डीबीजी रोड थाने में आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में पता चला कि विजय नबी करीम थाने का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर है और पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, वह इलाके में आपराधिक गतिविधियों का सक्रिय सदस्य है। बरामद चाकू को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि हम अपराध रोकने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। ऐसी कार्रवाइयों से इलाके में अपराधियों के बीच डर पैदा होगा और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

अरविंद केजरीवाल ने राज्यसभा जाने की अटकलों को किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राज्यसभा जाने की सारी अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा से कौन जाएगा, यह पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) तय करेगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'मैं राज्यसभा नहीं जा रहा'।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता की। इसमें उन्होंने पांच विधानसभा सीटों के उपचुनाव में दो सीटों पर मिली जीत के लिए जनता का धन्यवाद दिया। इसमें कांग्रेस, भाजपा और टीएमसी ने एक-एक सीट जीती हैं। गुजरात में विसावदर और पंजाब में लुधियाना पश्चिम सीट पर आआपा ने जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा कि वे लुधियाना पश्चिम से जीते संजीव अरोड़ा और विसावदर से जीते गोपाल इटालिया के साथ दोनों राज्यों की जनता को बहुत बधाई

देता हैं। आआपा के प्रति विश्वास दिखाने के लिए दोनों राज्यों की जनता का दिल से धन्यवाद है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि फरवरी 2022 में पंजाब और दिसंबर 2022 में गुजरात में चुनाव हुए थे। गुजरात के विसावदर सीट आआपा जीती थी, लेकिन हमारे विधायक भाजपा में चले गए और उसकी वजह से यह चुनाव हुआ। 2022 में गुजरात की विसावदर विधानसभा सीट पर और पंजाब के लुधियाना पश्चिम की सीट पर जीतने मतों के अंतर से आआपा जीती थी, आज उससे दोगुने अंतर से दोनों सीटीं जीती है। यह इस बात का बहुत बड़ा संकेत है कि पंजाब की जनता आआपा की सरकार के काम से बहुत खुश हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि विसावदर के लोगों ने भी 2022 की तुलना में इस बार दोगुने मतों के अंतर से ''आआपा'' को जिताया है। अक्सर कहा जाता है कि उपचुनाव में सत्तासीन पार्टी ही जीतती है। गुजरात में भाजपा सत्ता में है। भाजपा की सरकार होने के बावजूद विसावदर की जनता ने 2022 की तुलना में दोगुने मतों के अंतर से आआपा को जिताया है।

दाहोद इंजन कारखाने पर कांग्रेस के सवाल पर रेल मंत्रालय का जवाब, कहा- सारी प्रक्रिया पारदर्शी

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात के दाहोद में 26 मई को हुए रेल इंजन कारखाने के उद्घाटन को लेकर कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के लगाए आरोपों पर रेल मंत्रालय ने जवाब दिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 9,000 हॉर्स पावर वाले इलेक्ट्रिक इंजनों के निर्माण और रखरखाव के लिए पूरी निविदा प्रक्रिया पारदर्शी थी और इस प्रक्रिया में किसी भी तरह का नियम उल्लंघन या पक्षपात नहीं हुआ है। रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विश्व स्तर पर केवल दो कंपनियां एल्सटॉम और सीमेंस ऐसी हैं, जो इतनी उच्च क्षमता वाले इंजनों को डिजाइन और निर्माण करने में सक्षम हैं। दोनों कंपनियों ने इस निविदा में भाग लिया था। तकनीकी मूल्यांकन में दोनों को समान स्तर पर रखा गया, जबकि वित्तीय मूल्यांकन के बाद सबसे कम कीमत देने वाली कंपनी को ठेका दिया गया। निविदा प्रक्रिया के दौरान किसी भी शर्त में बदलाव नहीं किया गया और पूरी प्रक्रिया भारतीय रेलवे द्वारा अपनाई जाने वाली पारंपरिक प्रणाली के अनुसार ही संचालित की गई। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया कि इस निविदा प्रक्रिया में रेल मंत्री की कोई भूमिका नहीं थी और मूल्यांकन कार्य पूरी तरह से विशेषज्ञ अधिकारियों की टीम द्वारा किया गया। इससे हितों के टकराव की संभावना पूरी तरह से नकार दी गई है। यह परियोजना 'जीवन चक्र लागत' (लाइफ साइकल बेस्ड प्रेक्योरमेंट) मॉडल पर आधारित है, जिसका उद्देश्य उत्पाद की विश्वसनीयता और यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।दाहोद में बनने वाले इंजनों में लगभग 89 फीसदी कंपोनेंट्स भारत में ही निर्मित किए जा रहे हैं। रेल मंत्रालय ने कहा कि लोकोमोटिव एक अत्यंत जटिल मशीन है और उसके कंपोनेंट्स का निर्माण देश के विभिन्न हिस्सों में होता है। भारत ने बीते एक दशक में विनिर्माण क्षेत्र में जो प्रगति की है, उसने देश को इस स्तर तक पहुंचने में सक्षम बनाया है कि अब वह विश्व के कुछ गिने-चुने देशों में शामिल हो गया है जो इतनी जटिल मशीनों के पुर्जे खुद बना सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति के भाषणों का संकलन 'आशाओं की उड़ान - खंड 2' का विमोचन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'विंग्स टू आवर होप्स (वोल्यूम-II)' और हिंदी में 'आशाओं की उड़ान (खंड 2) पुस्तकों का विमोचन किया। यह पुस्तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 51 भाषणों का संग्रह है। यह राष्ट्रपति के तौर पर उनके दूसरे वर्ष (अगस्त 2023 - जुलाई 2024) का दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। इसमें उनकी दृष्टि, दर्शन और प्राथमिकताएं शामिल हैं। राष्ट्रपति भवन में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्यमंत्री एल मुरुगन भी उपस्थित थे। रक्षामंत्री सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मु को महिलाओं के नेतृत्व में विकास का उत्कृष्ट उदाहरण बताया और कहा कि उन्होंने हमेशा वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए कार्य किया है। उन्होंने पुस्तक को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सरकार के

दृष्टिकोण का सार बताया। उन्होंने कहा कि यह संग्रह विविधता, समानता और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह पुस्तक हमारी गौरवशाली विरासत को संरक्षित करते हुए प्रगतिशील विचारों के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शक बनेगी। राष्ट्रपति मुर्मु हमारे देश में विविधता के महत्व को जानती हैं और वंचितों के दर्द को पहचानती हैं। यह पुस्तक समानता की भावना का उद्घोष करती है। रक्षा मंत्री ने राष्ट्रपति के कुछ विचारों को सरकार की प्राथमिकताएं बताया। प्राथमिकाएं जैसे विरासत के साथ विकास हमारी पहचान है और नैतिकता जीवन का आधार है। लोकसेवकों में सेवा और परोपकार की भावना जरूरी है। न्याय प्रणाली को आम जनता के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। विकास में नवाचार को बढ़ावा देना चाहिए और भारत 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना से वैश्विक सुधार में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे समकालीन मुद्दों को समझने का एक माध्यम बताया। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मु की संवेदनशीलता और सेवा भावना की सराहना की। उल्लेखनीय है कि 'विंग्स टू आवर होप्स (वोल्यूम-II)' प्रकाशन विभाग द्वारा तैयार की गई है। केंद्र सरकार के एक अग्रणी प्रकाशन संस्थान के रूप में प्रकाशन विभाग जनहित, राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन, संस्कृति, कला और साहित्य के विभिन्न विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित करता रहा है और पिछले आठ दशकों से भारत के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के चुनिंदा भाषणों को दस्तावेजित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इजरायल-ईरान के बीच युद्ध मानवता के लिए ठीक नहीं : उदित राज

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से तनाव कम करने और शांति की अपील की है। इस पर कांग्रेस प्रवक्ता उदित राज ने कहा कि इजरायल और ईरान के बीच युद्ध मानवता के लिए ठीक नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता ने समाचार एजेंसी बातचीत में कहा कि युद्ध समस्याओं का हल नहीं है। उन्होंने कहा कि इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को बातचीत के जरिए ही सुलझाया जा सकता है, युद्ध से शांति नहीं मिल सकती है। जिस तरह से इजरायल और ईरान के बीच युद्ध हो रहा है, यह दुनिया और मानवता के लिए ठीक नहीं है। वहीं, ईरान से भारतीय नागरिकों की सकुशल वापसी पर उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा करना हर देश की सरकार की जिम्मेदारी होती है।नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला के बयान पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा, मैं धार्मिक ध्रुवीकरण के विचार से सहमत नहीं हूं। मूल्यांकन इस आधार पर किया जाना चाहिए कि क्या वैध है और क्या नहीं। इस्लामिक देशों में ऐसा कहकर वे क्या संदेश देना चाहते हैं? यह धार्मिक ध्रुवीकरण है। इसके अलावा, प्रत्येक देश की अपनी परिस्थितियां और हित होते हैं और वे अपना अलग रुख अपनाते हैं, कोई भी व्यक्ति सिर्फ कहने से कोई रुख नहीं अपनाएगा। दुनिया में कहीं न कहीं या कुछ देशों में उत्पीड़न हो रहा है। अगर इस्लामिक आधार पर ध्रुवीकरण हुआ, तो पूरी दुनिया इस तरह से विभाजित हो जाएगी, जो नहीं होना चाहिए। क्या सही है और क्या गलत, इसका आकलन किया जाना चाहिए और यह चल रहा युद्ध गलत है।

ईरान से लौटे भारतीयों ने 'ऑपरेशन सिंधु' और पीएम मोदी की जमकर तारीफ की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार की ओर से 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान से अपने नागरिकों को वापस लाने का काम जारी है। इस बीच, ईरान से सकुशल वतन वापसी करने वाले लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से भारत लौटे एक नागरिक ने कहा कि हम ईरान में बहुत मुश्किल में थे। मैं मोदी सरकार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। लखनऊ के रहने वाले एक शख्स जो पिछले 22 दिनों से ईरान में थे, उन्होंने कहा कि जब इजरायल ने ईरान पर हमला किया, तो भारतीय दूतावास लगातार हमारे संपर्क में रहा। उन्होंने हमारी सुरक्षा सुनिश्चित की, हमें भोजन और दवाइयां मुहैया कराईं। हम वास्तव में आभारी हैं।

तनावपूर्ण परिस्थितियों का वर्णन करते हुए एक छात्र ने कहा कि वहां स्थिति बहुत खराब थी, लेकिन भारतीय दूतावास ने हमारा पूरा साथ दिया। हमें किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा और हमारी वापसी की व्यवस्था भी बेहतरीन थी। एक अन्य व्यक्ति ने

कहा कि हमारे लिए भारत से बेहतर कुछ नहीं है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी वाकई महान हैं। एक अन्य ने कहा कि ईरान में लगातार बमबारी से स्थिति भयावह थी। इसके बावजूद भारत सरकार ने उचित व्यवस्था की। प्रधानमंत्री मोदी ने हम सभी का ख्याल रखा। एक अन्य भारतीय नागरिक ने सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकार ने शानदार काम किया, ईरान से हमें लेने से लेकर घर वापस लाने तक। भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में था। मैं बहुत आभारी हूं। 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत 285 भारतीय नागरिकों का एक और जत्था सुरक्षित रूप से नई दिल्ली पहुंचा है। जिससे ईरान से निकाले गए लोगों की कुल संख्या 1,713 हो गई। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से निकाले गए एक भारतीय महिला नागरिक ने कहा, हमारा देश महान, हमारा हिंदुस्तान महान ईरान से लौटे एक भारतीय नागरिक ने कहा, ईरान में भारतीय दूतावास ने अद्भुत काम किया है। एक भारतीय नागरिक ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि हमारी सरकार ने हमें उससे कहीं अधिक सहायता दी है, जिसकी अपेक्षा एक नागरिक अपनी सरकार से करता है।

भारत ने ओआईसी में पाकिस्तान प्रायोजित बयान की तीखी आलोचना की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने इस्लामिक देशों के संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक में भारत को लेकर अनुचित और तथ्यात्मक रूप से गलत संदर्भों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि आतंकवाद को राजतंत्र में बदलने वाले पाकिस्तान प्रायोजित यह बयान संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्य के लिए ओआईसी के दुरुपयोग का उदाहरण है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान जारी करके कहा कि भारत ओआईसी परिषद की बैठक में अनुचित और तथ्यात्मक रूप से गलत संदर्भों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। आतंकवाद को राजतंत्र में बदलने वाले पाकिस्तान प्रायोजित यह बयान संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्य के लिए ओआईसी मंच के निरंतर दुरुपयोग को दर्शाता है। विदेश मंत्रालय ने ओआईसी को आईना दिखाते हुए कहा कि पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद के वास्तविक खतरे को स्वीकार करने में ओआईसी बार-बार विफल रहा है। हाल ही में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में जघन्य आतंकी हमले में प्रमाणित विफलता दर्शाती है कि तथ्यों के प्रति जानबूझकर उपेक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर वैश्विक सहमति को कमजोर किया जा रहा है। भारत ने कहा कि ओआईसी को जम्मू-कश्मीर सहित भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है जो भारत के अभिन्न और संप्रभु हिस्से से संबंधित हैं। एक तथ्य जो भारतीय संविधान में निहित है और अपरिवर्तनीय रूप से सुलझा हुआ है। बयान में कहा गया कि ओआईसी को पाकिस्तान को उसके दुष्प्रचार के एजेंडे को जबरन लागू करने देने और उसका राजनीतिकरण करने की अनुमति देने के खतरों पर गहराई से विचार करना चाहिए। इस तरह का कोई भी अन्य बयान केवल ओआईसी की विश्वसनीयता और प्रासंगिकता को कमजोर कर सकता है।बयान में कहा गया कि ओआईसी की बैठक में पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियां शासन की विफलता के अलावा राज्य प्रायोजित आतंकवाद, अल्पसंख्यक उत्पीड़न और सांप्रदायिक हिंसा के अपने भयावह रिकॉर्ड से अंतर्राष्ट्रीय ध्यान हटाने के एक हताश प्रयास से ज्यादा कुछ नहीं हैं।

भारत को भावुक आदर्शवाद छोड़ आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए: धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली ।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वैश्विक बहुपक्षवाद के सतत पतन के बीच आज नसीहत दी कि भारत को कूटनीतिक जगत में भावुक आदर्शवाद छोड़कर आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। श्री धनखड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राम माधव की पुस्तक न्यू वर्ल्ड- 21 सेंचुरी ग्लोबल आर्डर इन इंडिया के विमोचन के अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तक के शब्दों में सावरकर की छवि स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। सावरकर, तमाम अतिशयोक्तिपूर्ण और निराधार आरोपों के बावजूद एक सम्मानित चिंतक के रूप में सामने आते हैं, जो युद्धोत्तर व्यवस्था की प्रारंभिक घड़ी में खड़े थे। सावरकर एक कट्टर यथार्थवादी थे, जिन्होंने यह भविष्यवाणी की थी कि राष्ट्र केवल अपने हितों की पूर्ति के लिए कार्य करेंगे, न कि आदर्शवाद, नैतिकता या अंतरराष्ट्रीय एकता के आधार पर।श्री धनखड़ ने कहा, सोचिए, वह कितने दूरदर्शी थे। पिछले पखवाड़े, पिछले तीन महीनों में जो कुछ हुआ, वह हम

सबने देखा है। उन्होंने शांतिवादी या काल्पनिक अंतरराष्ट्रीयतावाद को नकारते हुए यह बल दिया था कि भारत को अपनी संप्रभुता को ताकत से सुरक्षित रखना चाहिए, न कि राष्ट्र संघ या बाद में संयुक्त राष्ट्र जैसी पश्चिम प्रधान संस्थाओं पर निर्भर होकर, जिन्होंने मानवता के छठवें हिस्से को कभी उसका उचित स्थान नहीं दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा, आज भारत को सशक्त बनाना सरकार का संचालन सिद्धांत और अडिग संकल्प है। यह अडिग है, दृढ़ है, और आलोचकों की परवाह किए बिना, यह रीढ़ की तरह मजबूत है। देश ने पहले कभी भी इतनी दृढ़ता से अपना पक्ष नहीं रखा। हमें इस बात से भ्रमित नहीं होना चाहिए कि किसने क्या कहा। सरकार, भारत और उसके लोग देश के साथ दृढ़ता से खड़े हैं। राष्ट्र सर्वोपरि और यही हमारा राष्ट्रवाद है... जो लोग तात्कालिक परिस्थितियों के अनुसार रुख अपनाते हैं, वे भारत की मानसिकता और धारा में नहीं हैं। जब हम आंतरिक रूप से मजबूत बनेंगे, तभी हम अपनी रणनीतिक स्थिति को बाहरी रूप से आकार दे सकेंगे।उन्होंने कहा,लेखक डॉ. राम माधव की पीड़ा से मैं पूर्णतः सहमत हूं। वे वैश्विक बहुपक्षवाद के लगातार पतन की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं और भारत को भावुक आदर्शवाद त्यागकर आर्थिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देते हैं। राष्ट्र की रणनीतिक सोच की जड़ों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, अमेरिकी विचारक जॉर्ज टन्हैम ने तीन दशक पहले यह विचार रखा था कि भारत में उसकी हिंदू दार्शनिक जड़ों के कारण रणनीतिक सोच का अभाव है।

भारत की विदेश नीति सही दिशा में आगे बढ़ रही, बुद्ध की धरती से युद्ध का संदेश कभी नहीं गया : मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के ईरान के समर्थन में लिखे गए लेख पर कहा कि बुद्ध की धरती से युद्ध का संदेश कभी नहीं गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति सही दिशा में आगे बढ़ रही है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने समाचार एजेंसी बातचीत में कहा, वैश्विक संकट और उथल-पुथल के इस समय में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति सही दिशा में आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने बार-बार कहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है, वास्तव में युद्ध स्वयं एक समस्या बन जाता है। बुद्ध की धरती से युद्ध का संदेश कभी नहीं गया है, भारत के हित और सुरक्षा सर्वोपरि है। राष्ट्रीय सुरक्षा हमेशा भारत के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और इस दिशा में भारत की विदेश नीति निस्संदेह सही और रचनात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया है कि कुछ लोग इस पर बयानबाजी और लेखबाजी कर रहे हैं। देश इस तरह से हड़बड़ी में गड़बड़ी से नहीं चलता है। उन्होंने दोहराया कि देश मजबूती के साथ कूटनीतिक माध्यम से आगे बढ़ रहा है। पाकिस्तान ने ईरान पर अमेरिकी हमले की निंदा की। इस पर नकवी ने कहा, पाकिस्तान एक ऐसा देश बन गया है, जहां न तो कोई स्पष्ट नीति बची है, न ही कोई सुसंगत सोच। जो देश आतंकवाद का केंद्र और उद्योग बन गया है, ऐसे देश से तर्कसंगत सोच की उम्मीद कैसे की जा सकती है? उसकी मानसिकता ही आतंकवाद से भरी हुई है। पाकिस्तान की सोच में आतंकवाद और विघटन भरा हुआ है। भारत ने इस बात को महसूस किया है और दुनिया को बताता रहा है कि पाकिस्तान आतंक की फैक्ट्री बनी है, जो दुनिया के लिए चुनौती है। आपातकाल की 50वीं बरसी को भाजपा काला दिवस के रूप में मनाती है। इसे लेकर विपक्ष कई तरह के सवाल खड़े करने लगा है। इस पर भाजपा नेता ने कहा, स्वतंत्रता कांग्रेस की ओर से दिया गया उपकार नहीं था, यह क्रांतिकारियों के बलिदान का परिणाम था। सदियों से हमारे राष्ट्रीय नायकों ने स्वतंत्रता प्राप्त करने और इस देश में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है।

आज का इतिहास

- 1153: मेलकॉलम चतुर्थ स्कॉटलैंड के राजा बने।
- 1199 : हेनरी II के पुत्र जॉन की इंग्लैंड के राजा के रूप में ताजपोशी।
- 1332 : प्रसिद्ध इतिहासकार इब्ने खलदून का जन्म।
- 1805 : नेपोलियन बोनापार्ट इटली के सम्राट बने।
- 1894 : प्रख्यात आलोचक और निबंधकार पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का जन्म।
- 1919 : तेलुगू के प्रसिद्ध विद्वान कंदुकूरी वीरेशलिंगम का निधन।
- 1926 : लेबनान ने संविधान को अंगीकार किया।
- 1928: प्रसिद्ध इतिहासकार बिपिन चन्द्र का जन्म।
- 1935 : डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पत्नी रमाबाई अम्बेडकर का निधन ।
- 1957 : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी का जन्म।
- 1962 : प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी एवं कमेंटेटर रवि शास्त्री का जन्म।

फुटवियर्स के साथ सजाएं अपना वॉर्डरोब

ज्यादातर महिलाओं के अच्छे दोस्त उनके गहने होते हैं, लेकिन फुटवियर्स भी उनके अच्छे दोस्तों में से एक होते हैं। उन्हें अपने फुटवियर्स से इतना प्यार होता है कि उनकी महीने की आधी सैलेरी जूतों पर चली जाती हैं। घर से बाहर निकलने से पहले वो जब भी नए फुटवियर्स पहनती हैं तो, वो शीशे के सामने आधा घंटे खड़ी होती हैं। यहां बड़ा सवाल ये उठता हैं क्या महिलाओं के लिए फुटवियर्स इतने जरूरी हैं ? खैर ये सवाल आप उनसे पूछ मत बैठिएगा..! हमने कई महिलाओं को देखा हैं जो हमेशा फुटवियर्स को लेकर असमंजस में रहती हैं। उनका चिंता का विषय ये होता हैं कि वो ऐसे कौन से फुटवियर्स खरीद लें, ताकि उनकी वॉर्डरोब कम्प्लीट हो जाए।

ब्लैक पंप्स

ये हिल्स आपके पास होना बेहद जरूरी है, ये आपको क्लासी और सेक्सी लुक देती हैं। इसकी खासियत है कि ये कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होती और पहनने में आरामदायक होते हैं। इसलिए आप इसे पार्टी में आसानी से कैरी कर सकती हैं, ये कैजुअल और फॉर्मल दोनों लुक देती हैं।

ये 5 फुटवियर है ट्रेंडी और कम्फर्टेबल

फैशन की दुनिया में कितने भी ट्रेंड बदले, लेकिन आपको अपने आराम से समझौता नहीं करना चाहिए। कहा जाता है कि आपके पैरों में पहने फुटवियर के आधार पर आपका टेस्ट परखा जाता है। जो कामकाजी लोग होते हैं, उनके लिए आरामदायक फुटवियर बेहद जरूरी होते हैं, क्योंकि वो भाग दौड़ कर बस या टैक्सी करके ऑफिस जाते हैं। ऐसे में आप ट्रेंड के आधार पर फुटवियर नहीं खरीद सकते हैं। इस बात में भी कोई दोराय नहीं है कि आपकी शू रैक कई सारे फुटवियर से भरी रहती है, जिसमें से आप ज्यादातर फुटवियर छुते तक नहीं है और ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ज्यादातर फुटवियर में आप कम्फर्टेबल महसूस नहीं करते हैं। कोई फुटवियर आपके पैरों को काटते हैं या तो किसी फुटवियर को पहनने से आपके पैर दर्द करते हैं। इसलिए आपको फुटवियर खरीदते समय कुछ टिप्स का ध्यान रखना चाहिए, साथ ही साथ ट्रेंड का भी। आप सोच रहे होंगे कि ट्रेंड और आराम एक साथ कैसे फुटवियर में मिल सकता है, लेकिन आज हम आपको ऐसे फुटवियर के बारे में बताएंगे जो ट्रेंडी और कम्फर्टेबल दोनों हैं-

फुटवियर की चौड़ाई पर ध्यान दें

कुछ भी हो फुटवियर की चौड़ाई मायने रखती है। अगर उनकी चौड़ाई कम हुई तो आपकी उंगलियां दब जाएंगी, जिसकी वजह से आप कम्फर्टेबल नहीं रहेंगे। अगर आप कम चौड़ाई में जबरदस्ती अपना पैर डालकर चलने की कोशिश करेंगी तो आपको हैमरटोज जैसी समस्या हो सकती है तो अगली बार फुटवियर शॉपिंग करते वक्त हमेशा चौड़ाई का ध्यान रखें।

लिखा हुआ साइज हमेशा सही नहीं होता

फुटवियर पर लिखा हुआ साइज जरूरी नहीं कि आपको आ जाए। हर डिजाइनर शूज बनाते वक्त अलग मॉडल का इस्तेमाल करता है। इसलिए जो साइज आपको आता है, वो शूज पर लिखा है तो बिना ट्राय करे खरीदना नहीं चाहिए। उसी साइज का फुटवियर पहने जो आपको फिट आता हो, बिना नंबर की परवाह करते हुए।

दिन के आखिर में आपको फुटवियर खरीदना चाहिए

विशेषज्ञों की मानें तो जब आप चल चुके हो तब ही फुटवियर की शॉपिंग करें। तब आपके पैर थोड़े सूज चुके होते हैं और पसीने से लथ-पथ होते हैं। तब सबसे अच्छा समय होता है, ये जानने के लिए कि वो फुटवियर आपको कम्फर्टेबल है या नहीं.. इसलिए स्टोर में शूज को ट्राय करें, चल के देखें और फिर फुटवियर खरीदें।

हील्स पर जरूर ध्यान दें

कई विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप कम्फर्टेबल रहना चाहते हैं तो बिना हील्स वाली फुटवियर लें, लेकिन ऐसी कई महिलाएं हैं जो हील्स में भी आराम महसूस करती हैं, लेकिन इसके लिए ये जानना बेहद जरूरी है कि आपको पता होना चाहिए कि कौन सी हील्स आपके लिए बेहतर रहेगी। अगर आपको दिनभर में ज्यादा चलना होता है तो आपको मीडियम हाइट की वेजिस लेनी चाहिए। अगर आपको कम चलना होता है तो आप स्टेलेटोज ले सकती हैं।

ज्यादा फ्लैट फुटवियर से बचें

स्नीकर्स और बैलेट फ्लैट्स महिलाएं ज्यादा पसंद करती हैं, लेकिन आपको इतनी फ्लैट्स वाली फुटवियर से बचना चाहिए। ऐसी फुटवियर में दिन के अंत में आपकी एड़िया दर्द करती है। आपको फ्लैट्स में ऐसी फुटवियर लेनी चाहिए, जिसमें अंदर सोल लगा हुआ हो, जो आपकी एड़ियों को सहारा दे। इसके अलावा भी ले सकते हैं वो थोड़े महंगे होते हैं लेकिन वो काफी समय तक चलते है।

तो आपको कभी भी ट्रेंड के लिए अपने आराम का त्याग करने की जरूरत नहीं है। इसलिए अगर आप इस टिप्स को ध्यान में रखेंगे तो आप स्टाइलिश के साथ कम्फर्टेबल महसूस करेंगे।

बूट्स

आप कलर्ड बूट्स पहनकर कैजुअल लुक को फलॉन्ट कर सकती हैं। इनमें हर साइज की हील्स होती हैं, आप अपने हिसाब से खरीद सकती हैं। ये बूट्स आपको स्टाइल स्टेटमेंट देने में मदद करता हैं।

बैलिट फलैट्स

इसे आप स्किन टाइट जींस के साथ पहन सकती हैं और ये चलने में भी आरामदायक होती हैं। सिर्फ यही नहीं ये वर्किंग महिलाओं के लिए सबसे अच्छा साथी होता हैं।

ग्लेडियेटर्स

ये भी उन हील्स में से एक हैं जो कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होती हैं। अगर आपको अपने ऊपर प्रयोग करना पसंद हैं तो आप इसे ट्राय कर सकती हैं। इसे आप किसी शॉर्ट और डेनिम के साथ पहन सकती हैं।

स्नीकर्स

आजकल इनका बहुत चलन है और ये हर महिला की वॉर्डरोब में शामिल भी होती हैं। ये हल्की और आरामदायक होती हैं, इसे पहनकर आप ट्रिप पर या शॉपिंग करने जा सकती हैं

वैजिस

ये फुटवियर्स सबसे ज्यादा क्लासी और आरामदायक होती हैं। अन्य हील्स बेशक आपके पैरों या कमर में दर्द कर सकती हैं, लेकिन ये उनमें से नहीं हैं।

किटन हील्स

अगर आपके वॉर्डरोब में ये फुटवियर्स नहीं हैं तो आपको अपने कलेक्शन को बढ़ाने की जरूरत हैं। ये आमतौर पर चमड़े की बनी होती हैं, जिसकी वजह से ये क्लासी और लंबे समय तक चलती हैं।

मेटलिक हील्स

आप अपने ग्लिटरी लुक को हाइलाइट करने के लिए इसे पहन सकते हैं। ये पहनने में कम्फर्टेबल होती हैं और ये आपके पार्टी लुक को बढ़ाती हैं।

ऐनीमल प्रिंट वाले जूते

कौन कहता हैं आपको अपनी बॉडी पर एनिमल लुक के लिए एनिमल को मारना पड़ेगा। आप हील्स पर एनीमल प्रिंट का आनंद ले सकते हैं।

फ्लैट

आजकल हर किसी को हर समय हील्स पहनना पसंद नहीं होता हैं। कभी-कभी आप हिल्स से ब्रेक लेकर फ्लैट भी ट्राय कर सकती हैं। फ्लैट्स कितनी कम्फर्टेबल होती हैं ये हमें पता हैं, इसलिए आप इसे किसी कैजुअल कपड़ों के साथ पहन सकते हैं।

फ्लिप-फ्लॉप

आप इस कैजुअल पीस को पहनकर भी स्मार्ट लग सकती हैं और ये कितनी आरामदायक होती हैं ये तो आपको पता ही होगा।

अपने पुराने फुटवियर को दें नया लुक

हर कोई अपने लुक में निखार लाने के लिए स्टाइलिश आऊटफिट के साथ फुटवियर्स का चुनाव भी फैशन के हिसाब से ही करता है और उसकी यही चाहत होती है कि उसके द्वारा पसंद किए गए फुटवियर काफी लंबे समय तक सही चलें और उनकी चमक भी बनी रहे, लेकिन समय के साथ फुटवियर की चमक जल्द ही साथ देना छोड़ देती है। जिससे दोबारा हमें नए जूते खरीदने पड़ते है। पर यदि आप थोड़ी सी मेहनत करेंगे तो आप अपने पुराने फुटवियर में नई जान ला सकती है। आज हम आपको फुटवियर में नई चमक लाने के ऐसे उपाय बताएंगे, जिससे आप घर पर ही रहकर कम कीमत के साथ पुराने फुटवियर को नया लुक प्रदान कर सकती हैं और वह भी अपनी पसंद के अनुसार उन्हें और ज्यादा स्टाइलिश भी बना सकती हैं। हमारे द्वारा बताए जाने वाले ट्रिक्स सामान्य चप्पलों से लेकर हील वाली सेंडिल्स तक पर आजमाकर आप उन्हें नया स्टाइलिश लुक प्रदान कर सकती हैं।

सामान्य फुटवियर

यदि आपके फुटवियर सामान्य हैं तो इसे खूबसूरत बनाने के लिए आप घर पर रखी मोतियों या बाजार में मिलने वाले फैब्रिक कपड़े से इनको काफी अच्छा लुक प्रदान कर सकती हैं। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस अपनी पसंद के मोतियों और बने बनाए फ्लावर को फुटवियर में चिपकाते जाएं, बस फिर देखिए कितना अच्छा लुक देखने को मिलेगा। चप्पल चाहे वो प्लास्टिक की हो या लेदर की या फिर कपड़ों से बनी हुई सभी को आप घर रखें फालतू सामान से सजा कर नई डिजाइन में तैयार कर खूबसूरत बना सकती है।

हील्स को बनाएं ग्लैमरस

हील्स सेडिल्स का लुक तो अपने आप में ही सुंदर लगता है पर लगातार पहनते रहने से ये काफी घिस जाती हैं, जिससे इनकी चमक खो जाती है, इन हिल्स में फिर नई चमक लाने आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है, बाजार में आपको हील कंडोम्स नई-नई डिजाइनों के साथ मिलेंगे। यह दिखने में काफी खूबसूरत होते हैं। इनकी मदद से आप सेंडिल्स की खूबसूरती को निखार सकती हैं। सेंडिल्स के लुक को आप अपने कपड़ो के अनुसार भी चयनित कर सकती हैं। ये हील कंडोम्स जितने ज्यादा दिखने में खूबसूरत लगते हैं उतने ही अच्छे यह आपकी सेडिल्स में लगने के बाद लगते है।

पुरानी सैंडल्स को यूं बनाए स्टाइलिश

अक्सर देखा जाता है कि जूते हो या चप्पल जब हम लगातार इसका उपयोग करते रहते हैं तो इसका लेदर झड़कर गिरने लगता है और इसकी लास्टिक भी कमजोर पड़ जाती है। इस परेशानी को दूर करने के लिए आप घर बैठे ही इसका इलाज कर चप्पलों की खूबसूरती बढ़ाने के साथ उनमें एक नई जान डाल सकती हैं। इसके लिए आप चमकदार कलरदार धागों की मदद इसे सिलते जाए। नए-नए फेब्रिक कपड़ों की मदद से लास्टिक की जगह पर इनका उपयोग करके इन्हें और अधिक खूबसूरत बना सकती है।

बैलेरिनास को कुछ ऐसे बनाएं मजेदार

आप अपनी बैलेरिनास को कई कलर्स की मदद से काफी अच्छा लुक प्रदान कर सकती है। इसके लिए कलरदार ऊन को एकत्रित करके उसे आपसे में जोड़कर काट लें और छोटे-छोटे गुच्छेदार बनाकर उसको मोती के साथ मिलाकर सिल कर रखते जाए, फिर इन्हें एक-एक कर अपनी वेली या चप्पलों में चिपका लें, फिर देखिए इसकी खूबसूरती कितनी अधिक बढ़ जाती है। इसे आप अपने पंसद के अनुसार अलग-अलग रंगों के धागों या मोती की मदद से कई तरह की सुंदर लुक प्रदान करके सेडिल्स या चप्पलों को स्टाइलिश बनाकर इनमें नई जान प्रदान कर सकती है।

स्नीकर्स में दें ट्विस्ट

अपने पुराने और बोरिंग स्नीकर्स में कुछ नया लुक देना चाहती हैं तो इसके लिए आप मटैलिक स्टड्स की सहायता से बड़ी ही आसानी के साथ अपने स्नीकर्स को बना सकती हैं स्टाइलिश और फैशनेबल। इसके लिए आप सुंदर डिजाइन की लेस को लेकर या मल्टी कलर्स के रिबन के साथ इन्हें काटकर आप अपनी सेडिल्स में अच्छी तरह से चिपका लें। इसके बाद इसमें और अधिक खूबसूरती लाने के लिए रिबन के बीच में कोई बड़ा सा स्टोन लगा लें फिर देखिए आपकी पुरानी सेडिल्स में एक नई जान आ जाएगी।

महिलाओं के पास होने चाहिए ये 3 फुटवियर्स

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती है। इसके लिए वह जितना ध्यान अपनी ड्रेस पर देती है, उतना ही ध्यान अपने शूज पर भी देती है। आपके पास चाहे जितने भी तरह के फुटवियर्स हो, लेकिन हम यहां आपको 3 ऐसे स्टाइलिश फुटवियर्स के बारे में बता रहे हैं, जो हर महिला के पास होने चाहिए। अगर यह 3 अलग स्टाइल के फुटवियर्स आपके पास होंगे, तो आप हर मौके पर काफी स्टाइलिश और आकर्षक नजर आएंगी

ट्रेंडी और फंकी स्टेलेटोज

भले ही स्टेलेटोज पहनने में आपको कभी-कभी काफी दिक्कत आती है और हाई हील्स के कारण पैरों में दर्द भी होता होगा, लेकिन अगर आपको सेक्सी और स्टाइलिश दिखना है तो आपके पास स्टेलेटोज शूज जरूर होने चाहिए। हील्स में न सिर्फ लंबी लड़कियां बल्कि छोटे कद की लड़कियां भी काफी आकर्षक लगती हैं। लड़कों को हाई हील्स में लड़कियां काफी अच्छी लगती हैं, आप इतनी खूबसूरत लगेंगी कि लड़के आपकी तरफ खींचे चले आएंगे। इतना ही नहीं किसी पार्टी के लिए स्टेलेटोज बिलकुल परफेक्ट हैं। इन्हें पहनने से आपकी टांगें काफी खूबसूरत दिखेंगी, साथ ही आपका पूरा बॉडी शेप काफी सुडौल लगेगा। इन्हें पहनकर आप पार्टी में काफी हॉट लगेंगी। आप चाहें तो इन्हें एक एलिगेंट पार्टी ड्रेस और खूबसूरत ज्वेलरी के साथ पहन सकती हैं।

स्टाइलिश पम्प शूज

आप चाहें छोटी या बड़ी हील्स के पंप शूज पहनें। इनमें आप काफी अच्छी लगेंगी। साथ यह आपको एक नया और आकर्षक लुक भी देगा। आप चाहें तो ओपन टोज या स्लिंग बैक्स पंप भी पहन सकती हैं। इतना ही नहीं इन्हें आप अपने ऑफिस में भी पहन सकती हैं। अगर आपके दोस्त अचानक ही कहीं बाहर जाने की प्लैनिंग करते हैं तो आप इन्हें पहन सकती हैं। आप चाहें तो इस स्मार्ट और स्टाइलिश लुक में नाइट आउट पर भी जा सकती हैं। इसलिए अपने लिए पंप शूज चुनते वक्त अपने कम्फर्ट का भी पूरा ध्यान रखें।

कंफर्टेबल स्मार्ट शूज

भले ही आप हील्स में कितनी भी स्टाइलिश और सेक्सी लगें, लेकिन आप इनमें कम्फर्टेबल महसूस नहीं करती। इसलिए अगर आपको ज्यादा चलना हो तो कम्फर्टेबल शूज को चुनें। आप चाहें को आरामदायक स्नीकर्स या फ्लिप फ्लॉप सैंडल्स को भी अपने लिए चुन सकती हैं। इस तरह की कम्फर्टेबल फुट वियर्स में भी आप स्टाइलिश और सेक्सी लग सकती हैं।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने चिली की कोडेल्को टीम का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। चिली की सरकारी स्वामित्व वाली तांबे की खनन कंपनी कॉर्पोरसियोन नैशनल डेल कोबरे (कोडेल्को) का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार सुबह नई दिल्ली पहुंचा है। चिली के खनन विशेषज्ञों की यह टीम अगले तीन हफ्ते भारत में रहकर हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) की विभिन्न इकाइयों का दौरा करेगी। कोडेल्को के खनन विशेषज्ञों में एंजेलो जियोवानी ग्यूसेप एगुइलर कैटलानो-भूविज्ञान और अन्वेषण, जोस रामोम अबाटे पेरेज -नवाचार और प्रौद्योगिकी, कार्लोस एबेलार्डो विल्चेस डोनोसो-टेलिंग प्रबंधन, जॉर्ज लुइस एस्पिंडोला लांडा-जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग तथा सर्जियो जोनाथन पिचोट हेरिकेज-जियोमेटालर्जी शामिल हैं। एचसीएल के मुताबिक इनकी तीन हफ्ते की यात्रा का उद्देश्य ज्ञान साझा करना और मूल्य संवर्धन के अवसरों का पता लगाना है। खान मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री नरे-?द्र मोदी और चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट की मौजूदगी में 01, अप्रैल को एचसीएल और कोडेल्को के बीच आदान-प्रदान किए गए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद यह पहल की गई है।

इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज का आईपीओ 26 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 105-111 रुपये प्रति शेयर

मुंबई। फसल सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनी इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 26 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 105-111 रुपये प्रति शेयर तय किया है इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड ने सोमवार को आईपीओ प्रेस वर्चुअल मीट में बताया कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 105-111 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने कहा कि ये आईपीओ 26 जून को खुलेगा और 30 जून को बंद होगा। इसमें निवेश करने के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 25 जून को बोली लगा पाएंगे। यह कंपनी का पहला आईपीओ है। इंडोगल्फ क्रॉपसाइंसेज लिमिटेड के इस आईपीओ में 160 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने तथा ओम प्रकाश अग्रवाल (एचयूएफ) के 15,40,960 इक्विटी शेयरों और संजय अग्रवाल (एचयूएफ) द्वारा 20,62,643 इक्विटी शेयरों यानी कुल 36.03 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश का मिश्रण है। निवेशक इसके लिए न्यूनतम 135 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 135 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। सिस्टमैटिक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर है और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है।

मध्य-पूर्व में तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट,

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने की उम्मीद के चलते वैश्विक कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों में सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष कम होने की खबरों ने बाजार को राहत दी है, जिसका सीधा असर तेल की कीमतों पर पड़ा है। इस गिरावट से भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं और विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के शेयरों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद बाजार में सकारात्मकता देखी गई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इजरायल और ईरान युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। हालांकि ईरान ने बाद में इस दावे को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची के उस बयान ने बाजार को थोड़ी राहत दी कि अगर इजरायल सुबह 4 बजे तक हमला बंद कर देता है, तो ईरान आगे जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। इस बयान को तनाव कम करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा गया, जिसके परिणामस्वरूप क्रूड ऑयल की कीमतें नीचे आईं। बेंचमार्क अमेरिकी कच्चे तेल की कीमतें 7त्न से अधिक गिरकर ,68 प्रति बैरल के आसपास आ गईं, जो संघर्ष शुरू होने से पहले के स्तर के करीब है।

ईपीटीए ने सरकार से की आईएसटीएस छूट पर लचीलापन बरतने की अपील

नई दिल्ली। भारत के पारेषण क्षेत्र की शीर्ष संस्था इलेक्ट्रिक पावर ट्रांसमिशन एसोसिएशन (ईपीटीए) ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह अंतर्राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) छूट को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना पर पुनर्विचार करे। ईपीटीए ने सुझाव दिया है कि देश के 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा लक्ष्य को देखते हुए सरकार को ज़मीन पर प्रगति कर रहे प्रोजेक्ट्स को राहत देने के लिए माइलस्टोन आधारित मोहलत प्रणाली अपनानी चाहिए। ईपीटीए के महानिदेशक जीपी उपाध्याय ने कहा, हम सरकार से पूरी छूट की मांग नहीं कर रहे हैं बल्कि सिर्फ़ यह कह रहे हैं कि जिन परियोजनाओं ने वित्तीय क्लोजर, जमीन अधिग्रहण और उपकरणों की खरीद जैसे अहम पड़ाव पार कर लिए हैं।

एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज का आईपीओ खुला, 26 जून तक कर सकेंगे निवेश

एजेंसी

मुंबई। औद्योगिक एवं चिकित्सा गैस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए मंगलवार को खुल गया। निवेशक 26 जून तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 380-400 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के शेयर 1 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। कंपनी इस आईपीओ के जरिए टोटल 852.53 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। कंपनी इस इश्यू में 452.53 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर्स जारी करेगी। इसके साथ ही कंपनी के मौजूदा निवेशक या प्रमोटर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 400 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे, जिसमें पद्म कुमार अग्रवाल द्वारा

56,56,565 इक्विटी शेयर और वरुण अग्रवाल द्वारा 56,56,565 इक्विटी शेयर की बिक्री की जाएगी। इसमें निवेश करने के लिए कम से कम 37 शेयरों का एक लॉट खरीदना जरूरी होगा। एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड का यह प्रस्ताव बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध प्रस्ताव का 50 फीसदी हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों को और 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों को तथा 35 फीसदी से कम हिस्सा खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाताओं को आवंटित करने के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी इस नए इश?यू से प्राप?त 210 करोड़ रुपये की धनराशि का उपयोग एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान, पूर्व भुगतान के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि 1973 में स्थापित एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेस लिमिटेड (ईआईजीएल) कंपनी औद्योगिक, चिकित्सा और विशेष गैसों का एक प्रमुख भारतीय निर्माता तथा आपूर्तिकर्ता भी है। ये भारत में सबसे पुरानी संचालित औद्योगिक गैस कंपनियों में से एक है। ये कंपनी ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड, एसिटिलीन, नाइट्रोजन, हीलियम, हाइड्रोजन, आर्गन और नाइट्रस ऑक्साइड सहित औद्योगिक गैसों का निर्माण और आपूर्ति करती है।

केंद्र ने एकीकृत पेंशन योजना चुनने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पात्र मौजूदा कर्मचारियों, पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों और दिवंगत पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कानूनी रूप से विवाहित जीवन साथियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) का विकल्प चुनने की अंतिम तिथि तीन महीने बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी है।वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह निर्णय विभिन्न हितधारकों से प्राप्त अभ्यावेदन के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें कट-ऑफ तिथि को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक इस ढांचे को क्रियान्वित करने के लिए पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने 19 मार्च को एनपीएस के तहत एकीकृत पेंशन योजना का क्रियान्वयन विनियम, 2025 को अधिसूचित किया। इस योजना के तहत अपना विकल्प चुनने के लिए तीन महीने यानी 30 जून तक की अवधि दी गई थीअब मंत्रालय ने कहा कि कट-ऑफ तिथि को आगे बढ़ाने के अनुरोध पर यूपीएस का विकल्प चुनने की कट-ऑफ तिथि को तीन महीने यानी 30 सितंबर तक बढ़ाने का फैसला किया है।

सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट का सिलसिला आज भी जारी है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,680 रुपये से लेकर 1,00,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,290 रुपये से लेकर 92,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के भाव में गिरावट आने के बावजूद चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की

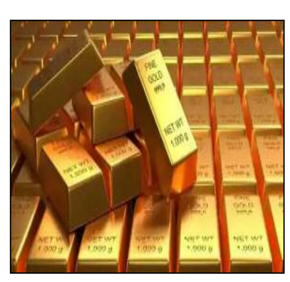

रिटेल कीमत 1,00,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एसईसीआई ने उर्वरक क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने को 724,000 टन ग्रीन अमोनिया के लिए टेंडर जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। टिकाऊ और आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के तहत एक 'नवरत्न' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) ने ग्रीन अमोनिया के उठाव के लिए एक ऐतिहासिक निविदा जारी की है। इसका उद्देश्य भारत के उर्वरक क्षेत्र को कार्बन मुक्त करना है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि एसईसीआई ने 13 उर्वरक संयंत्रों के लिए सालाना 724,000 टन ग्रीन अमोनिया खरीदने के लिए एक ऐतिहासिक निविदा जारी की है। इसका उद्देश्य उत्सर्जन में कमी लाना और आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करना है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन (एसआईजीएचटी) योजना के तहत 7 जून को जारी यह निविदा, कृषि में स्वच्छ विकल्पों की ओर भारत के कदम की दिशा में एक

अहम कदम है। इसके लिए बोली जमा करने की अंतिम तिथि 26 जून, 2025 है। एसईसीआई के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में संतोष कुमार सारंगी के शामिल होने के बाद इस ऐतिहासिक पहल को शुरू किया गया। इसका उद्देश्य भारत के महत्वपूर्ण उर्वरक क्षेत्र को कार्बन मुक्त करना और देश को 2070 तक अपने शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य की ओर ले जाना है। केंद्र सरकार ने निवेश आकर्षित करने और वाणिज्यिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए पहले वर्ष में 8.82 रुपये प्रति किलोग्राम, दूसरे वर्ष में 7.06 रुपये प्रति किलोग्राम और तीसरे वर्ष में 5.30 रुपये प्रति किलोग्राम उत्पादन-संबंधी प्रोत्साहन दे रही है, जिससे कुल समर्थन 1,533.4 करोड़ रुपये होगा। यह पहल शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो विकसित होने के साथ-साथ एक स्थायी और आत्मनिर्भर विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

एसएंडपी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर किया 6.5 फीसदी

एजेंसी

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.5 फीसदी कर दिया है। रेटिंग्स एजेंसी ने आज जारी एशिया प्रशांत आर्थिक परिदृश्य में सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतों और मौद्रिक नरमी को ध्यान में रखते हुए विकास दर के अनुमान में ये इजाफा किया है। हालांकि, एसएंडपी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की भी आशंका जताई है। एसएंडपी ने पिछले महीने वैश्विक अनिश्चितताओं और अमेरिकी टैरिफ झटकों का हवाला देते हुए चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 20 आधार अंकों (0.20 फीसदी)

घटाकर 6.3 फीसदी कर दिया था। एजेंसी ने जारी अपने ताजा अनुमान में कहा कि अगर पश्चिम एशिया में संघर्ष लंबा खिंचा तो इससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं जिसका एशिया प्रशांत महासागर क्षेत्र के आर्थिक विकास पर असर होगा। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए 90 फीसदी आयात पर निर्भर है और अपनी प्राकृतिक गैस का लगभग आधा हिस्सा विदेशों से खरीदता है। एसएंडपी ने कहा कि घरेलू मांग में लचीलापन, भारत जैसी वस्तुओं के निर्यात से कम जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक मंदी को सीमित करने में विशेष रूप से प्रासंगिक है। एसएंडपी ने कहा कि हमें लगता है कि 31 मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित?त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहेगी। इस पूर्वानुमान में सामान्य मानसून, कच्चे तेल की कम कीमतें, आयकर में छूट और मौद्रिक सहजता को शामिल किया गया है। भारत के लिए एसएंडपी का विकास दर का ताजा अनुमान रिजर्व बैंक आफ इंडिया द्वारा इस महीने की शुरुआत में जताए गए 6.5 फीसदी के अनुमान के अनुरूप है।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने नोएडा में खोला 400वां शोरूम

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े ज्वैलरी खुदरा विक्रेताओं में से एक मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने सोमवार को नोएडा के सेक्टर-18 में अपने 400वें शोरूम की शुरुआत की है। ब्रांड ने वर्तमान में 63 हजार करोड़ रुपये के कारोबार और 13 देशों में उपस्थिति के साथ राजस्व में तेजी से वृद्धि करके 78 हजार करोड़ रुपये तक कारोबार पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मालाबार समूह के चेयरमैन एमपी अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि नोएडा में अपने 400वें शोरूम के उद्घाटन पर हमें बेहद खुशी है। यह उपलब्धि हमारी विकास महत्वाकांक्षाओं का प्रमाण है और भारत और दुनिया भर में हमारे लगातार बढ़ते कदमों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि हम नंबर 1 वैश्विक आभूषण रिटेलर बन सकें। उन?होंने बताया कि उनकी योजना अपने वैश्विक कार्यबल को लगभग 27,250 प्रबंधन टीम सदस्यों तक विस्तारित करने की है, जिससे दुनिया के सबसे भरोसेमंद और जिम्मेदार आभूषण ब्रांडों की स्थिति और मजबूत होगी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 15 देशों और भारत के 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करते हुए 60 शोरूम खोलने की योजना है। कंपनी के प्रबंध निदेशक (भारतीय परिचालन) अशर ओ. ने कहा कि मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स पूरे भारत में तेज़ी से प्रगति कर रहा है, जो हमारे लिए सबसे बड़ा बाजार और अवसर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इस विकास की गति को बनाए रखने के लिए स्पष्ट योजनाएं हैं। हम मौजूदा और नए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करेंगे। अशर ओ. ने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंत तक 22 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच बना लेंगे।

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का 12,500 करोड़ का आईपीओ 25 जून से खुलेगा

एजेंसी

जयपुर। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) 2025 को खुलेगा और शुक्रवार, 27 जून 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोलियां मंगलवार, 24 जून को आमंत्रित की जाएंगी। आईपीओ का मूल्य बैंड 700 रुपये से 740 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपये है। फ्लोर प्राइस शेयर के फेस वैल्यू का 70 गुना और कैप प्राइस 74 गुना है। निवेशक कम से कम 20 इक्विटी शेयर और उसके बाद 20 के गुणकों में बोली लगा सकेंगे। आईपीओ का कुल आकार 12,500 करोड़ रुपये का है, जिसमें 2,500 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 10,000 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। ऑफर फॉर सेल के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड अपने 10,000 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर बाजार में बेचेगा। कंपनी फ्रेश इश्यू से प्राप्त पूंजी का उपयोग टियर-1 कैपिटल बेस को मजबूत करने, भविष्य की पूंजीगत आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा अपने प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों–जैसे एंटरप्राइज लेंडिंग, एसेट फाइनेंस और कंज्यूमर फाइनेंस में ऋण गतिविधियों को बढ़ाने के लिए करेगी। इसके अतिरिक्त, ऑफर से जुड़े खर्चों को भी इसी राशि से वहन किया जाएगा। यह प्रस्ताव बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाया जा रहा है और इसका नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत किया जाएगा। यह पेशकश 19 जून 2025 को फाइल किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के आधार पर की जाएगी, जिसे रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, गुजरात, दादरा और नगर हवेली, अहमदाबाद के पास दायर किया गया है। प्रस्तावित इक्विटी शेयर बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध होंगे, जिसमें एनएसई को डेजिग्नेटेड स्टॉक एक्सचेंज के रूप में चुना गया है। आईपीओ में नेट ऑफर का 50 प्रतिशत तक हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित होगा, जिसमें से 60 प्रतिशत तक एंकर निवेशकों को आवंटित किया जा सकता है। एंकर हिस्से का एक-तिहाई भाग घरेलू म्यूचुअल फंडों के लिए आरक्षित होगा। 15 प्रतिशत हिस्सा गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए निर्धारित किया गया है, जिसमें से एक-तिहाई 2 लाख रुपये से 10 लाख रुपये तक की बोलियों और दो-तिहाई 10 लाख रुपये से अधिक की बोलियों के लिए होगा। 35 प्रतिशत हिस्सा खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईबी) को आवंटित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एचडीएफसी बैंक के पात्र शेयरधारकों और कर्मचारियों के लिए भी आरक्षित कोटा रखा गया है। एंकर निवेशकों को छोड़कर शेष सभी निवेशकों को एएसबीए प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन करना होगा, जिसमें उनके बैंक खाते से बोली राशि ब्लॉक की जाएगी।

आईआईसीए ने तीन दिवसीय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कॉरपोरेट मामलों के संस्थान (आईआईसीए) ने नागपुर में राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी (एनएडीपी) में मुनिशन इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) के अधिकारियों के लिए कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर केंद्रित तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया है। आईआईसीए के स्कूल ऑफ बिजनेस एनवायरनमेंट की एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. गरिमा दधीच के नेतृत्व में उद्घाटन सत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिन्होंने सीएसआर की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ सीएसआर को एकीकृत करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएडीपी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. जेपी दाश ने सीएसआर डोमेन में

प्रतिभागियों के ज्ञान आधार, नेतृत्व क्षमताओं और कार्यान्वयन क्षमताओं को बढ़ाने में प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक रूप से जिम्मेदार सार्वजनिक क्षेत्र के नेतृत्व के निर्माण में एक कदम आगे के रूप में इस पहल का स्वागत किया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में सीएसआर नीति निर्माण, प्रभाव आकलन, स्थिरता रिपोर्टिंग और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं जैसे पर्यावरणीय स्थिरता, आजीविका सृजन और सामाजिक समावेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों के साथ तालमेल को शामिल किया गया। आईआईसीए और बाहरी संस्थानों के विशेषज्ञ व्याख्यान, केस स्टडी और इंटरैक्टिव क्रियाकलाप के माध्यम से प्रतिभागियों को शामिल करेंगे। यह पहल भारत में जिम्मेदार कॉरपोरेट आचरण और सतत विकास के लिए हितधारकों के बीच क्षमता निर्माण के लिए आईआईसीए के मिशन में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

जोरदार उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही जोरदार उतार चढ़ाव होता हुआ नजर आया। शुरुआती कारोबार में बाजार 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट का शिकार हो गया। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार निचले स्तर से काफी हद तक रिकवर होने में भी सफल रहा। दोपहर 2 बजे के बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में दोबारा गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, मीडिया और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

एप्पेलटोन इंजीनियर्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों के पैसे डबल हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। स्मार्ट मीटर और इलेक्ट्रिकल एप्लायंसेज बनाने वाली कंपनी एप्पेलटोन इंजीनियर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 128 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री मैक्सिमम प्रीमियम लिमिट 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 243.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद कुछ देर में ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 255.35 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग डबल हो गया है। एप्पेलटोन इंजीनियर्स का 43.96 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला

था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 296.34 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 132.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 627.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 248.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 34.34 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी का इंस्टॉलेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.09 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 8.16 करोड़ रुपये और 2024-25 में 11.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 31 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 125.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग: दिल्ली रेड्ज की दमदार वापसी, बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स को 22-12 से हराकर दर्ज की तीसरी जीत

एजेंसी

मुंबई। दिल्ली रेड्ज ने शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में खेले गए जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग सीजन-1 के मुकाबले में बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स को 22-12 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में दिल्ली रेड्ज ने संयमित लेकिन आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत की मजबूत नींव रखी। मैच की शुरुआत से ही दिल्ली ने दबदबा बनाया। मैटियो ग्राजियानो और राजदीप साहा ने एक-एक ट्राई के जरिए टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। दूसरी ओर, बेंगलुरु की ओर से इओवाने टेबा ने शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन करते हुए 7 अंक जुटाए और टीम को मुकाबले में बनाए रखा। हाफ-टाइम के बाद फिलिप वाकोरच के शानदार पास को पॉल प्ला ने ट्राई में बदल कर ब्रेवहार्ट्स को संक्षिप्त बढ़त दिला दी। लेकिन दिल्ली रेड्ज ने जवाबी हमला तेज किया। सुनील चव्हाण की शानदार ट्राई और मैटियास ओसाडजुक की सफल किक ने स्कोर में अंतर फिर से दिल्ली के पक्ष में कर दिया। मैच के अंतिम चरण में मोरिट्ज नोल ने 5 अंक जोड़कर दिल्ली की बढ़त को निर्णायक बना दिया और टीम ने 22-12 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ दिल्ली रेड्ज ने न सिर्फ अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत की है, बल्कि टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी भी और पुख्ता कर दी है।

हॉकी इंडिया ने देशभर में सदस्य इकाइयों के साथ मिलकर मनाया 77वां ओलंपिक डे

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया और इसकी सदस्य इकाइयों ने पूरे उत्साह के साथ 77वां ओलंपिक डे मनाया। इस अवसर पर देशभर में विभिन्न प्रकार की खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें फ्रेंडली टूर्नामेंट, प्रदर्शनी मैच, फिटनेस और प्रशिक्षण सत्र, पोस्टर व निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, क्विज़, और वृक्षारोपण जैसे आयोजन शामिल रहे। इन आयोजनों के माध्यम से खेल भावना, सौहार्द और ओलंपिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। इस पहल के जरिए हॉकी इंडिया का उद्देश्य विभिन्न समुदायों और पृष्ठभूमियों से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाना है, ताकि वे खेलों और फिटनेस के महत्व को समझें और उसे अपनी दिनचर्या में अपनाएं, चाहे उनकी उम्र, लिंग या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो। देश के विभिन्न हिस्सों में हॉकी इंडिया की सदस्य इकाइयों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। असम हॉकी, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव हॉकी, हॉकी अरुणाचल, हॉकी मिज़ोरम, छत्तीसगढ़ हॉकी और हॉकी झारखंड ने प्रदर्शनी मैचों का आयोजन किया। वहीं गोवा हॉकी और ओडिशा हॉकी संघ ने हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किए।

युवा नौजवान सभा की तरफ से करवाई जा रही क्रिकेट प्रतियोगिता का खेला गया फाइनल मुकाबला

आरएस पुरा। गांव कुलियां में युवा नौजवान सभा की तरफ से करवाई जा रही क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सोमवार को कुलियां ब्लास्टर क्रिकेट क्लब तथा लंगड़ेयाली क्रिकेट क्लब के मध्य खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कुलियां ब्लास्टर क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 10 विकेट खोकर 76 रन बनाए और विपक्षी टीम के समक्ष 77 रनों का लक्ष्य रखा। वहीं 77 रनों का पीछा करने उतरी लंगड़ेयाली क्रिकेट क्लब की शुरुआत बेहतर नहीं रही और पहले ही ओवर में उनके दो बल्लेबाज आउट हो गए। हालांकि मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने पारी को संभालने का प्रयास किया लेकिन टीम के बल्लेबाज लगातार आउट होते गए और पूरी टीम निर्धारित 12 ओवरों में मात्र 65 रन ही बना पाई और इस तरह से कुलियां ब्लास्टर क्रिकेट क्लब की टीम ने 11 रनों से मैच जीत कर प्रतियोगिता पर भी कब्जा कर लिया। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष रिंकू चौधरी तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता संसार चंद मुख्य तौर पर उपस्थित रहे जिन्होंने विजेता तथा उपविजेता खिलाड़ियों को ट्राफी एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया।

डांस चैम्पियनशिप में मुरादाबाद के कार्तिक प्रथम

मुरादाबाद। नेपाल के पोखरा में आयोजित इंटरनेशनल डांस चैम्पियनशिप में मुरादाबाद के युवा डांसर कार्तिक अरोड़ा ने हिप-हॉप कैटेगरी में पहला स्थान हासिल किया। उनके डांस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्तिक का कहना है कि इस जीत में उनके मार्गदर्शक शुभम शर्मा का योगदान है।

371 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है - जोश टंग

एजेंसी

लीड्स। इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ जोश टंग का कहना है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ लीड्स टेस्ट के आखिरी दिन जीत के इरादे से उतरेगी। भारत द्वारा दिए गए 371 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की ओपनिंग जोड़ी ने चौथे दिन के खेल समाप्त होने तक छह ओवर में बिना विकेट गंवाए 21 रन बना लिए थे। इंग्लैंड ने कप्तान बेन स्टोक्स की अगुवाई में अपने पिछले 36 टेस्ट मैचों में से सिर्फ एक ड्रॉ खेला है – 2023 की एशेज सीरीज़ का मैनचेस्टर टेस्ट, जिसे बारिश के कारण रोका गया था। मौसम का असर लीड्स टेस्ट के अंतिम दिन पर भी पड़ सकता है, लेकिन टंग को भरोसा है कि यदि पूरे दिन खेल होता है तो इंग्लैंड जीत के लिए पूरी ताक़त लगाएगा। भारत की दूसरी पारी में एक ही ओवर में तीन विकेट लेने वाले टंग ने सोमवार को मैच के बाद कहा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,, हम सिर्फ जीत के लिए जाएंगे, संदेश बहुत स्पष्ट है - जितना हो सके सकारात्मक क्रिकेट खेलना है। हां, पांचवें दिन वे (भारतीय गेंदबाज) अच्छी गेंदबाज़ी करेंगे, लेकिन हमें थोड़ी देर दबाव

झेलकर दोबारा पलटवार करना होगा। मुझे नहीं लगता कि हम यह लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते।

जब केएल राहुल से टंग के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो भारतीय बल्लेबाज़ ने भी कहा कि लीड्स टेस्ट के पांचवें दिन परिणाम तय है। राहुल ने कहा, पिच पर नतीजा तय है। इंग्लैंड ने साफ तौर पर अपने इरादे ज़ाहिर किए हैं, और उनके खेलने का अंदाज़ भी यही दर्शाता है। इससे हमें भी 10 विकेट लेने का अच्छा मौका मिलेगा। हम जानते हैं कि वे पांचवें दिन किस तरह बल्लेबाज़ी करेंगे। राहुल, जिन्होंने इस टेस्ट में 137 रन बनाए हैं, ने कहा कि पिच पर असमान उछाल है और आखिरी दिन यह और भी अधिक टूट सकती है। उन्होंने कहा, मैंने लंबे समय तक बल्लेबाज़ी की लेकिन एक भी समय ऐसा नहीं लगा कि मैं पूरी तरह सेट हूं। विकेट काफी टूट चुका है और कल और ज़्यादा टूटेगा। हम उनकी शैली को ध्यान में रखकर गेंदबाज़ी की योजना बनाएंगे। वहीं, राहुल ने टीम के निचले क्रम की लगातार दूसरी पारी में हुई बल्लेबाज़ी विफलता का भी बचाव किया। भारत ने पहली पारी में 7 विकेट 41 रन पर और दूसरी पारी में 6 विकेट 31 रन पर गंवा दिए थे।

उन्होंने कहा, हमने विचार किया था कि कितने रन सुरक्षित होंगे, या क्या उन्हें आज ही कुछ ओवर देकर एक-दो विकेट लिए जा सकते हैं लेकिन जिस स्थिति में हम थे, वहां से हमें कम से कम 40-50 रन और बनाने चाहिए थे। उन्होंने कहा, मैं निचले क्रम को अलग नहीं देखता, वे हमारी टीम का ही हिस्सा हैं और पूरी कोशिश कर रहे हैं। हां, जो बल्लेबाज़ दोनों पारियों में जल्दी आउट हुए हैं, उन्हें खुद पर सबसे ज़्यादा गुस्सा होगा। सभी नेट्स में मेहनत कर रहे हैं, लेकिन कभी-कभी मैदान पर वैसा नहीं होता। राहुल ने यह भी कहा कि सीरीज़ से पहले टीम का मुख्य फोकस हर पारी में 350-400 रन बनाने पर था और उस दिशा में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, हमने दोनों पारियों में 350 के आसपास रन बनाए हैं, यही सकारात्मक बात है। अगर कुछ और बल्लेबाज़ लय में आ जाएं, तो ये 350 आसानी से 450 या 500 तक जा सकते हैं, जो किसी भी बल्लेबाज़ी क्रम का आदर्श लक्ष्य होता है। भारत फिलहाल मुकाबले में बढ़त बनाए हुए है, लेकिन आखिरी दिन का खेल तेज़ी से आगे बढ़ने की उम्मीद है - नतीजा तय है, पर किसके पक्ष में जाएगा, यह देखना दिलचस्प होगा।

हैदराबाद हीरोज फिर से अंक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

मुंबई। हैदराबाद हीरोज़ ने रग्बी का शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई बुल्स को 28-7 के स्कोर से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर वापसी की। यह मुकाबला मुंबई के शाहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सीज़न के दौरान खेला गया। दिन के पहले मुकाबले में दिल्ली रेड्ज़ ने बेंगलुरु ब्रेवहर्ट्स को हराकर शानदार जीत दर्ज की।दिन के पहले मुकाबले में दिल्ली रेड्ज़ ने टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत हासिल की, जब उन्होंने बेंगलुरु ब्रेवहर्ट्स को 22-12 के स्कोर से हराया। दिल्ली रेड्ज़ ने शुरुआत से ही मुकाबले में पकड़ बना ली थी और शुरुआती अंक लेकर बढ़त हासिल की। मैटियो ग्राज़ियानो और रजदीप साहा ने एक-एक ट्राय किया, लेकिन फिर इओवाने तेबा ने बेंगलुरु के लिए 7 अंक जुटाकर मुकाबले में वापसी कराई। हाफ-टाइम के तुरंत बाद, फिलिप वकोराच की शुरू की गई शानदार मूव को पॉल प्ला ने ट्राय में बदलकर बेंगलुरु को मामूली बढ़त दिलाई। हालांकि, दिल्ली रेड्ज़ ने हार नहीं मानी – सुनील चव्हाण ने स्कोर शीट पर अपना नाम दर्ज कराया, और मैटियास ओसाडजुक ने किक को सफलतापूर्वक कन्वर्ट किया। इसके बाद मोरिट्ज़ नोल ने पांच और अंक जोड़कर बढ़त को और पुख्ता कर दिया। अंत में, रेड्ज़ ने एक मजबूत जीत के साथ मैदान छोड़ा। दिन के दूसरे मुकाबले में हैदराबाद हीरोज़ ने जबरदस्त फॉर्म दिखाया और चेन्नई बुल्स को 28-7 से हरा दिया। चेन्नई बुल्स ने तेज शुरुआत की थी, जब टेरी कैनेडी ने ट्राय किया और जोआक्विन पेलांडिनी ने दो अंक जोड़ दिए। लेकिन इसके बाद हैदराबाद हीरोज़ ने रफ्तार पकड़ ली – जावेद हुसैन और मोटू ओपेताई ने एक-एक ट्राय किया और मैनुएल मोरेनो ने दोनों बार किक को सफलतापूर्वक कन्वर्ट किया।

विंबलडन 2025 ड्रॉ से पहले जारी एटीपी रैंकिंग: ड्रेपर चौथे स्थान पर पहुंचे, मेदवेदेव की टॉप 10 में वापसी

एजेंसी

लंदन। विंबलडन 2025 के ड्रॉ से ठीक पहले जारी ताजा एटीपी रैंकिंग में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने बड़ी छलांग लगाते हुए चौथा स्थान हासिल किया है, जबकि रूस के डेनिल मेदवेदेव ने एक बार फिर शीर्ष 10 में वापसी की है।

इटली के जानिक सिनर और स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने क्रमशः पहला और दूसरा स्थान बरकरार रखा है। दोनों एक बार फिर विंबलडन के ड्रॉ में अलग-अलग हाफ में होंगे।

फ्रेंच ओपन 2025 के फाइनल में भिड़ने वाले ये दोनों खिलाड़ी इस बार भी संभावित खिताबी भिड़ंत की ओर बढ़ सकते हैं।विंबलडन के दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन अल्कराज क्वीन क्लब चैम्पियनशिप का खिताब जीतकर शानदार लय में हैं और 18 मैचों की अजेय श्रृंखला पर हैं। क्वीन फाइनल में अल्कराज को हराने वाले चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका ने पांच स्थान की छलांग लगाकर 25वीं रैंकिंग हासिल की है।

एटीपी सिंगल्स टॉप 1इ0 रैंकिंग (23 जून, 2025 तक):

- जानिक सिनर (इटली) - 10,430
- कार्लोस अल्कराज (स्पेन) - 9,300
- अलेक्जेंडर ज़्वेरेव (जर्मनी) - 6,500
- जैक ड्रेपर (ब्रिटेन) - 4,650 (+2)
- टेलर फ्रिट्ज़ (अमेरिका) - 4,635 (-1)
- नोवाक जोकोविच (सर्बिया) - 4,630 (-1)
- लोरेन्ज़ो मुसेत्ती (इटली) - 4,140
- होल्गर रूने (डेनमार्क) - 3,530 (+1)
- डेनिल मेदवेदेव (रूस) - 3,420(+2)
- बेन शेल्टन (अमेरिका) - 3,170 (-1)

इस बदलाव के चलते जोकोविच और फ्रिट्ज दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है, जबकि ड्रेपर की रैंकिंग में सुधार से वह अब विंबलडन के सेमीफाइनल से पहले सिनर या अल्कराज से नहीं भिड़ेंगे।

हाले ओपन में उपविजेता रहे डेनिल मेदवेदेव की वापसी टॉप 10 में हो गई है। वहीं इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाले कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बबलिक ने 15 स्थान की छलांग लगाते हुए 30वीं रैंकिंग पर कब्जा किया।

भारतीय खिलाड़ियों की एटीपी रैंकिंग:

डबल्स:

- युकी भांबरी - 35
- रोहन बोपन्ना - 49 (+1)
- एन. श्रीराम बालाजी - 74 ?? (-1)
- ऋत्विक च. बोलीपल्ली - 80
- विजय सुंदर प्रशांत - 91 ?? (+8)
- जीवन नेदुचेझियन - 100(+2)
- अनिरुद्ध चंद्रशेखर - 106(+2)
- अर्जुन कढ़े - 115(-1)
- रामकुमार रामनाथन - 124 ?? (-2)
- निकी पूनाचा - 155
- सिद्धांत बंथिया - 168 (-1)
- साकेत मिनेनी - 200 ?? (+3)

सिंगल्स:

- सुमित नागल - 294 ?? (+6)
- मुकुंद ससिकुमार - 418 ?? (+9)
- करन सिंह - 442 ?? (+6)
- आर्यन शाह - 452 ?? (+8)

भारतीय डबल्स खिलाड़ियों में युकी भांबरी और रोहन बोपन्ना टॉप 50 में बने हुए हैं, जबकि सिंगल्स में सुमित नागल फिलहाल भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं। विंबलडन 2025 का ड्रॉ शुक्रवार को जारी किया जाएगा, और इस ताज़ा रैंकिंग का उसमें अहम प्रभाव पड़ेगा।

जय शाह से जिद्दीपन की उम्मीद थी लेकिन वह ईमानदार और अच्छे इंसान हैं : गांगुली

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में अपने घटनाप्रधान कार्यकाल को याद करते हुए सौरव गांगुली ने खुलासा किया कि उन्हें बोर्ड के तत्कालीन सचिव और वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह से 'एक खास तरह की सख्ती और जिद्दीपन की उम्मीद थी लेकिन वह उनकी 'ईमानदारी और चीजों को व्यवस्थित करने के तरीके से प्रभावित थे। गांगुली और शाह अक्टूबर 2019 से सितंबर 2022 तक दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड में सहकर्मी रहे थे। यह कोविड-19 महामारी का दौर था जिसके कारण कुछ महीनों के लिए खेल गतिविधियां ठप्प पड़ गई थीं। गांगुली ने इंटरव्यू में कहा, 'उनका (जय शाह) काम करने का अपना तरीका था लेकिन उनके बारे में सबसे अच्छी बात यह थी कि वह भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए चीजों को सही तरह से व्यवस्थित करना चाहते थे। इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'देखिए, उनके पास ताकत थी, समर्थन था, इसलिए आप उनसे एक खास तरह की सख्ती और जिद्दीपन की उम्मीद करते थे लेकिन उन्होंने भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए काफी कुछ किया यह पहला अवसर था जबकि गांगुली और शाह दोनों में एक साथ किसी पद पर थे। इससे पहले गांगुली बंगाल

क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जबकि शाह गुजरात क्रिकेट संघ में पदाधिकारी थे। गांगुली की जगह 2022 में एक अन्य पूर्व टेस्ट खिलाड़ी रोजर बिन्नी को का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि शाह नवंबर 2024 तक सचिव बने रहे। इसके बाद वह 36 वर्ष की उम्र में के सबसे युवा अध्यक्ष बने। एक राजनीतिक परिवार के वारिस और एक प्रसिद्ध क्रिकेट स्टार के बीच आपसी रिश्तों के बारे में पूछे जाने पर गांगुली ने कहा कि उनके बीच सौहार्दपूर्ण संबंध थे जो आज भी कायम हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध थे और आज भी हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं। जब वह सितंबर 2019 में गुजरात क्रिकेट संघ से सीधेमें आए तो वह काफी युवा थे। वह काफी सहयोगी और मिलनसार व्यक्ति हैं। गांगुली ने कहा, 'जाहिर तौर पर उनकी अपनी अलग सोच थी और यह सही भी है।

वह कुछ नया करना चाहते थे और आज भी ऐसा करते हैं। अब वह आईसीसी के अध्यक्ष हैं और यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। गांगुली का मानना है कि समय के साथ शाह अपने काम में निपुण होते गए। जल्द ही 53 साल के होने वाले इस सुपरस्टार ने कहा, 'वह खिलाड़ियों का बहुत समर्थन करते हैं। जैसे-जैसे उन्होंने सीखा, वह अपने काम में निपुण होते गए। उनकी सबसे अच्छी बात यह है कि वह इस खेल के लिए अच्छा करना चाहते हैं।

शतकीय पारी खेलने के बाद केएल राहुल ने कहा- प्रक्रिया ही सफलता की असली कुंजी'

एजेंसी

लीड्स। भारतीय बल्लेबाज़ केएल राहुल का मानना है कि क्रिकेट में परिणाम हमेशा आपकी प्रतिभा, तैयारी, फिटनेस और प्रयासों के अनुपात में नहीं आते। टेस्ट क्रिकेट में उनके अपने सफर ने इस बात को बार-बार साबित किया है। मुश्किल परिस्थितियों में सात में से आठ शतक विदेशों में लगाने के बावजूद वह कभी स्थायी रूप से भारतीय टेस्ट बल्लेबाज़ी क्रम के मुख्य स्तंभ नहीं बन पाए। हेडिंग्ले टेस्ट से पहले उनका औसत 33.57 था, जो उनके कौशल की तुलना में काफी कम माना जा सकता है। जब चौथे दिन की सुबह टीम की पारी पटरी से उतरती नजर आ रही थी, तब राहुल ने भारत की दूसरी पारी में 137 रन की अहम पारी खेली। राहुल ने मैच

के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जितनी जल्दी आप यह समझ जाते हैं कि आपकी तैयारी और खेल का परिणाम से कोई निश्चित संबंध नहीं है, उतना ही शांत रह पाते हैं। यही बात आपको लंबे समय तक इस स्तर पर खेलने का सबसे अच्छा मौका देती है।उन्होंने यह भी बताया कि यह सोच उन्होंने अपने सीनियर खिलाड़ियों से सीखी है। उन्होंने कहा, आप जो कर सकते हैं वो बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। लेकिन इस खेल में कोई गारंटी नहीं होती। जब अच्छा दिन हो, तब खुश रहिए। जब बुरा दिन हो, तब भी इस बात से खुश रहिए कि खेलने का मौका मिला। मैं खेल को इसी नजरिए से देखता हूं।राहुल का हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरा भी इसी उतार-चढ़ाव का उदाहरण रहा। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में उन्हें पर्थ और ब्रिसबेन में ओपनिंग का मौका मिला, जहां उन्होंने क्रमशः 26, 77 और 84 रन की पारियां खेलीं। लेकिन श्रृंखला समाप्त होने पर उनका औसत केवल 30.66 रहा। उन्होंने कहा, जब आप शुरुआत करते हैं और उन्हें बड़ी पारियों में नहीं बदल पाते, तो वो बहुत निराशाजनक होता है। मैं ऑस्ट्रेलिया में अपने बल्लेबाज़ी के तरीके से खुश था, लेकिन बड़ी पारियां न बना पाने की वजह से बहुत निराश भी। हर मैच में मेरे पास मौके थे, लेकिन मैं उन्हें भुना नहीं सका। यही खेल की खूबसूरती और क्रूरता दोनों है। राहुल के करियर की एक और विशेषता यह रही है कि उन्होंने आज तक किसी भी श्रृंखला में 400 रन नहीं बनाए हैं। यही वजह रही कि वह टीम में स्थायी स्थान नहीं बना पाए और उन्हें अकसर किसी और की चोट या अनुपस्थिति के कारण मौका मिला।

43 बार पारी में 5 विकेट, छह बार एक मैच में 10 विकेट, भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का निधन

एजेंसी

लंदन । भारत के पूर्व स्पिन गेंदबाज दिलीप दोशी का दिल का दौरा पड़ने से लंदन में निधन हो गया। वह 77 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी कालिंदी, बेटा नयन, और बेटी विशाखा है। क्रिकेट करियर के बाद दोशी हिंदी कॉमेंटेटर के तौर बेहद लोकप्रिय रहे। दोशी ने भारत के लिए 33 टेस्ट मैचों में 114 विकेट लिए। उन्होंने छह बार पांच विकेट लेने का कमाल भी किया। इसके अलावा उन्होंने 15 एकदिवसीय मैचों में महज 3.96 की इकॉनमी के साथ 22 विकेट लिए। 238 प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैचों में उन्होंने 898 विकेट झटके। प्रथम श्रेणी मैचों में उन्होंने 43 बार पांच विकेट लिए तथा छह बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। 1979 में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में पदार्पण किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और सौराष्ट्र क्रिकेट संघ ने दोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दिलीप दोशी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'बीसीसीआई पूर्व भारतीय स्पिनर दिलीप दोशी के दुखद निधन पर शोक व्यक्त करता है। लंदन में उनका निधन हो गया। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। गॉड ऑफ क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, मैं दिलीपभाई से पहली बार 1990 में यूके में मिला था और उस दौरे पर उन्होंने नेट्स में मुझे गेंदबाजी की थी।

हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025: ओडिशा और तमिलनाडु ने दिखाया दम, सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

चेन्नई। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में चल रहे प्रथम हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 के छठे दिन मुकाबले और भी रोमांचक हो गए। जहां महिला वर्ग में पूल चरण के मुकाबले समाप्त हुए, वहीं पुरुष वर्ग में पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। दिन की शुरुआत महिला वर्ग के एक कड़े मुकाबले से हुई, जिसमें हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी हरियाणा को 3-2 से हराया। ओडिशा के लिए रंजीता बेक ने दो गोल (5', 37') किए, दोनों पेनल्टी कॉर्नर से, जबकि सरिता रोशन मिन्ज (11') ने एक फील्ड गोल किया। हरियाणा की ओर से चिंगशुबम संगाई इबेमहल (28', 39') ने दो शानदार फील्ड गोल किए, लेकिन उनकी टीम हार टाल नहीं सकी। दूसरे महिला मुकाबले में हॉकी पंजाब ने दूसरे हाफ में शानदार खेल दिखाते हुए हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 3-0 से पराजित

किया। पंजाब की ओर से नीति (32') ने खाता खोला, जिसके बाद मीनाक्षी (49') और जसप्रीत कौर (56') ने एक-एक गोल कर जीत सुनिश्चित की। महिला वर्ग के पूल चरण के बाद पूल ए में हॉकी कर्नाटका ने 9 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। हॉकी हिमाचल, केरल हॉकी और हॉकी महाराष्ट्र के तीन-तीन अंक थे, लेकिन गोल अंतर के आधार पर इन्हें क्रमशः दूसरा, तीसरा और चौथा स्थान मिला।

पूल बी में हॉकी पंजाब ने 9 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहते हुए सभी मुकाबले जीते, जबकि हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने 6 अंकों के साथ दूसरा स्थान पाया। हॉकी हरियाणा तीसरे और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु बिना किसी जीत के चौथे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग के पहले क्वार्टर फाइनल में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हॉकी पंजाब को 8-2 से हराया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एस. सुदर्शन (10') ने पेनल्टी कॉर्नर से शुरुआत की, इसके बाद कप्तान एडम एंटनी सिंक्लेयर (12') ने फील्ड गोल किया। सबसे शानदार प्रदर्शन डी. मुथुसेलवन ने किया, जिन्होंने चार गोल (20', 47', 53', 55') दागे। इसके अलावा रमेश नल्लमुथु (38') और विनोथ कुमार एपी (43') ने भी गोल किए। पंजाब की ओर से राम सरन (30') और कप्तान रिपुदमन कुमार सिंह (40') ने एक-एक गोल किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। दिन के अंतिम मुकाबले में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी आंध्र प्रदेश को 6-2 से हराते हुए सेमीफाइनल का टिकट कटाया। कप्तान बरला लाजरुस (5', 36') ने पेनल्टी स्ट्रोक और पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए दो गोल किए। संतियल मुंडू (10'), साइप्रियन केरकेट्टा (21') और अनिल कुल्लू (51', 59') ने भी गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। आंध्र प्रदेश की ओर से दीपक आकाश बाचू (7') और मंचाला अजय बाबू (30') ने एक-एक गोल किया।

राहुल द्रविड़ के इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं ऋषभ पंत : मांजरेकर

लीड्स। भारत के उप-कप्तान ऋषभ पंत टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने विकेटकीपर-बल्लेबाज की बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा कि पांच मैचों की सीरीज के अंत तक पंत इंग्लैंड की धरती पर सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीयों की सूची में पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ से आगे निकल सकते हैं।

पहली पारी में शानदार 134 रनों की पारी खेलने के बाद पंत ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाकर अपना आठवां टेस्ट शतक बनाया। इस बीच पंत टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले सातवें भारतीय बन गए ।

नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 में दिखेगा भारत के शीर्ष निशानेबाज़ों का दमखम

एजेंसी

देहरादून। देहरादून के त्रिशूल शूटिंग रेंज में शुरू हो रहे नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 (ग्रुप-ए) में भारत के शीर्ष निशानेबाज अपना दमखम दिखाएंगे। ये ट्रायल्स अगस्त में कज़ाखस्तान में होने वाली 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 और सितंबर में चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम चयन का अहम आधार होंगे।

इन ट्रायल्स में तीन लगातार आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचने वाली सुरूचि इंदर सिंह, ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले जैसे दिग्गज निशानेबाज़ शिरकत करेंगे। हाल ही में अर्जेंटीना, पेरू और म्यूनिख में हुए दोहरे चरणों वाले दक्षिण अमेरिकी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय निशानेबाजों ने 39 फाइनल्स में जगह बनाई और 19 पदक जीते, जिनमें 8 स्वर्ण शामिल थे। यह प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर की मजबूत शुरुआत रहा है।

ट्रायल्स में भाग लेने के लिए केवल ग्रुप ए के पात्र निशानेबाजों को ही अनुमति दी गई है।

इनमें शामिल हैं:

- 10 मीटर एयर राइफल (पुरुष एवं महिला) - 50 स्लॉट्स
- 10 मीटर एयर पिस्टल (पुरुष एवं महिला) - 50 स्लॉट्स
- 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (पुरुष एवं महिला) - 30 स्लॉट्स

- 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (पुरुष) - 20 स्लॉट्स
- 25 मीटर स्पोर्ट पिस्टल (महिला) - 30 स्लॉट्स

ये ट्रायल्स न केवल एशियाई और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों की योग्यता तय करेंगे, बल्कि भारतीय निशानेबाजी की आगामी दिशा और संभावनाएं भी निर्धारित करेंगे।

महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग में वापसी करेंगी श्रेयंका पाटिल और शिखा पांडे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल और शिखा पांडे एक बार फिर महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में नजर आएंगी। टूर्नामेंट का 2025 संस्करण 6 सितंबर से शुरू होगा, जिसका फाइनल 17 सितंबर को गयाना नेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयंका पाटिल, जो वर्तमान में हाथ की फ्रैक्चर से उबर रही हैं, को इस बार दो बार की चैंपियन बारबाडोस रॉयल्स ने ड्राफ्ट किया है, जो 'थ्री-पीट' (लगातार तीसरा खिताब) की तलाश में हैं। हैं। 2023 में श्रेयंका गयाना अमेजन वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व कर चुकीं हैं। दूसरी ओर, अनुभवी गेंदबाज शिखा पांडे को त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने उनके सफल पिछले सीज़न के प्रदर्शन के बाद बरकरार रखा है।

रॉयल्स का मजबूत कोर बरकरार

हेली मैथ्यूज की अगुआई वाली बारबाडोस रॉयल्स ने अपने कोर खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, जिसमें चिनेल हेनरी, अफी फ्लेचर और अलियाह एलेन शामिल हैं। टीम में पहली बार काइसिया नाइट भी अपने घरेलू फ्रेंचाइज़ी से खेलेंगी। विदेशी खिलाड़ियों में ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर जॉर्जिया रेडमेन, श्रीलंकाई ओपनर चामारी अटापट्टू, और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कोर्टनी वेब शामिल हैं।

नाइट राइडर्स में युवा जोश और अनुभव का मिश्रण

2024 की उपविजेता त्रिनबागो नाइट राइडर्स की कमान अनुभवी डिएंड्रा डॉटिन के हाथों में होगी। टीम में जहज़ारा क्लैक्सटन, ज़ायदा जेम्स, जनीला ग्लासगो और समारा रमनाथ जैसी 21 वर्ष से कम उम्र की युवा खिलाड़ी शामिल हैं। इनके साथ शबीका गजनाबी, राशादा विलियम्स

और एबिगेल ब्रायस अनुभव लेकर आएंगी। टीम में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जेस जोनासन की वापसी होगी, और इस बार दक्षिण अफ्रीकी विस्फोटक बल्लेबाज़ लिज़ेल ली भी डब्ल्यूसीपीएल में डेब्यू करेंगी। युवा लेग स्पिनर सलोनी डांगोर को भी टीम ने ड्राफ्ट किया है।

गयाना की उम्मीदें घरेलू सितारों पर

2025 संस्करण की मेज़बानी कर रही गयाना अमेजन वॉरियर्स ने अपने अनुभवी सितारों जैसे स्टेफनी टेलर, करिश्मा रामहरक और शर्मेन कैंपबेल को बरकरार रखा है। दक्षिण अफ्रीका की तेज़ गेंदबाज़ शबनीम इस्माइल लगातार तीसरे सीज़न के लिए टीम के साथ जुड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ लौरा हैरिस भी तीसरे सीज़न में वापसी करेंगी, जबकि मेडलिन पेन्ना को नए लेगस्पिनिंग ऑलराउंडर के रूप में टीम में जोड़ा गया है।

टूर्नामेंट प्रारूप

तीनों टीमें–बारबाडोस रॉयल्स, त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गयाना अमेजन वॉरियर्स–डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो बार मुकाबले खेलेंगी। शीर्ष दो टीमें फाइनल में प्रवेश करेंगी, जो 17 सितंबर को गयाना नेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

मालदीव पहुंची

काजल अग्रवाल

ने दिखाया हॉट अवतार, व्हाइट मोनोकनी पहन समंदर में लगाए गोते, बेटे और पति संग यूं बिताया वक्त

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने 19 जून को अपने जन्मदिन का जश्न बड़ी ही खूबसूरती से मनाया। यह इसलिए भी खास था, क्योंकि उन्होंने इस मायानगरी से दूर मालदीव में फैमिली संग सेलिब्रेट किया। अब हाल ही में कुछ दिनों बाद काजल ने मालदीव

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने 19 जून को अपने जन्मदिन का जश्न बड़ी ही खूबसूरती से मनाया। यह इसलिए भी खास था, क्योंकि उन्होंने इस मायानगरी से दूर मालदीव में फैमिली संग सेलिब्रेट किया। अब हाल ही में कुछ दिनों बाद काजल ने मालदीव में पति और बेटे संग स्पैंड किए क्वालिटी टाइम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। फैंस हसीना की इन तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

तस्वीरों में काजल समुद्र के किनारे प्राकृतिक दृश्यों के बीच पूरी तरह सुकून लेती और खुश नजर आ रही है।मालदीव में एक्ट्रेस व्हाइट मोनोकनी और चेक ट्राउजर में बेहद हॉट दिखीं और वहां का टेम्प्रेचर बढ़ाती नजर आईं।कभी वह समंदर में बेटे संग बाथ लेती तो कभी मोनोकनी में गोते लेती दिखाई दीं।

कई तस्वीरों में वह समंदर किनारे अपने पति संग वॉक करती और हैप्पी मूमेंट्स एंजॉय करती दिखीं। फैंस काजल की इन तस्वीरों को जमकर लाइक कर रहे हैं।

इन तस्वीरों को शेयर कर काजल अग्रवाल ने कैप्शन में लिखा-प्यार और कृतज्ञता से भरी हुई मेरे प्यारे दोस्तों, प्रशंसकों और परिवार, जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद, जिसने मेरे दिन को बेहद खास बना दिया। अपने चाहने वालों से घिरी, दिल से संतुष्ट और पेट से खुश आप सबकी शुभकामनाएं और दुआएं मेरे लिए अनमोल हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि मालदीव जैसे सुंदर स्थान पर यह दिन बिताना उनके लिए एक दिव्य अनुभव रहा।

वर्कफ्रंट

दूसरी ओर काम की बात करें तो काजल अग्रवाल जल्द ही फिल्म कन्नप्पा में नजर आने वाली हैं। यह एक पौराणिक एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें वे देवी पार्वती की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की कहानी भगवान शिव के परम भक्त कन्नप्पा पर आधारित है। फिल्म में वह एक्टर अक्षय कुमार और विष्णु मांचू के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

सोनाक्षी सिन्हा

वर्सेज काजोल, बॉक्स ऑफिस पर टकरा रहीं दो बड़ी हॉरर फिल्में, कौन मारेगा बाजी?

बॉलीवुड हमेशा से रोमांटिक फिल्मों का गढ़ रहा है. बॉलीवुड में शुरू से ही रोमांटिक फिल्में बनती आई हैं. लेकिन पिछले कुछ समय से लोगों का पसंदीदा जॉनर बदलता नजर आ रहा है. लोग अब रोमांस और एक्शन से ऊपर हॉरर फिल्मों को तवज्जो दे रहे हैं. इसका अंदाजा पिछले कुछ समय में रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस आंकड़ों से लगाया जा सकता है. साल 2025 में भी ये सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. उपर से अब तो चंद दिनों में दो बड़ी हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का क्लैश देखने को मिलने वाला है.बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की फिल्म मां सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है. वे इस फिल्म को लेकर काफी समय से चर्चा में बनी हुई हैं. वहीं उनकी फिल्म का सामना सोनाक्षी सिन्हा की मूवी निकिता रॉय से होने जा रहा है. इस फिल्म को लेकर भी बज़ बना हुआ है. ऐसे में आइये जानते हैं कि इन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस क्लैश कैसा रहेगा और टिकट खिड़की पर किसके बाजी मारने की ज्यादा संभावना है.

काजोल और सोनाक्षी सिन्हा की भिड़ंत

काजोल की फिल्म मां सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही हैं. इसका निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है. फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता, गोपाल सिंह और जितिन गुलाटी अहम रोल में नजर आएंगे. वहीं सोनाक्षी सिन्हा की बात करें तो उनकी फिल्म निकिता रॉय सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है. इस फिल्म का निर्देशन कुश एस सिन्हा करने जा रहे हैं. इस फिल्म में सोनाक्षी के अपोजिट सुहैल नय्यर, परेश रावल और अर्जुन रामपाल अहम रोल में दिखेंगे. दोनों ही फिल्में 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तायार है.

मां VS निकिता रॉय में कौन मारेगा बाजी ?

मां फिल्म में काजोल लीड एक्ट्रेस हैं. भले ही अब काजोल की फिल्में सिनेमाघरों में कम ही नजर आती हैं लेकिन एक्ट्रेस को फैंस अभी भी देखना काफी पसंद करते हैं. उन्होंने पिछली कुछ फिल्मों में शानदार एक्टिंग भी कर के दिखाई है. अब वे अपने रोल्स के साथ एक्स्पेरिमेंट कर रही हैं. एक्ट्रेस अब एक सुपरनेचुरल ड्रामा का हिस्सा बनी हैं. ऐसे में फैंस उन्हें इस रोल में भी देखना पसंद कर सकते हैं. वहीं सोनाक्षी सिन्हा का भी अपना फैन फॉलोइंग बेस है. उनकी फिल्म की कास्ट भी काफी तगड़ी है. अब एक्ट्रेस कुछ अलग करने जा रही हैं.ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है. लेकिन मां को लेकर जिस तरह से हाइप बनी हुई है और जिस तरह से काजोल की क्रेजी फैन फॉलोइंग है, उसे देखते हुए तो सोनाक्षी सिन्हा.

आमिर-सनी देओल ने मिलकर चूर कर दिया था करण जौहर का घमंड! सफेद पड़ गया था चेहरा

हिंदी सिनेमा के सबसे सफल फिल्ममेकर्स में से एक करण जौहर अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों का डायरेक्शन कर चुके हैं. वो बतौर प्रोड्यूसर भी कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहे हैं. उन्होंने बतौर डायरेक्टर अपनी शुरुआत ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के जरिए की थी. पहली ही पिक्चर की बड़ी सफलता के बाद करण काफी खुश तो थे ही और उनमें ओवर कॉन्फिडेंस भी आ गया था, हालांकि उनका ये ओवर कॉन्फिडेंस सनी देओल और आमिर खान जैसे सुपरस्टार्स ने चूर कर दिया था.

'कुछ कुछ होता है' के बाद करण जौहर ने 'कभी खुशी कभी गम' जैसी एक और ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाई थी. ये भी दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रही. लेकिन, इसकी कास्टिंग के बाद करण जौहर अपने आगे किसी को कुछ नहीं समझ रहे थे. लेकिन इसी बीच जब सनी देओल की 'गदर: एक प्रेम कथा' और आमिर खान की 'लगान' रिलीज हुई तो करण जौहर ने महसूस किया कि ओवर कॉन्फिडेंस में नहीं जीना चाहिए. ये फिल्में देखकर करण का चेहरा सफेद पड़ गया था.

अमिताभ-शाहरुख को कास्ट करके सातवे आसमान पर थे करण

करण जौहर ने एक बातचीत के दौरान बताया था कि कुछ कुछ होता है के बाद वो कभी खुशी कभी गम बना रहे थे. फिल्म में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, जया बच्चन, काजोल, करीना कपूर खान और ऋतिक रोशन को कास्ट करके वो खुद को सातवें आसमान पर महसूस कर रहे थे. उन्होंने कहा था, मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं शोले बना रहा हूं. मैं तो छा जाऊंगा, फाड़ दूंगा, मिलिट्री बुलानी पड़ेगी. फिल्म इतनी बड़ी हिट होगी.

'लगान-गदर' देखी तो उड़ गए होश

जब करण 'कभी खुशी कभी गम' पर काम कर रहे थे तो उसी बीच आमिर खान की लगान और सनी देओल की गदर ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. करण ने कहा था, मैंने 'लगान' देखी तो मेरे सिर से छत उड़ गई थी. मैं बाहर आया तो देखा कि सबका फेस लाल था मेरा सफेद हो गया था. उसी दिन 'गदर' रिलीज हुई मैंने 'गदर' भी देखी. मेरे सिर से फिर से एक और छत उड़ गई. मैंने कहा क्या कमाल की पिक्चर बनाई है.

मेरा ओवर कॉन्फिडेंस गिर गया

'गदर' और 'लगान' दोनों ही 15 जून 2001 को रिलीज हुई थी और दोनों ही बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. वहीं 14 दिसंबर 2001 को रिलीज हुई करण की 'कभी खुशी कभी गम' भी ब्लॉकबस्टर थी.

दुनिया छोड़ चुकी इस एक्ट्रेस के दीवाने हैं सलमान खान और अजय देवगन, धर्मेंद्र भी मानते हैं सबसे खूबसूरत

हिंदी सिनेमा के इतिहास में एक से बढ़कर एक खूबसूरत हसीनाएं आई हैं. फैंस कभी कटरीना कैफ तो कभी ऐश्वर्या राय की खूबसूरती पर फिदा रहे. कभी माधुरी दीक्षित तो कभी रेखा और श्रीदेवी पर लट्टू रहे. हालांकि गुजरे दौर में और भी कई खूबसूरत हसीनाएं हुई हैं. इनमें मीना कुमारी, हेमा मालिनी, मधुबाला, माला सिन्हा सहित कई नाम आपको मिल जाएंगे. हालांकि बात जब गुजरे दौर की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस की होती है तो इसमें मधुबाला बाजी मार ले जाती हैं.

दिग्गज और दिवंगत एक्ट्रेस मधुबाला की खूबसूरती पर सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के बड़े से बड़े दिग्गज अभिनेता भी फिदा थे. एक समय बॉलीवुड के सबसे हैंडसम एक्टर रहे धर्मेंद्र को मधुबाला सबसे खूबसूरत लगती थीं. वहीं अजय देवगन और सलमान खान जैसे सुपरस्टार्स का भी ये ही मानना है.

मधुबाला की खूबसूरती पर फिदा हैं दिग्गज

एक शो के दौरान सलमान खान से बॉबी देओल ने सवाल किया था कि उनकी नजर में कल की यानी गुजरे दौर की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस कौन हैं ? इस पर सलमान ने मधुबाला का नाम लिया था. वहीं बॉबी के पिता और दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र ने भी इस मामले में मधुबाला का ही नाम लिया था. जबकि अजय देवगन से जब एक शो के दौरान इस तरह का सवाल किया गया था तो उन्होंने मधुबाला का नाम लिखकर जवाब दिया था.

छोटे से करियर में की 66 फिल्में

मधुबाला का जन्म दिल्ली में 14 फरवरी 1933 को हुआ था. दस भाई-बहनों में मधुबाला पांचवे नंबर पर थीं. वो मुस्लिम परिवार में पैदा हुई थीं. उनका असली नाम मुमताज बेगम जहां देहलवी था. 9 साल की उम्र में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट बॉलीवुड में काम करने वाली मधुबाला ने अपने करियर में 66 फिल्मों में अहम किरदार निभाया था.

36 साल की उम्र में हो गया था निधन

मधुबाला के करियर की सबसे सफल और पसंदीदा फिल्म 'मुगल-ए-आजम' रही. इसके अलावा उनकी चर्चित फिल्मों में 'नीलकमल', 'दिल की रानी', 'अमर प्रेम', 'बादल', 'तराना', 'महल', 'हावड़ा ब्रज', 'संगदिल'और 'हाफ टिकट' आदि शामिल है. मधुबाला वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट नाम की बीमारी से पीड़ित थीं. उनका महज 36 साल की उम्र में 23 फरवरी 1969 को मुंबई में निधन हो गया था.

बिरसा टाइम्स देश का सर्वाधिक प्रसारित रविवारीय अखबार है। अपनी खोजपूर्ण तथा विश्लेषणात्मक खबरों के कारण बिरसा टाइम्स ने मीडिया– जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई हैं। वर्ष 1980 से शुरू हुआ बिरसा टाइम्स का सफरनामा इसके पाठकों के निरंतर स्नेह और समर्थन के चलते आज भी उसी तेवर के साथ जारी हैं।

राँची और दिल्ली के साथ–साथ
अब
बिहार, छत्तीसगढ़ तथा उड़ीसा
से
प्रकाशित होने जा रहा है।

बिरसा टाइम्स

देश का सर्वाधिक प्रसारित नंबर-1 रविवारीय अखबार

जन सम्पर्क विभाग में विशाल भ्रष्टाचार का वट वृक्ष

"जब झारखंड और बिहार एक साथ था तब पांडे अपने पिता के साथ पटना में महावीर मंदिर में साफ–सफाई का काम करता था और पांडे जी के पिता मंदिर के सचिव आईपीएस स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल जी के घर पर पूजा पाठ करते थे एवं महावीर मंदिर में भी काम करते थे और उसी समय अवधेश पांडे बिहार सरकार में दैनिक मजदूर में बहाली लेकर धीरे–धीरे आई इ एस पदाधिकारी के घर पर कप–प्लेट साफ कर प्रभारी निदेशक तक पहुंच गए! श्री पांडे को हिंदी और अंग्रेजी में एक लाइन भी लिखने नहीं आता था! इनका सारा का सारा फाइल का काम के नीचे वाले अधिकारी लिखते थे और इस काम में उप निदेशक श्री शालिनी वर्मा और वर्तमान में बोकारो के उपायुक्त श्रीअजय नाथ झा सारा फाइल का काम करते थे! दोनों के दोनों से पांडे के कार्यालय से लेकर आवास तक 11:00 बजे रात तक गुरु मंत्र लेते रहते थे और इसमें अपनी कुशलता से श्री झा ने उपायुक्त पद पर पहुंच गए! ऐसे पांडे कभी भी अपनी पत्नी को अपने आवास में नहीं रखते थे और पांडे के समय में सिर्फ सिर्फ उसके पिता ही रहते थे और श्री पांडे के समय में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का पेड़–पौधा लगना! शुरू हुआ और अब वर्तमान में जनसंपर्क विभाग में भ्रष्टाचार का बड़ा बरगद का पेड़ हो चुका है।

बिरसा टाइम्स देश का विश्वास पत्रकारिता के उन मूल्यों में है जो आम आदमी की चिंताओं और सरोकारों को आवाज देते हैं। इसीलिए बिरसा टाइम्स लोगो के बीच इस लम्बी यात्रा में भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखने में कामयाब रहा है। अपने खास कंटेंट, गंभीर राजनैतिक विश्लेषण, अलग अंदाज और सुन्दर छपाई के चलते बिरसा टाइम्स को सम्मान–जनक स्थान मिला हैं। शायद इसीलिए बिरसा टाइम्स के पाठक वे युवा और संवेदनशील लोग हैं जो न केवल देश के बारे में सोचते हैं बल्कि देश के लिए कुछ करने का जज्बा भी रखते हैं।

सत्य और निष्पक्ष समाचारों के लिए पढ़ें!

सम्पर्क सूत्र :–

aadivasiexpress@gmail.com
birsatimes@gmail.com | 8084674042 | 6202611859
8084674042